राष्ट्रीय दैनिक

# प्रातः किरण

हर खबर की खबर

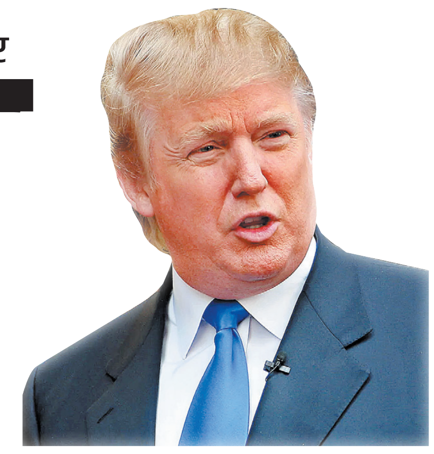

नई दिल्ली, पटना, एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran


11 शुभमन गिल दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की...

ट्रंप ने मृत अर्थव्यवस्था से 10 वर्षों से कमाए... 10

वर्ष : 16 ■ अंक : 96 ■ नई दिल्ली, शनिवार, 09 अगस्त, 2025 ■ विक्रम संवत् 2082 ■ पेज : 12 ■ मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

# चुनाव में नोटा का तब भी मिले विकल्प जब मैदान में हो एक ही उम्मीदवार?

## सुप्रीम कोर्ट ने इस अहम मुद्दे पर विचार करने की दी सहमति

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव में नोटा का विकल्प मतदाताओं को तब भी मिलना चाहिए, जब चुनाव मैदान में सिर्फ एक उम्मीदवार हो? सुप्रीम कोर्ट ने इस अहम मुद्दे पर विचार करने की सहमति दे दी है। कोर्ट यह भी देखेगा कि क्या नोटा को मिले वोट उम्मीदवार से ज्यादा होने पर चुनाव रद्द कर देना चाहिए। केंद्र सरकार और चुनाव आयोग ने नोटा को एक असफल विचार बताया है। उनका कहना है कि 2013 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद लागू होने के बावजूद, मतदाताओं ने इसमें कोई खास दिलचस्पी नहीं दिखाई है। जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्ज्वल भुयान और जस्टिस एन के सिंह की बेंच ने कहा कि यह एक दिलचस्प सवाल है। यह सच है कि भारत में चुनाव बहुत ही कड़े होते हैं। लेकिन कल्पना कीजिए कि मतदाता उस अकेले उम्मीदवार को नहीं चाहते हैं, जो निर्विरोध चुना जाने वाला है। वे उसे विधानसभा या लोकसभा में अपना प्रतिनिधि नहीं बनाना चाहते। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर मतदाताओं में अकेले उम्मीदवार के खिलाफ गुस्सा है, तो वे बड़ी संख्या में नोटा को चुनेंगे। अगर नोटा को मिलने वाले वोट अकेले उम्मीदवार से ज्यादा हैं, तो क्या

किया जाना चाहिए? यह भले ही सैद्धांतिक हो, लेकिन यह एक बहुत ही दिलचस्प सवाल है, जिस पर न्यायिक विचार-विमर्श की जरुरत हो सकती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि यह भारतीय संदर्भ में पूरी तरह से अवास्तविक विचार है। चुनाव आयोग की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में पेश वरिष्ठ वकील ने कहा कि नोटा के आने के बाद से आज तक इसका किसी भी चुनाव पर कोई असर नहीं पड़ा है। उन्होंने कहा कि हर जीतने वाले उम्मीदवार को नोटा से ज्यादा वोट मिले हैं, भले ही कुछ हारने वाले उम्मीदवारों को नोटा से कम वोट मिले हों। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि चुनाव आयोग कानून और सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के मुताबिक चुनाव कराने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बेंच से पूछा कि अगर नोटा को अकेले उम्मीदवार से ज्यादा वोट मिलने के कारण चुनाव रद्द कर दिया जाता है, तो दोबारा चुनाव होने पर क्या होगा, अगर फिर से वही स्थिति बन जाए? विधि सेंटर फॉर लीगल पॉलिसी द्वारा दायर एक जनहित याचिका के जवाब में चुनाव आयोग ने अपने हलफनामे में कहा कि लोकसभा क्षेत्र से उम्मीदवारों का निर्विरोध चुना जाना बहुत ही दुर्लभ है। 1991 से अब तक ऐसा सिर्फ एक बार हुआ है। उन्होंने कहा 1971 से आज तक, यानी पिछले 54 वर्षों में, कुल छह निर्विरोध चुनाव हुए है। 1951 से अब तक हुए 20 आम चुनावों में, केवल नौ निर्विरोध चुनाव हुए हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि नोटा को सभी प्रत्यक्ष निर्विरोध चुनावों में अनिवार्य रूप से चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार के रूप में मानना कानून में सही नहीं है। इसके लिए जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 और चुनाव संचालन नियम, 1961 में विधायी संशोधन की जरुरत होगी।

**मौसम**

अधिकतम तापमान 35.0°C
न्यूनतम तापमान 24.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

| | |
|---|---|
| हां | 50% |
| नहीं | 40% |
| कह नहीं सकते | 10% |

**बाजार**

| | |
|---|---|
| सोना | 1,03,995 |
| चांदी | 1,17,000 |
| सेंसेक्स | 79,857 |
| निफ्टी | 24,363 |

## संक्षिप्त खबरें

### ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मोहन यादव से की मुलाकात, आपदा राहत बचाव पर चर्चा

नई दिल्ली। केंद्रीय संचार तथा पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री और गुना से सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने गुरुवार को अपने दिल्ली आवास पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की। यह बैठक प्रदेश में हाल की आपदाओं, क्षेत्रीय विकास, और जनहित से जुड़े मुद्दों पर समन्वय बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित हुई। बैठक के दौरान ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को अपने संसदीय क्षेत्र गुना, शिवपुरी और अशोकनगर में हाल ही में हुई अतिवृष्टि और बाढ़ से उत्पन्न हालात की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने क्षेत्र में फसलों को हुए नुकसान, ग्रामीण बुनियादी ढांचे में आई बाधाएं, और प्रभावित परिवारों की कठिनाइयों को विस्तार से साझा किया। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मुख्यमंत्री मोहन से अनुरोध किया कि प्रभावित जिलों में त्वरित राहत एवं बचाव कार्यों में तेजी लाई जाए। किसानों को समुचित मुआवजा और बीमा लाभ शीघ्रता से प्रदान किया जाए। बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों, पुलों, और जल निकासी व्यवस्था की मरम्मत को प्राथमिकता दी जाए। स्थायी समाधान हेतु जल प्रबंधन और आपदा तैयारी के दीर्घकालिक उपायों पर विचार किया जाए।

# अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को बचाना चाहती हैं लालू एंड कंपनी, जबाब दें: शाह

## पुनौराधाम में माता जानकी के भव्य मंदिर का किया भूमिपूजन

प्रात: किरण, एजेंसी

सीतामढ़ी। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और नीतीश कुमार ने शुक्रवार को सीतामढ़ी में माता जानकी मंदिर का भूमिपूजन किया। इस दौरान डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि मां जानकी ने बारिश भेजकर आशीर्वाद दिया है। मां जानकी का आशीर्वाद पूरे भारत के लिए शुभ होगा। 890 करोड़ रुपए की लागत से पुनौराधाम में मां जानकी का भव्य मंदिर बनेगा। आज सीतामढ़ी के साथ पूरे बिहार और देश के लिए सौभाग्य का दिन है।

ये सिर्फ एक मंदिर नहीं है, बल्कि मिथिलांचल और बिहार के सौभाग्य की शुरूआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों से ही माता जानकी का भव्य मंदिर बन रहा है। इस मौके पर ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर शाह ने कहा कि कांग्रेस की सरकार में लोग बम धमाके कर भाग जाते थे। कई पूछने वाला नहीं था। लेकिन हमारी सरकार ने सेना को खुली छूट दी, इसके बाद सेना ने पहलगाम हमले का बदला लिया। पाकिस्तान को घर में घुसकर मारा। ये लालू एंड पार्टी ऑपरेशन सिंदूर पर सवाल उठाती है।

लेकिन लालू एंड कंपनी को मालूम नहीं है ये नरेंद्र मोदी की एनडीए की

सरकार है। देश से खिलवाड़ करने का किसी को अधिकार नहीं है। बिहार के सभी अखबारों में सवाल उठाए जा रहे हैं एसआईआर होना चाहिए किया नहीं होना चाहिए। देश से घुसपैठियों को बाहर होने चाहिए की नहीं होने चाहिए। लालू जी आप किसे बचाना चाहते हो। जो बांग्लादेश से आकर मेरे बिहार के लोगों की नौकरी खा जाते हैं, क्या आप उन्हें बचाना चाहते हो। इस पूरे मामले पर लालू एंड कंपनी को जवाब देना चाहिए। घुसपैठियों के वोट चाहिए, तब बिहार की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। राहुल गांधी को भी कहना चाहता हूं चुनाव पर चुनाव हारते हैं। इसलिए लोगों को इस तरह की वजह बताते हैं। गुरुवार को लालू की पार्टी ने प्रेसवार्ता कर पूछा शाह ने मिथिलाचंल को क्या दिया। अरे मैं बनिया का बेटा हूं। आना, पाई-पाई की हिसाब लेकर आया हूं। लालू जब रेल मंत्री थे, तब हर साल रेलवे के लिए 1132 करोड़ रुपए खर्च करते थे। मोदी जी ने साल 2025-26 के लिए 10 हजार 66 करोड़ का बजट रेल के लिए रखा है।

इसके पहले मूसलाधार बारिश के बीच गृहमंत्री शाह ने मां जानकी के मंदिर की पहली ईंट रखी। मंदिर को नेपाल के फूलों से सजाया गया है। भूमिपूजन के लिए 21 तीर्थों की मिट्टी, 11 नदियों का जल मंगवाया गया था। अयोध्या के हनुमान गढ़ी से ईंट भी पहुंची थी। 50 एकड़ में 882 करोड़ की लागत से मां जानकी के भव्य मंदिर का निर्माण होगा। पूरे मंदिर का निर्माण खास किस्म के सैंड स्टोन (बलुआ पत्थर) से होगा। ये पत्थर राजस्थान से मंगवाए गए हैं। मंदिर की ऊंचाई 156 फीट होगी, जो अयोध्या के राम मंदिर से 5 फीट कम है। शाह ने समस्तीपुर से दिल्ली के लिए अमृत भारत ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम में पीएम मोदी की अयोध्या में पूजा की तस्वीरें दिखाई गईं।

बात दें कि राज्य मंत्रिमंडल ने 1 जुलाई को मंदिर परिसर के एकीकृत विकास के लिए 882.87 करोड़ रुपये की कुल राशि में से 137 करोड़ रुपये पुराने मंदिर और उसके परिसर के विकास पर खर्च किए जाएँगे, जबकि 728 करोड़ रुपये पर्यटन संबंधी गतिविधियों पर खर्च किए जाएँगे। इसके अलावा, 10 वर्षों तक व्यापक रखरखाव पर 16 करोड़ रुपये खर्च किए जाएँगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) इस परियोजना का क्रियान्वयन करेगा। राज्य सरकार ने हाल ही में मंदिर के निर्माण और पुनर्विकास के लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में नौ सदस्यीय ट्रस्ट का गठन किया है। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही, भाजपा, जद(यू) और लोजपा वाला राजग एक बार फिर बिहार में अपनी सत्ता बरकरार रखने की कोशिश करेगा, और राजद, कांग्रेस और वामपंथी दलों वाला भारत ब्लॉक, नीतीश कुमार को सत्ता से बेदखल करने की कोशिश करेगा।

# धराली में तबाही ने सब कर दिया बर्बाद, सीएम ने ग्राउंड जीरो पर संभाला मोर्चा

## कहा- राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाई और जरूरी सामान की कमी न हो

प्रात: किरण, एजेंसी

देहरादून। बादल फटने से हुई तबाह धराली की मलबे में रुंध गईं। आपदा के चलते सड़कों का नाता टूट गया। अलग-थलग पड़ा उच्च हिमालय का कातर को हमदर्द और हौसले की सख्त जरूरत थी। ऐसी विपदा में सीएम पुष्कर सिंह धामी ने दो दिन तक ग्राउंड जीरो पर मोर्चा संभाला। उन्होंने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में मजबूत छवि गढ़ी। देहरादून से लेकर उत्तरकाशी तक पूरा तंत्र सक्रिय रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आपदाग्रस्त क्षेत्रों में सीएम धामी सबसे पहले पहुंचे तो पीड़ित भी अपने बीच उन्हें पाकर उनके कंधे पर सिर रखा रोने लगे। सांत्वना और विश्वास के रूप में धामी उनके बीच थे। उत्तरकाशी जिले में 2023 के नवंबर माह में सिलक्यारा में निमार्णाधीन सुरंग ढहने से 41 श्रमिक फंस गए थे। आपदा की उस घड़ी में भी धामी ने सरकार के नेतृत्वकर्ता के रूप में मौके पर डेरा डाला था। केंद्र से मिल रहा निरंतर सहयोग उनकी मौके पर मौजूदगी से और प्रभावी बन गया था। तब भी धामी ने प्रशासनिक क्षमता के साथ प्रदेश के राजनीतिक नेतृत्व के रूप में अपनी छवि राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित की थी। धराली आपदा के मौके पर धामी एक बार फिर उत्तरकाशी जिले में प्रभावितों के

बीच पहुंच गए। विगत मंगलवार को आंध्र प्रदेश का दौरा बीच में छोड़कर देर सायं देहरादून लौटे धामी सीधे राज्य आपदा परिचालन केंद्र पहुंचे। राहत को मिशन बनाकर सीएम दो दिन से ग्राउंड जीरो पर हैं। राहत और बचाव कार्यों को युद्ध स्तर पर संचालित करने के साथ-साथ वह पल-पल की जानकारी ले रहे हैं। हर स्तर पर व्यवस्था पर सीएम की नजर है। परिणामस्वरूप आपदा प्रबंधन की पूरी मशीनरी 24 घंटे क्रियाशील है।

शासन के वरिष्ठ अधिकारी देहरादून स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र के जरिए से सीएम के साथ ही राहत व बचाव दलों के संपर्क में लगातार बने हुए हैं। सड़क संपर्क और पुल से कटे होने के कारण हेली सेवाओं ने राहत व बचाव कार्यों को गति देने में भूमिका निभाई। एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, आइटीबीपी व अन्य केंद्र व राज्य की एजेंसियों के साथ बेहतर समन्वय का प्रभाव साफ दिया। इस पूरे आपरेशन में वायुसेना के 2 चिनूक, 2 एमआई-17, चार अन्य हेलीकाप्टर, राज्य सरकार के आठ हेलीकाप्टर, एक आर्मी एएलएच और दो चीता हेलीकाप्टर लगाए गए। इस कारण प्रभावितों तक राहत तेजी से पहुंच रही है। जमीनी स्तर पर राजपुताना राइफल्स के 150 जवान, घातक टीम के 12 कमांडो, एनडीआरएफ के 69, एसडीआरएफ के 50 जवान, चार मेडिकल टीमें, 9 फायर टीमें, 130 आईटीबीपी के जवान, और बीआरओ के 15 कर्मियों समेत कुल 479 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इसके अलावा 814 अतिरिक्त जवानों को अन्य क्षेत्रों से सीधे प्रभावित क्षेत्र में तैनात किया गया है। सीएम धामी ने गंभीर घायलों को एयरलिफ्ट कर देहरादून या एम्स ऋषिकेश भेजने के निर्देश दिए। राहत शिविरों में भोजन, पानी, दवाइयों और अन्य जरुरी सामान की कमी न हो, इस पर नजर रखी जा रही है। प्रभावितों के लिए 2000 से ज्यादा खाने पैकेट भेजे गए। ड्राइ राशन हवाई मार्ग से हर्षिल पहुंचाया जा रहा है, जहां से उसे दूरस्थ गांवों तक पहुंचाया जाएगा। बंद सड़कों को खोलने, इंटरनेट सेवा की बहाली, और बिजली, पेयजल की टूटी लाइन को भी जोड़ा जा रहा है। धामी ने गुरुवार को पौड़ी जिले आपदा प्रभावित नैठा बाजार, सैंजी गांव और बांकुड़ा क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और माताओं-बहनों से भेंट की।

# कपिल शर्मा के 'कैप्स कैफे' पर गोलीबारी के बाद बिश्नोई गैंग ने दी धमकी

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लॉरेंस बिश्नोई गैंग कपिल शर्मा को बार-बार टारगेट कर रहा है? कपिल के फैंस इसका जवाब खोज रहे हैं। आखिर कॉमेडियन कपिल से ऐसी कौन सी गलती हो गई जो एक महीने में दूसरी बार उनके कनाडा स्थित 'कैप्स कैफे' में गोलीबारी हुई। इसका सीधा कनेक्शन लॉरेंस बिश्नोई के दुश्मन से है। कपिल शर्मा से कहां हुई 'गलती' ये लॉरेंस बिश्नोई गैंग गैंगस्टर हैरी बॉक्सर ने बताया दिया।

उन्होंने न सिर्फ कपिल को टारगेट करने के पीछे की वजह बताई बल्कि सीधे तौर पर चेतावनी भी दे डाली कि अगर अब भी नहीं माने तो अब गोली सीने पर चलेगी। कपिल के कनाडा में फायरिंग का मामले में लारेंस गैंग के गैंगस्टर हैरी बॉक्सर का ऑडियो सामने आया है। इस ऑडियो में हैरी ने साफ कहा कि जो भी सलमान खान के साथ काम करेगा वह मारा जाएगा। हैरी ने कहा कि कपिल शर्मा के रेस्टोरेंट पर पहले और अब फायरिंग हुई है वह इसलिए क्योंकि उसने सलमान खान को नेटफ्लिक्स पर अब 'द कपिल शर्मा शो' के प्रीमियर शो में बुलाया था। कपिल का सलमान खान को बतौर गेस्ट अपने शो पर बुलाना बिश्नोई गैंग को अच्छा नहीं लगा। इसका बदला लेने के लिए उन्होंने कपिल के कैफे पर फायरिंग की। ऑडियो में धमकी देते हुए हैरी ने कहा है ह्यजो सलमान के साथ काम करेगा वह मरेगा और गोली सीधे छाती पर चलेगी।

# भारत नहीं, पश्चिमी देश ही रूस की बने हैं आर्थिक रीढ़, ट्रंप के दावे झूठे

■ इंटरनेशनल ट्रेड हब्स से तेल खरीदता है भारत, न कि सीधे रूसी सरकारी संस्थानों से

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत पर रूस की आर्थिक मदद करने का आरोप लगाते हुए टैरिफ बढ़ाने की चेतावनी दी है। उन्होंने दावा किया कि भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद से यूक्रेन युद्ध को बढ़ावा मिल रहा है, लेकिन हकीकत इसके बिल्कुल उलट है। सच्चाई तो यह है कि भारत नहीं, बल्कि पश्चिमी देश ही रूस की

आर्थिक रीढ़ बने हुए हैं। पश्चिमी देशों ने रूसी तेल पर प्रतिबंध नहीं, बल्कि प्राइस कैप प्रणाली लागू की है। भारत इस लिमिट के तहत ही तेल खरीदता है—पूरी तरह कानूनी और पारदर्शी तरीके से। जब भारत नियमों के तहत व्यापार कर रहा है, तो केवल उसी को निशाना क्यों बनाया जा रहा है? इसका सीधा जवाब है—भूराजनीतिक ईर्ष्या। भारत का बढ़ता वैश्विक प्रभाव कुछ देशों को पच नहीं रहा है। चीन (47 फीसदी), भारत (38फीसदी), और यूरोपीय संघ व तुर्की (6फीसदी) ये हैं रूस के सबसे बड़े ग्राहक। अकेले भारत को दोषी ठहराना तथ्यों से परे है।

बता दें यूरोपीय संघ खुद जून 2025 में 1.2 अरब डॉलर की रूसी गैस खरीद चुका है। टॉप पर हैं फ्रांस, हंगरी, नीदरलैंड, स्लोवाकिया। भारत रूसी रिफाइंड ईंधन नहीं खरीदता। लेकिन नाटो सदस्य चीन, ब्राजील, तुर्की जैसे देश बड़ी मात्रा में खरीद रहे हैं। भारत इंटरनेशनल ट्रेड हब्स से तेल खरीदता है, न कि सीधे रूसी सरकारी संस्थानों से। सभी लेनदेन नियमों के दायरे में होते हैं।

# राज्य सभा ने भारत छोड़ो आंदोलन के स्वतंत्रता सेनानियों को किया याद

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्य सभा ने शुक्रवार को भारत छोड़ो आंदोलन के 83वीं वर्ष गांठ के मौके पर स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया और उनके सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। इस मौके पर राज्यसभा के उपसभापति ने कहा कि 9 अगस्त को ऐतिहासिक भारत छोड़ो आंदोलन की 83वीं वर्षगांठ है, जो हमारे राष्ट्र के स्वतंत्रता संग्राम का एक निर्णायक क्षण है। 9 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी के नेतृत्व में शुरू किया गया भारत छोड़ो आंदोलन ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के अंत के लिए एक निर्णायक और शक्तिशाली आह्वान था। 'करो या मरो' के आह्वान के साथ इस आंदोलन ने स्वतंत्रता के साझा उद्देश्य के लिए विभिन्न क्षेत्रों और समुदायों के पुरुषों और महिलाओं, युवाओं और वृद्धों को एकजुट किया। कठोर दमन, कारावास और क्रूर दमन का सामना करने के बावजूद भारत के लोगों ने असाधारण साहस और दृढ़ संकल्प का परिचय दिया। इस आंदोलन ने स्वतंत्रता संग्राम में नई ऊर्जा और तत्परता का संचार किया और पांच वर्ष बाद भारत की अंतिम स्वतंत्रता की नींव रखी। उन्होंने कहा कि अपने इतिहास के इस ऐतिहासिक अध्याय को याद करते हुए हम उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने कहा कि सदन के सदस्यों के रूप में स्वतंत्रता, लोकतंत्र और न्याय के उन मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें, जिन्हें भारत छोड़ो आंदोलन ने इतनी बहादुरी से कायम रखा।

# चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ संसद परिसर में विपक्ष ने किया प्रदर्शन

प्रात: किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद में जारी मानसून सत्र के दौरान शुक्रवार को विपक्षी दलों के सांसदों ने एसआईआर और चुनाव आयोग के हलफनामें वाले फैसले के खिलाफ संसद परिसर में जोरदार प्रदर्शन किया। बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के विरोध में विपक्षी सांसदों ने पोस्टर और नारेबाजी के जरिए अपना विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शन में शामिल सांसदों ने वोट चोरी बंद करो, तानाशाही बंद करो, दादागिरी बंद करो जैसे नारों के साथ चुनाव आयोग और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। कुछ पोस्टरों में नारे मराठी भाषा में भी लिखे हुए थे। विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद रहीं। विपक्षी दलों का कहना है कि एसआईआर की प्रक्रिया बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाताओं को वोटिंग अधिकार से वंचित करने की एक साजिश है। उनका यह भी आरोप है कि चुनाव आयोग का यह कदम लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप के समान है। विपक्ष इस मुद्दे पर लोकसभा और राज्यसभा दोनों में चर्चा की

मांग कर रहा है। बिहार में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर छिड़ी राजनीतिक बहस, बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में बेहद अहम है। जहां विपक्ष इस निर्णय को लोकतांत्रिक अधिकारों पर खतरा बता रहा है, वहीं चुनाव आयोग इसे सुधार और पारदर्शिता की दिशा में उठाया गया कदम बता रहा है। बहरहाल विपक्ष एसआईआर को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है ऐसे में अब देखना होगा कि आने वाले दिनों में यह मुद्दा क्या नया मोड़ लेता है।

**आरोप** 'चुनाव आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश व राजस्थान में अपनी वेबसाइट बंद की है।

# कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का नया आरोप- वेबसाइट बंद कर सबूत मिटा रहा

प्रात: किरण, एजेंसी

बेंगलुरु। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चुनाव आयोग पर नए आरोप लगाए हैं। बेंगलुरु में आयोजित कांग्रेस की 'वोट अधिकार रैली' में राहुल गांधी ने नया दावा करते हुए कहा कि जब देश की जनता हमारे डेटा को लेकर सवाल पूछ रही है तो चुनाव आयोग ने वेबसाइट ही बंद कर दी है। रैली में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, 'चुनाव आयोग ने बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान में अपनी वेबसाइट बंद की है। चुनाव आयोग जानता है कि जनता उनसे सवाल पूछने लगी तो उनका पूरा ढांचा ढह जाएगा।' 'शपथ पत्र' वाले

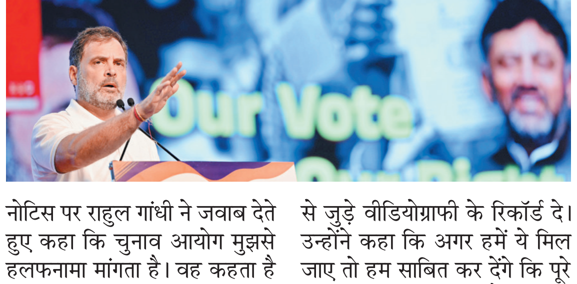



नोटिस पर राहुल गांधी ने जवाब देते हुए कहा कि चुनाव आयोग मुझसे हलफनामा मांगता है। वह कहता है कि मुझे शपथ लेनी होगी। लेकिन मैंने संसद में संविधान की शपथ ली है। कांग्रेस सांसद ने फिर मांग रखी कि चुनाव आयोग हमें पूरे देश की इलेक्ट्रॉनिक वोटर लिस्ट और चुनाव से जुड़े वीडियोग्राफी के रिकॉर्ड दे। उन्होंने कहा कि अगर हमें ये मिल जाए तो हम साबित कर देंगे कि पूरे देश में सीटें चोरी की गई हैं।

अपने आरोपों को दोहराते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'पहले लोकसभा का चुनाव हुआ, फिर महाराष्ट्र का विधानसभा चुनाव हुआ। लोकसभा में हमारा गठबंधन भारी सीटों के साथ चुनाव जीता, लेकिन फिर चार महीने बाद विधानसभा चुनाव में भाजपा जीत गई। ये बेहद चौंकाने वाली बात थी। हमने पता किया तो मालूम चला कि विधानसभा चुनाव में एक करोड़ नए मतदाताओं ने वोट डाला है। जहां भी ये नए वोटर आए, वहां भाजपा ने जीत हासिल की। हमारे वोटों में कमी नहीं आई, लेकिन नए मतदाताओं का वोट भाजपा के खाते में गया। उसी दिन हमें समझ आ गया कि दाल में कुछ काला है।' कांग्रेस सांसद ने आगे कहा, 'चुनाव आयोग से मदद नहीं मिली तो हमने खुद से जांच शुरू की। इसके लिए हमने बेंगलुरु सेंट्रल लोकसभा सीट के महादेवापुरा विधानसभा क्षेत्र को चुना। हमने जांच में जो पाया, मैंने उसे प्रेस कॉन्फ्रेंस में सबके सामने रखा और ये साबित कर दिया कि भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर 'वोट चोरी' की है। महादेवापुरा विधानसभा क्षेत्र में साढ़े 6 लाख वोट हैं और उसमें से 1,00,250 'वोट चोरी' किए गए हैं। मतलब- भाजपा ने हर 6 में से 1 'वोट चोरी' किया है।' उन्होंने कहा कि कर्नाटक में हमने जो डेटा निकाला है, वह अपराध का सबूत है। इस डेटा को निकालने में हमें 6 महीने लगे। हमने हर एक नाम को चेक किया, हर एक फोटो को लाखों फोटो के साथ मैच किया। हमारा मानना है कि चुनाव का डेटा एक सबूत है। अगर उसे किसी ने खत्म किया, तो उसका मतलब है कि वह सबूत मिटा रहा है।

## संक्षिप्त समाचार

### काले कपड़ों में गंगा के पानी में लेटी थी महिला, पास जाकर देखा तो... भीड़ जमा होने पर दौड़ी-दौड़ी आई पुलिस

**रुड़की, एजेंसी।** सोलानी पार्क के पास गंगनहर में लेटकर रील बनाती महिला को पुलिस ने पकड़ लिया। महिला का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। साथ ही महिला को चेतावनी देकर छोड़ा गया। इस दौरान मौके पर काफी भीड़भाड़ का माहौल रहा। साथ ही महिला का यह वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित भी हो रहा है। भारी बारिश के चलते गंगनहर में सिल्ट आने की वजह से पानी कम मात्रा में छोड़ा गया है। गंगनहर में पानी कम होने का फायदा उठाते हुए बुधवार शाम एक महिला सोलानी पार्क के पास पहुंची। महिला ने गंगनहर के पानी में लेटकर अटखेलिया करते हुए रील बनानी शुरू कर दी। महिला का एक साथी मोबाइल से उसकी रील शूट करता रहा। जबकि महिला पानी में लेटकर अलग अलग एंगल से रील शूट कराती रही। इसे देख गंगनहर किनारे लोगों की काफी भीड़ लग गई। जिसकी वजह से गंगनहर पटरी पर आवागमन भी बाधित हो गया। इसी बीच किसी ने इसकी सूचना सिविललाइंस कोतवाली पुलिस को दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की टीम ने महिला को पकड़ लिया। महिला का पुलिस एक्ट में चालान किया गया। साथ ही महिला को चेतावनी देकर छोड़ दिया। महिला का वीडियो अब इंटरनेट मीडिया पर भी प्रसारित हो रहा है।

### तीन सीओ और छह थाना प्रभारी खाक छानते रहे...फिर भी नतीजा सिफर, अमित के सिर और हाथ की तलाश में पुलिस

**नैनीताल, एजेंसी।** अमित की हत्या के बाद उसका कटा सिर और दाहिना हाथ ढूंढने में पुलिस को चौथे दिन भी सफलता नहीं मिली है। सीओ के साथ ही पुलिस टीमें बृहस्पतिवार को दिन भर जंगल और खेतों में छानबीन करती रहीं, लेकिन हाथ खाली ही रहे। गौलापार स्थित पश्चिम खेड़ा में बंटाईदार खूबकरन मौर्य के 10 वर्षीय बेटे अमित मौर्य की हत्या के बाद उसका कटा सिर और दाहिना हाथ ढूंढने में पुलिस को चौथे दिन भी सफलता नहीं मिली है। सीओ नितिन लोहनी के साथ ही पुलिस टीमें बृहस्पतिवार को दिन भर जंगल और खेतों में छानबीन करती रहीं जिस गड्ढे में बच्चे का शव मिला था, उसके आसपास की जमीन को जेसीबी से दोबारा खुदवाया गया, लेकिन हाथ खाली ही रहे। बृहस्पतिवार सुबह ही स्निफर डॉग को लेकर पुलिस टीम पश्चिमी खेड़ा पहुंच गई। पुलिस ने आरोपियों की घर की फिर से तलाशी ली। घर में रखे कबाड़ जैसे सामान को बाहर निकलवाया। इसके बाद घर का कोना-कोना छान मारा। घर के पीछे स्थित गोठ (पशुशाला) का भी बारीकी से निरीक्षण किया। फोरेंसिक टीम ने यहां से नमूने लिए जिस कट्टे में लाश मिली थी, उसे सुंघाकर स्निफर डॉग को एक बार फिर दौड़ाया गया लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। दोपहर बाद सीओ के नेतृत्व में टीम ने घर से सौ मीटर के दायरे में आने वाले निर्माणाधीन मकान को भी खंगाला। इसके बाद गौला नदी की ओर खेतों और पेड़ों के झुरमुट तक तलाशी अभियान चलाया गया। मुख्य सड़क से मकान तक आने वाले रास्ते पर पड़ने वाले खेतों की भी खाक छानी गई। देर शाम अभियान रोक दिया गया। पुलिस अब शुक्रवार को तलाश में जुटेगी। बरेली निवासी खूबकरन परिवार के साथ गौलापार के पश्चिमी खेड़ा में रहते हैं। उनका बेटा अमित सोमवार को लापता हो गया था। मंगलवार को उसका सिर व हाथ कटा शव पड़ोसी के घर से कुछ दूरी पर गड्ढे से बरामद हुआ। संदेह के आधार पर पुलिस ने आरोपी सहित परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। 24 घंटे बीतने के बाद भी खुलासा नहीं होने से नाराज परिजनों और लोगों ने बुधवार को काठगोदाम में चार घंटे हंगामा किया। इस दौरान पुलिस को बल प्रयोग कर उन्हें खदेड़ना पड़ा था। अमित का शव मोर्चरी में रखा है। सिर नहीं मिल पाने के कारण अभी तक पोस्टमार्टम नहीं हो पाया है।

## शातिर नौकरानियां : कारोबारी के परिवार को खाने में दिया नशीला पदार्थ

**हरिद्वार, एजेंसी।** दोनों महिलाओं ने परिवार को दोपहर में खाना दिया। उसके बाद उन्हें होश नहीं रहाआरोप है कि इस बीच दोनों महिलाएं घर से सामान चोरी कर फरार हो गईं।

ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र में एक सराफा कारोबारी के यहां काम करने वाली नेपाली मूल की दो महिलाएं परिवार के तीन सदस्यों को खाने में नशीला पदार्थ देकर सामान लेकर फरार हो गईं। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने जानकारी जुटाई। दोनों महिलाओं का घर से निकलते समय सीसीटीवी कैमरे का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने दोनों की खोजबीन कर रही है। पुलिस के अनुसार, कारोबारी यशपाल मल्होत्रा पुत्र बोगाराम आरके एनक्लेव आर्यनगर ज्वालापुर में अपने परिवार के साथ रहते हैं। उनके यहां दो नेपाली मूल की महिलाएं घरेलू नौकर थीं। बताया गया कि बृहस्पतिवार को दोनों महिलाओं ने यशपाल मल्होत्रा, उनकी पत्नी जीत मल्होत्रा, चार वर्षीय हर शिवा पुत्र मानक मल्होत्रा को दोपहर में खाना दिया। खाना खाने के बाद उन्हें होश नहीं रहा। आरोप है कि इस बीच दोनों महिलाएं घर से सामान चोरी कर फरार हो गईं। इसका पता उन्हें तब चला जब शाम को उन्हें होश आया। मामले की जानकारी पुलिस को दी। सूचना पर वरिष्ठ उप निरीक्षक नितिन चौहान पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। घटना की जानकारी लेते हुए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरें चेक किए।

# गंगोत्री धाम के पास फंसे थे गुजरात के 12 यात्री, सुरक्षित पहुंचे ऋषिकेश

**ऋषिकेश, एजेंसी।** धराली आपदा के कारण गंगोत्री धाम के समीप फंसे गुजरात के 12 यात्रियों का समूह गुरुवार शाम को ऋषिकेश स्थित चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप पहुंचा तो आपदा के बाद पहली बार घर में फोन से सकुशल होने की सूचना दी।

सदस्यों के सकुशल होने की सूचना पाकर घरवालों की जान पर जान आई। ऋषिकेश पहुंचे लबारा लाकाबाई ने बताया कि उन पर आपदा का कोई असर नहीं पड़ा, लेकिन पिछले घरवालों की चिंता में पिछले 52 घंटे उनके लिए किसी आपदा से कम नहीं रहे।

गुरुवार शाम को पांच बजे ऋषिकेश स्थित चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में गुजरात के 12 यात्रियों का जत्था सकुशल पहुंचा।

कहा कि आपदा के बाद वे सभी अपने घरों में सकुशल होने की सूचना देने का प्रयास करते रहे, लेकिन मोबाइल नेटवर्क पूरी तरह ठप था। कहा कि उन्हें अपने घरवालों की चिंता सताती रही। कहा कि

मंगलवार दोपहर को आपदा घटित हुई, उसके बाद गुरुवार को शाम पांच बजे ऋषिकेश ट्रांजिट कैंप में उतरने के बाद उन्होंने अपने घरों में पहली बार फोन किया और सकुशल होने की सूचना दी।

कहा कि यह सूचना मिलकर उनके स्वजनों को बड़ी राहत मिली। बताया कि उनके जत्थे में शामिल 12 यात्रियों ने चार अगस्त को सुबह गंगोत्री धाम में दर्शन किए और आपदा के समय वे कुछ दूरी पर होटल में ठहरे थे। आपदा के बाद प्रशासन ने उन्हें होटल में रहने व खाने की निश्शुल्क सुविधा दी। कहा कि उन्होंने आपदा घटित होने के बाद ऋषिकेश पहुंचने पर जब घर में पहला फोन किया तो घरवाले उन पर गुस्सा हो रहे थे कि उन्होंने 48 घंटे से ज्यादा समय से एक फोन भी क्यों नहीं किया। कहा कि स्वजनों ने कहा कि उनके बच्चों ने पिता की चिंता में दो दिन से सही से खाना नहीं खाया है। वे पिता के फोन का इंतजार कर रहे थे।

धराली आपदा के प्रभावितों के लिए ऋषिकेश में प्रशासन ने अलग-अलग सेक्टर बनाए हैं। उपजिलाधिकारी ऋषिकेश योगेश मेहरा ने बताया कि चारधाम यात्रा ट्रांजिट कैंप में लोनिवि के अधिशासी अभियंता बीएन द्विवेदी को जिम्मेदारी दी गई है। जबकि आपदा प्रभावितों के लिए आवास एवं भोजन व्यवस्था के लिए जयराम आश्रम सेक्टर में परियोजना प्रबंधक पेयजल निगम एसके वर्मा व कबीर चौरा आश्रम में ईई सिंचाई विभाग दीक्षांत गुप्ता को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय से एफिलिएटेड कॉलेजों के कर्मचारियों का सैलरी विवाद

**नैनीताल, एजेंसी।**
उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हेमवती नन्दन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कई कालेजों के कर्मचारियों को कई समय से वेतन नहीं देने के मामले पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तिथि नियत की है.

मामले के अनुसार हेमवती नंदन बहुगुणा केंद्रीय विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कई कालेजों के कर्मचारियों को कई समय से वेतन न दिए जाने के मामले पर सुनवाई की. याचिकाओं में कहा गया कि उनके वेतन दिये जाने के प्रकरण में वर्ष 2024 को केंद्र सरकार, राज्य सरकार व केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच एक बैठक हुई थी. बैठक में निर्णय लिया गया कि जब तक यह मामला उच्च न्यायलय में विचाराधीन है तब तक कर्मचारियों का वेतन राज्य सरकार देगी, लेकिन तब से राज्य

सरकार ने उनका वेतन नहीं दिया. अब कर्मचारियों को रोजी रोटी के लाले पड़ने लगे हैं. जिसके कारण इस मामले की शीघ्र सुनवाई की जाये.

पूर्व में कोर्ट ने जनहित याचिका में आदेश देकर कहा था कि कर्मचारियों का वेतन केंद्र सरकार देगी. जिसका अनुपालन नहीं हुआ. इस आदेश के क्रम में राज्य सरकार, केंद्र सरकार व केंद्रीय विश्वविद्यालय के बीच बैठक भी हुई, लेकिन राज्य सरकार ने वेतन देने से साफ मना करते हुए कहा कि यह केंद्रीय विश्वविद्यालय है, इसलिए, कर्मचारियों का वेतन केंद्र सरकार देगी. इसके उत्तर में केंद्र ने राज्य सरकार से कहा अभी अभी मामला उच्च न्यायलय में विचाराधीन है. जब तक उसका निस्तारण नहीं हो जाता तब तक राज्य सरकार वेतन देगी. वहीं, एक दूसरे मामले में हाईकोर्ट ने जिला अदालत उधम सिंह नगर के द्वारा एक पोलियोग्रस्त अभियुक्त को पॉक्सो एक्ट में 20 साल की सजा व आर्थिक दंड से दंडित किए जाने के खिलाफ अभियुक्त की रिहाई को लेकर दायर अपील पर सुनवाई की. मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक महरा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 13 अगस्त की तिथि नियत की है. आज हुई सुनवाई पर आईजी ट्रेनिंग कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश हुए. उनके द्वारा पूर्व के आदेश के क्रम में कोर्ट को अवगत कराया कि इसमे नियमावली में सुधार करने हेतु बैठक की जा रही है. इसलिए मामले की सुनवाई के लिए अगली तिथि दी जाये. जिसपर कोर्ट ने 13 अगस्त की तिथि सुनवाई के लिए निर्धारित की है.

## रोटी बनाने को लेकर दो बहनों में झगड़ा, बड़ी बहन ने हथौड़े से किया था छोटी पर हमला

**कलियर, एजेंसी।** तेलीवाला गांव में बच्ची पर बदमाशों के हमले की बात जांच में फर्जी निकली। पुलिस की जांच में सामने आया कि दोनों बहनों के बीच विवाद हुआ था। इसके चलते ही बड़ी बहन ने छोटी बहन के सिर पर हथौड़ी मारकर उसे घायल किया था। स्वजन की डांट से बचने के लिए दोनों ने झूठी कहानी बनाई थी। पुलिस ने दोनों बहनों की काउंसलिंग करने के बाद उन्हें स्वजन की सुपुर्दगी में दिया।

कलियर थाना क्षेत्र स्थित धनौरी पुलिस चौकी को सूचना मिली थी कि तेलीवाला गांव में एक ग्रामीण के घर में घुसकर दो अज्ञात युवकों ने एक बच्ची के सिर पर लोहे की राड से हमला कर उसे घायल कर दिया और वहां से फरार हो गए। घटना के बाद बच्ची को रुड़की के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर जाकर घटना की जानकारी ली। फारेंसिक टीम ने मौके पर जाकर जांच पड़ताल की। पुलिस की टीम ने तेलीवाला गांव में जाकर लोगों से पूछताछ की। साथ ही गांव में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगाला। इस दौरान कोई व्यक्ति ग्रामीण के घर में आते जाते नहीं दिखा। जिस पर पुलिस को मामला संदिग्ध लगा।

पुलिस को पता चला कि ग्रामीण और उसकी पत्नी बाहर गए थे। दोनों बहनें पड़ोस में ही अपने रिश्तेदार के यहां रह रही थी। बुधवार सुबह वह अपने घर आई थी। इसी दौरान घटना हुई। पुलिस ने दोनों बहनों से अलग-अलग पूछताछ की तो पता चला कि छोटी बहन अल्फिशा (9) रोटी बनाने को लेकर बड़ी बहन को परेशान कर रही थी। इसके चलते ही इनमें विवाद हुआ। जिसके चलते बड़ी बहन ने छोटी बहन के सिर पर हथौड़ी से हमला कर दिया।

## खाना खाकर मेले में जाने का था प्लान, आंखों के सामने गिरा होटल...फेंकी थाली; नंगे पैर

**उत्तरकाशी, एजेंसी।**
पांच तारीख की बात है। धराली में हल्की वर्षा हो रही थी। हम दिन का खाना खाकर हारदूध मेला जाने की तैयारी कर रहे थे कि अचानक करीब 1 बजकर 25 मिनट पर एक होटल हमारे पीछे गिर गया, जिसके तुरंत बाद हमने खाने की थाली फेंकी और जान बचाने के लिए नंगे पैर ही हर्षिल की ओर भाग निकले।

कल्पकेदार भगवान की कृपा है कि मेरी जान बच गई। मुझे नया जीवन मिला है। यह आप बीती है धनारी के ईड़ गांव निवासी सोहनपाल पंवार की। सोहनपाल धराली में अपने एक रिश्तेदार के एक होटल में कुक थे।

सोहन पाल पंवार ने बताया कि वह जिस होटल में थे, वहां पर उनका करीब 10 से 12 लड़कों का स्टाफ था। वह हारदूध मेला जाने से पहले खाना खा रहे थे कि अचानक खीर गंगा नदी से इतना सैलाब आया कि किसी को संभलने तक का मौका नहीं मिला, उनके पीछे एक होटल सैलाब में ताश के पत्तों की तरह ढह गया, जिसके बाद वह सभी खाने की थाली फेंककर जान बचाने के लिए करीब 30 से 40 मीटर तक एक गाड़ी के आगे नंगे पैर मिट्टी में कूद-कूद कर भागे, रात में जंगलों से होकर गांव में रहकर किसी तरह अपनी जान बचाई।

बताया कि उन्हें धराली की आपदा में बाबा कल्पकेदार व मां गंगा की कृपा से नया जीवन मिला है। गत बुधवार को नंगे पैर ही उत्तरकाशी पहुंचे। रात दस बजे एक परिचित दुकानदार ने अपनी दुकान खोलकर उन्हें पहनने को जूता दिया।

धराली में आई आपदा में मौत के मुंह से बचकर जिंदा लौटे सोहन पाल ने बताया कि धराली में हारदूध मेला ने कई लोगों की जाने बचाई है। मेले के चलते ही धराली बाजार में कई दुकानें व रेस्टोरेंट बंद थे, मेले के चलते लोगों ने अपने प्रतिष्ठान नहीं खोले थे।

सोहनपाल ने बताया कि मुखबा व धराली दोनों ही जगह हारदूध मेले का आयोजन था, इस कारण जब सैलाब आया और मुखबा से सीटियां बजना शुरु हुई तो उन्हें लगा कि यह सीटियां लोग मेले के चलते बजा रहे हैं। लेकिन उन्हें यह अंदाजा नहीं था कि यह सीटियां उन्हें सैलाब से आगाह करने के लिए बजाई जा रही हैं।

## कुछ सेकंड रुकते तो मलबे में खो जाते, रुंधे गले से व्यवसायी भूपेंद्र बोले- कपड़े भी मांगकर पहने

**उत्तकाशी, एजेंसी।**
उत्तरकाशी के धराली गांव में आई आपदा ने न सिर्फ ज़मीनें छीनीं, बल्कि सपनों को भी मलबे में दफना दिया। होटल व्यवसायी भूपेंद्र पंवार की आंखों में आंसू हैं, जब वे बताते हैं कि कैसे उन्होंने अपनी जिंदगी की जमा-पूंजी से होम स्टे बनवाया था, और कैसे दो सेकंड की देरी उन्हें हमेशा के लिए मिटा सकती थी।

उत्तरकाशी धराली आपदा में अपना सब कुछ खो चुके होटल व्यवसायी भूपेंद्र पंवार की आंखों में आंसू हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह से अप्रैल में ही जीवन भर की कमाई लगाकर यहां एक होम स्टे स्थापित किया था। उस समय लगा था कि सपना पूरा हो गया है, लेकिन किसे पता था कि महज पांच महीनों में कुछ ही सेकंड में वह सब कुछ उनकी आंखों के सामने तबाह हो जाएगा। बताया कि सीटियों की आवाज सुनकर वह और उनके साथ मौजूद चार अन्य लोग तेजी से भागे, अगर दो सेकंड देर हो जाती तो मलबे में कहीं खो जाते।

भूपेंद्र ने संवाद न्यूज एजेंसी से बातचीत में बताया, हम खीरगंगा के तेज बहाव के आदी थे, लेकिन इस बार जो भयानक रूप हमने देखा, वह तीन दिन बाद भी समझ से बाहर है। 5 अगस्त की दोपहर मैं गांव के अन्य लोगों के साथ

होटल के बाहर खड़ा था। हम मेले में जाने की तैयारी कर रहे थे। तभी सामने मुखबा गांव से भागो-भागो की आवाजें और सीटियां सुनाई दीं। यह सुनते ही हम पांच लोग तुरंत हर्षिल की ओर भागे और हमारे पीछे एक कार चालक भी अपनी जान बचाने के लिए तेजी से आगे बढ़ रहा था। बस दो या तीन सेकंड का फर्क था वरना हम भी उस प्रलय में कहीं खो गए होते। इसके बाद मैंने अपनी पत्नी और बच्चों को फोन किया और बताया कि मैं तो सुरक्षित हूं लेकिन सब कुछ खत्म हो गया। इसके बाद नेटवर्क भी चला गया। भूपेंद्र पंवार ने बताया कि सब कुछ खोने के बाद तीसरे दिन गांव के अन्य लोगों ने खाना दिया। मेरे कपड़े मलबे में दब गए थे, इसलिए पहनने के लिए टी-शर्ट और पजामा भी दूसरों से मांगना पड़ा। ऐसा लग रहा था जैसे मैं अपने ही गांव के लोगों पर बोझ बन गया हूं। वहीं, उत्तरकाशी में मेरी पत्नी और बच्चे भी परेशान थे। मैं पैदल चलकर मुखबा पहुंचा और वहां से हेलिकॉप्टर के जरिये उत्तरकाशी आया।

भूपेंद्र ने भावुक होकर बताया कि उन्होंने पहले टैक्सी चलाकर पाई-पाई जोड़ी थी। उसी जमा-पूंजी से उन्होंने अप्रैल में चारधाम यात्रा शुरू होने से पहले अपने सेब के बागानों के बीच एक दो-मंजिला होम स्टे बनाया था। यह उनका सपना था। उन्हें लगा था कि इससे उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी।

## भनेरपानी में 40 मीटर हाईवे बहा, ढाई हजार से अधिक यात्री फंसे

**गोपेश्वर, एजेंसी।**
बदरीनाथ हाईवे पर पीपलकोटी भनेरपानी के पास भारी भूस्खलन के कारण यातायात दिनभर बाधित रहा। इसके चलते लगभग ढाई हजार से अधिक यात्री दोनों ओर हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं। वहीं चीन सीमा को जोड़ने वाले नीती-मलारी हाईवे को छोटे वाहनों के लिए खोल दिया गया है, जिससे सीमावर्ती क्षेत्र के निवासियों और सेना ने राहत की सांस ली है।

गुरुवार सुबह छह बजे के आसपास पीपलकोटी भनेरपानी में 40 मीटर से अधिक बदरीनाथ हाईवे बह गया। इसके बाद से मशीनें हाईवे खोलने में जुटी हुई

हैं, लेकिन पहाड़ी से लगातार गिर रहे पत्थरों के कारण कार्य में बाधा आ रही है। दिनभर मौसम साफ रहने के कारण हाईवे खोलने का कार्य तेजी से चल रहा है।

यात्रियों को हाईवे खुलने तक चमोली, पीपलकोटी, ज्योतिर्मठ, हेलंग, पाखी आदि जगहों पर रोका गया है। ढाई हजार से अधिक यात्री दोनों ओर हाईवे खुलने का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन ने मार्ग पर फंसे यात्रियों की दिक्कतों को देखते हुए पानी, बिस्किट और अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई।

भूस्खलन जोन में स्थायी उपचार का कार्य चल रहा है, लेकिन पहाड़ी पर भूस्खलन का दायरा बढ़ने से एनएच की कार्ययोजना को भी नुकसान पहुंचा है। जिले में पिछले दिनों हुई लगातार वर्षा के कारण 27 ग्रामीण लिंक मार्ग भी बंद हैं।

दूसरी ओर, ज्योतिर्मठ मलारी नीती हाईवे को सीमा सड़क संगठन ने छोटे वाहनों के लिए सुचारू कर दिया है। इससे पहले यहां स्थानीय ग्रामीण मुआवजे को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। सुबह से ही बीआरओ और प्रशासन के अधिकारी रैणी में वार्ता कर ग्रामीणों को समझा रहे थे और उन्हें जल्द मुआवजा देने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीण माने।

## युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता

देहरादून, एजेंसी। शहर कोतवाली क्षेत्र निवासी एक युवती संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। पुलिस ने इस मामले में गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक युवती 16 जून को घर से बिना बताए कहीं चली गई थी। युवती की मां ने इस मामले में तहरीर दी थी। बुधवार को गुमशुदगी दर्ज की गई है। कोतवाल प्रदीप पंत ने बताया कि युवती की तलाश के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

पटेल नगर थानाक्षेत्र स्थित निरंजनपुर मंडी में यूटीलिटी में रखा दुकानदार का पैसों से भरा बैग चोरी हो गया। पुलिस ने बुधवार को मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। कपनोल उत्तरकाशी निवासी पवन राणा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि तीन अगस्त को वे काश्तकारों के टमाटर लेकर निरंजपुर मंडी आए थे। टमाटर बेचने के बाद वह खाली कैरेट गाड़ी में लोड कर रहे थे, इस दौरान किसी ने गाड़ी में रखा पैसों से भरा बैग चोरी कर लिया। पीड़ित की ओर से कितनी धनराशि थी, इस संबंध में नहीं बताया गया है। थानाध्यक्ष चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

पटेल नगर थानाक्षेत्र सहारनपुर रोड स्थित ट्रू वैल्यू के कार्यालय की पार्किंग से एक कर्मचारी की स्कूटी चोरी हो गई। पुलिस ने इस मामले में बुधवार को मुकदमा दर्ज किया है। थानाध्यक्ष चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि ब्राह्मणवाला निवासी मुकेश कुमार नाम के युवक ने पुलिस को इस मामले में तहरीर दी है। बताया कि चार अगस्त को उनकी स्कूटी ऑफिस की पार्किंग में खड़ी थी। इस दौरान किसी ने चोरी कर ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

# चुनाव आयोग भाजपा के एक प्रकोष्ठ के रूप में काम करता हुआ नजर आ रहा है : सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली, एक वीडियो के माध्यम से एक बयान जारी करते हुए आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा, कि दिल्ली का चुनाव हुए 6 महीने बीत चुके हैं और पिछले 6 महीने से दिल्ली का हर एक व्यक्ति इस बात से परेशान है, कि जब हर जगह यह चर्चा थी कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार बनना तय है, तो आखिर भाजपा की जीत कैसे हुई? उन्होंने कहा कि कल राहुल गांधी जी द्वारा प्रेस वार्ता के माध्यम से वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने का मामला उठाया गया जिससे एक बार फिर पूरे देश के लोगों का ध्यान इस बात की ओर आकर्षित हुआ है, हालांकि राहुल गांधी जी ने दिल्ली में वोटर लिस्ट में हुई गड़बड़ी का जिक्र अपनी प्रेस वार्ता में नहीं किया। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि आज कांग्रेस जो मुद्दा उठा रही है, आप सभी को याद होगा कि चुनाव से दो महीने पहले दिसंबर और जनवरी के महीने में आम आदमी पार्टी के बड़े-बड़े नेताओं ने, खुद अरविंद केजरीवाल जी ने तथ्यों के साथ प्रेस वार्ता कर मीडिया में इस बात को उजागर किया था, कि किस प्रकार से पूरी दिल्ली की अलग-अलग विधानसभाओं में वोटर लिस्ट में गड़बड़ी करने का काम किया जा रहा है। सौरभ भारद्वाज ने अरविंद केजरीवाल जी द्वारा 29 दिसंबर को की गई प्रेस वार्ता का हवाला देते हुए कहा, कि अरविंद केजरीवाल जी ने अपनी प्रेस वार्ता में बताया था, कि किस प्रकार से बीएलओ द्वारा पूरे क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वे करने के बाद जब नहीं वोटर लिस्ट जारी कर दी गई तो कुछ संदिग्ध लोग जो की एक ही विशेष पार्टी से जुड़े हुए थे उनके द्वारा लगातार नई दिल्ली विधानसभा में रोजाना अलग-अलग जगह पर से कहीं हजार वोट तो कहीं 800 वोट तो कहीं 500 वोट काटने की अर्जी दी गई। एक आंकड़ा देते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि 15 दिसंबर से लेकर 29 दिसंबर 2024 के बीच कुल 14 दिनों में नई दिल्ली विधानसभा में से लगभग 5000 वोट काटने के लिए और लगभग 7500 नए वोट बनाने के लिए इस प्रकार की अर्जी इलेक्शन कमीशन को दी गई। नए वोट बनाने के मामले में एक बड़ा खुलासा करते हुए सौरभ भारद्वाज ने कहा कि खुद प्रवेश वर्मा जी जो इस विधानसभा से चुनाव लड़ रहे थे उनके सरकारी आवास के पते से नए 33 वोट बनाने की एप्लीकेशन दी गई।

# सदर बाजार नाला रोड पर समस्याओं का अंबार, व्यापारियों में रोष

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। सदर बाजार नाला रोड के व्यापारी लंबे समय से टूटी सड़क, खराब टॉयलेट, सीवर जाम और अपराध जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इन मुद्दों को लेकर फेडरेशन ऑफ सदर बाजार ट्रेड्स एसोसिएशन (फेस्टा) की एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें चेयरमैन परमजीत सिंह पम्मा, अध्यक्ष राकेश यादव, वाइस चेयरमैन पवन खंडेलवाल, कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी योगेंद्र सिंह, महासचिव कमल कुमार, कोषाध्यक्ष दीपक मित्तल सहित कई व्यापारी नेता मौजूद रहे। बैठक में सदर नाला रोड व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों – नफीस अहमद, कमल कपूर, राजेश जेसवानी, महेंद्र गुप्ता, सतपाल, जीतू, परमेश गर्ग, महेंद्र सेठी, पंकज, और अजय भाटिया – ने समस्याओं को विस्तार से रखा। व्यापारियों ने बताया कि सड़क पिछले तीन महीने से टूटी पड़ी है, जिससे आवागमन में भारी दिक्कत हो रही है। यहां मौजूद दो टॉयलेटों की हालत इतनी खराब है कि गंदा पानी और पेशाब सड़कों पर बहता है, जिससे महिलाओं का निकलना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा, सीवर लाइन अक्सर ओवरफ्लो हो जाती है, और पहाड़ी धीरज से आने वाला गंदा पानी बारिश में स्थिति और बिगाड़ देता है। इलाके में गटर का पानी सुबह-शाम सड़कों पर बहता रहता है, जिससे बदबू और गंदगी फैलती है। व्यापारी राजेश जेसवानी ने बताया कि आवारा पशुओं के कारण कई लोग घायल हो चुके हैं। वहीं, आपराधिक घटनाएं भी लगातार बढ़ रही हैं, जिससे बाजार में भय का माहौल है और ग्राहक आने से कतराते हैं। इस मौके पर परमजीत सिंह पम्मा और राकेश यादव ने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्याओं को जल्द ही दिल्ली सरकार के मंत्रियों, दिल्ली नगर निगम के मेयर और स्थानीय सांसद प्रवीण खंडेलवाल के समक्ष रखा जाएगा। उन्होंने मार्केट का दौरा कर स्थिति का जायजा भी लिया और कहा कि अधिकारियों की लापरवाही के कारण सदर बाजार की समस्याएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

## संक्षिप्त खबरें

### दिल्ली के सरकारी स्कूलों में एसएमसी चुनाव अब 19 अगस्त को

नई दिल्ली,। राजधानी के सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) के चुनाव एक बार फिर टाल दिए गए हैं। शिक्षा निदेशालय ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए नई तारीख 19 अगस्त तय की है। पहले ये चुनाव 6 अगस्त को होने थे।शिक्षा निदेशालय के अनुसार, अभिभावक 11 अगस्त तक सादे कागज पर नामांकन दाखिल कर सकते हैं। नामांकन की जांच और अंतिम सूची 13 अगस्त तक जारी होगी, जबकि मतदाता सूची 14 अगस्त तक तैयार की जाएगी। मतदान 19 अगस्त को सुबह 8 से 11 बजे और दोपहर 1 से 4 बजे के बीच होगा। नतीजे 20 अगस्त को घोषित किए जाएंगे। सामाजिक कार्यकर्ताओं के लिए आवेदन की अंतिम तिथि भी 11 अगस्त तय है। पहले आवेदन कर चुके अभ्यर्थियों को दोबारा आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है। चुने गए नामों की सूची 18 अगस्त तक स्कूल प्रमुखों को भेज दी जाएगी। निदेशालय के अधिकारियों का कहना है कि परिणाम आने के एक सप्ताह के भीतर नई एसएमसी की जानकारी निदेशालय के पोर्टल पर अपडेट कर दी जाएगी। उनका मानना है कि यह स्थगन चुनाव प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और सहभागी बनाने के उद्देश्य से किया गया है।

### डूसू चुनाव में सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के लिए डीयू के सख्त नियम

नई दिल्ली,। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) प्रशासन ने डूसू (दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ) चुनावों के दौरान सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान से बचाने के लिए सख्त कदम उठाए हैं। अब एडमिशन के समय हर छात्र को एक हलफनामा देना होगा, जिसमें वह वादा करेगा कि चुनाव प्रचार के दौरान दीवारों पर लिखाई-पेंटिंग या किसी भी तरह की गंदगी नहीं करेगा। साथ ही चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को नामांकन दाखिल करते समय 1 लाख रुपये का मुचलका (बॉण्ड) भरना अनिवार्य होगा। डीयू के रजिस्ट्रार विकास गुप्ता ने सभी कॉलेजों और विभागों को निर्देश दिए हैं कि इन नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। नए दिशा-निर्देश कानूनी प्रावधानों, अदालती आदेशों और लिंगदोह समिति की सिफारिशों पर आधारित हैं। यदि कोई उम्मीदवार या उसके समर्थक संपत्ति को नुकसान पहुंचाते पाए जाते हैं, तो जमा की गई राशि जब्त कर ली जाएगी। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि इस पहल से छात्रों को शुरूआत से ही सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जा सकेगा। रैगिंग विरोधी हलफनामे की तरह यह नया हलफनामा भी एडमिशन के समय अनिवार्य रूप से जमा करना होगा। दिशा-निर्देशों में यह भी कहा गया है कि कॉलेज परिसर में चुनाव प्रचार सामग्री लगाने के लिए दो निर्धारित स्थान, जिन्हें ह्यलोकतंत्र की दीवारह्न कहा जाएगा, बनाए जाएंगे और उनका आकार बढ़ाया जाएगा। इन क्षेत्रों के बाहर पोस्टर लगाना, दीवार लेखन, रैलियां, लाउडस्पीकर और रोड शो करना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा।

### भारतीय परिधानों में दंपति को रोकने वाले रेस्टोरेंट मालिक ने स्वीकारी गलती, हटाया प्रतिबंध

नई दिल्ली,। दिल्ली के पीतमपुरा इलाके के उस रेस्टोरेंट मालिक ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है, जिसने भारतीय परिधान पहने एक दंपति को रेस्टोरेंट में प्रवेश करने से रोक दिया था। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल शर्मा ने शुक्रवार को पत्रकारों को इसकी जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि गुरुवार की शाम पीतमपुरा के एक रेस्टोरेंट में भारतीय परिधान पहने दंपति को रोकने का वीडियो सामने आया, जिसका संज्ञान में लेते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रेस्टोरेंट के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। मंत्री कपिल मिश्रा ने बताया कि हमने संबंधित अधिकारियों से बात की और कार्रवाई करने का निर्देश दिया। अधिकारियों ने आज बताया कि रेस्टोरेंट के मालिक ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए कहा कि रेस्टोरेंट में परिधान आधारित कोई प्रतिबंध अब नहीं लगाएंगे और भारतीय परिधानों में आने वाले लोगों का स्वागत करेंगे।

# सत्येंद्र जैन के मामले में भी कोर्ट ने ईडी को फटकार लगाया लेकिन किसी अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पीएमएलए मामले में कम सजा दर पर ईडी को कड़ी फटकार लगाने के बाद कड़ी प्रतिक्रिया दी है। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को क्रुक कहा। ये मामूली बात नहीं है, लेकिन अफसोस, संवैधानिक पदों पर बैठे लोग सत्ता के आगे नतमस्तक होकर सिर्फ एक राजनीतिक पार्टी और उसकी सरकार के एजेंडे पर काम कर रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट से आदेश तो आता है, लेकिन अफसरों पर कोई ठोस कार्यवाही नहीं होती, जब तक ठोस कार्यवाही नहीं होगी, तब तक इसका कोई फायदा नहीं। आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कहा कि देश की सबसे बड़ी अदालत द्वारा ईडी को क्रूक कह देना अपने आप में बहुत बड़ी बात है। लेकिन समस्या यह है कि अब इन संवैधानिक पदों पर बैठे लोग सरकार के आगे नतमस्तक हैं। उनको अब इन सब चीजों से कोई फर्क नहीं पड़ता है, क्योंकि ये लोग अब एक राजनीतिक पार्टी और उसकी सरकार के एजेंडे पर काम करते हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की तरफ से आदेश तो आते हैं, लेकिन इसके अंदर बदलाव के ठोस कदम नहीं उठाए जाते हैं। सत्येंद्र जैन के मामले में कोर्ट ने यह तो कह दिया कि ईडी को ऐसा ट्वीट नहीं करना चाहिए था। लेकिन किसी अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई, तो इसका क्या फायदा होगा? सुप्रीम कोर्ट ने जब यह आदेश दिया तो कुछ अफसरों पर ठोस कार्रवाई होनी चाहिए थी।

# पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज ने घोषित किया 1,228 करोड़ का मजबूत राजस्व, सालाना आधार पर 16.6% की वृद्धि

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,: पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड (PGIL) (BSE: 532808) (NSE: PGIL), भारत की सबसे बड़ी सूचीबद्ध परिधान निर्यातक कंपनी, जो दक्षिण एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और सेंट्रल अमेरिका के कई सोर्सिंग क्षेत्रों से निर्माण करती है, ने 30 जून 2025 को समाप्त तिमाही के अपने अप्रतिदर्शित वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। द126 के समेकित वित्तीय मुख्य बिंदुः कुल राजस्व 1,228 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 16.6% की वृद्धि है। यह लगातार पाँचवीं तिमाही है जब कंपनी ने 1,000 करोड़ से अधिक का प्रदर्शन किया है। यह वृद्धि वियतनाम और इंडोनेशिया में मजबूत ऑर्डर बुक और स्वस्थ बिक्री वृद्धि के कारण रही। समायोजित EBITDA 114 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 13.4% की वृद्धि है, मार्जिन 9.3%। नए संयंत्रों (ग्वाटेमाला और बिहार) में टैरिफ लागत/हानि को छोड़कर समायोजित EBITDA मार्जिन प्त10.7% रहा, जो लगातार दूसरी तिमाही में दो अंकों के मार्जिन को दशार्ता है। PAT 66 करोड़ रहा, सालाना आधार पर 5.9% की वृद्धि। द125 में असाधारण मदों को छोड़कर, PAT में सालाना आधार पर 13.5% की वृद्धि हुई। द126 के स्टैंडअलोन वित्तीय मुख्य बिंदुः कुल राजस्व 267 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 3.4% की मामूली गिरावट है। समायोजित EBITDA 20 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 47.2% की वृद्धि है। समायोजित EBITDA मार्जिन 250ुस्त्र२ की वृद्धि के साथ द1ऋ25 के 4.8% से बढ़कर द1ऋ26 में 7.3% हुआ। PAT 26 करोड़ रहा, सालाना आधार पर 62.6% की वृद्धि। अन्य मुख्य बिंदु द126ः कंपनी ने द126 में 1.72 करोड़ पीस शिप किए, जो द125 के 1.67 करोड़ पीस से अधिक है, वैश्विक चुनौतियों और टैरिफ अनिश्चितताओं के बावजूद। PGIL को द126 में अपने बांग्लादेश और हांगकांग सहायक कंपनियों से लगभग 18 करोड़ का डिविडेंड मिला। FY22 से ये सहायक कंपनियां लगातार डिविडेंड दे रही हैं। श्री पुलकित सेठ, वाइस-चेयरमैन और नॉन-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर की टिप्पणीः हम द126 में एक और मजबूत प्रदर्शन की रिपोर्ट करते हुए प्रसन्न हैं, जिसमें राजस्व सालाना आधार पर 16.6% बढ़कर 1,228 करोड़ हो गया है, जबकि वैश्विक आर्थिक माहौल चुनौतीपूर्ण रहा। यह लगातार पाँचवीं तिमाही है जिसमें हमने 1,000 करोड़ से अधिक का राजस्व दिया है, जो हमारी स्थिरता, अनुशासित निष्पादन और बाजार की मांग के प्रति संवेदनशीलता को दशार्ता है। वियतनाम और इंडोनेशिया से बेहतर योगदान ने इस वृद्धि को आगे बढ़ाया, भले ही टैरिफ अनिश्चितताएँ बनी रहीं। ये बाजार हमारी विविध भौगोलिक उपस्थिति की शक्ति को दशार्ते हैं। हम FY26 की मजबूत शुरूआत से उत्साहित हैं और अपने ग्राहकों के निरंतर समर्थन और वैश्विक पहुंच की गहराई से प्रेरित हैं। हमें विश्वास है कि हम ऋ28 के लक्ष्यों और उससे आगे की प्रगति को तेजी से हासिल करेंगे। श्री पल्लव बनर्जी, प्रबंध निदेशक की टिप्पणीः पर्ल ग्लोबल ने एक बार फिर मजबूत त्रैमासिक राजस्व दर्ज किया है। हमारा समायोजित EBITDA (ESOPs को छोड़कर) 114 करोड़ रहा, मार्जिन 9.3%। नए संयंत्रों (ग्वाटेमाला और बिहार) में परिचालन हानि और टैरिफ लागत के प्रभाव को छोड़कर हमारा समायोजित एइक्ळऊअ मार्जिन प्त10.7% है। भविष्य की ओर देखते हुए, वैश्विक परिदृश्य अभी भी अनिश्चित है, विशेषकर भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिका की टैरिफ नीतियों के कारण। अमेरिका ने प्रमुख परिधान निर्माण देशों पर 19%-20% की अंतिम पारस्परिक टैरिफ घोषित कर दी है, और हम वियतनाम, इंडोनेशिया, बांग्लादेश और ग्वाटेमाला से सकारात्मक गति देख रहे हैं (जहां MFN टैरिफ नहीं है)। भारत पर 50% (25%+25%) का टैरिफ लगने के कारण, हम अपनी रणनीति को पुनर्संतुलित कर रहे हैं, ताकि अमेरिका के लिए उत्पादन अनुकूल हब में शिफ्ट किया जा सके और भारत अन्य FTA बाजारों जैसे जापान, ऑस्ट्रेलिया और वङ FTA के तहत विकास पर ध्यान केंद्रित कर सके। हमारा गैर-अमेरिकी कारोबार, जो हमारे कुल राजस्व का प्त50% है, भी स्थिर वृद्धि दर्ज कर रहा है, जो हमारी विविध बाजार उपस्थिति की मजबूती को दशार्ता है। हम बांग्लादेश में अपने पूंजीगत निवेश योजना को जारी रखेंगे। पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बारे मेंः 1987 में स्थापित, पर्ल ग्लोबल इंडस्ट्रीज लिमिटेड भारत के सबसे बड़े सूचीबद्ध परिधान निर्यातकों में से एक है, जो दक्षिण एशिया (भारत, बांग्लादेश), दक्षिण-पूर्व एशिया (वियतनाम, इंडोनेशिया) और सेंट्रल अमेरिका (ग्वाटेमाला) से निर्माण करता है। कंपनी का मुख्य व्यवसाय वैश्विक ब्रांडों के लिए प्रतिस्पर्धी ढंग से परिधान निर्माण और निर्यात करना है। इसका उत्पाद पोर्टफोलियो निट्स, वोवेन, डेनिम, आउटरवियर, एक्टिववियर और एथलीजर शामिल है। कंपनी के पास 25 निर्माण इकाइयाँ हैं और कुल क्षमता प्रति वर्ष लगभग 9.3 करोड़ पीस उत्पादन की है (स्वयं के और आउटसोर्स्ड संयंत्रों सहित)।

# अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिषाचार्य दीनानाथ साहू को इंग्लैंड में बेस्ट मेडिकल एस्ट्रोलॉजर अवार्ड से सम्मानित

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

छत्तीसगढ़। के अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त ज्योतिषाचार्य एवं शोधकर्ता, पेशे से हेडमास्टर श्री दीनानाथ साहू को इंग्लैंड में आयोजित 39वें अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन में बेस्ट मेडिकल एस्ट्रोलॉजर इन यूनाइटेड किंगडम अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह प्रतिष्ठित सम्मेलन 19 से 31 जुलाई 2025 तक इंग्लैंड (लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम), स्कॉटलैंड (एडिनबर्ग, ग्लासगो) एवं आयरलैंड (बेलफास्ट, डबलिन) के विभिन्न शहरों में आयोजित हुआ। इस अवसर पर श्री साहू को वी.वी.आई.पी. गेस्ट के रूप में आमंत्रित किया गया, जहाँ उन्होंने ज्योतिष की विभिन्न विधाओं पर अपने शोध प्रस्तुत किए। अपने शोधपत्र में श्री साहू ने अंक ज्योतिष में अंकों के उद्भव, मानव शरीर के चक्रों, एवं चिकित्सा ज्योतिष में ग्रहों की स्थिति के आधार पर असाध्य रोगों के निदान एवं उपचार पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि आधुनिक मेडिकल साइंस जहाँ कई गंभीर बीमारियों का समाधान केवल ऑपरेशन में देखता है, वहीं चिकित्सा ज्योतिष से इनका प्राकृतिक एवं स्थायी उपचार संभव है। भौतिक विज्ञान में स्नातकोत्तर होने के कारण श्री साहू ने अपने शोध में वैज्ञानिक दृष्टिकोण और तर्क प्रस्तुत किए, जिन्हें सम्मेलन में मौजूद विद्वानों ने विशेष सराहना दी। श्री साहू का दावा है कि उनकी नवीन चिकित्सा ज्योतिषीय पद्धतियों से न केवल असाध्य रोगों का उपचार संभव है, बल्कि स्वस्थ व्यक्ति अपनी जैविक आयु (BiologicÔl Age) को 1015 वर्ष तक कम कर, अधिक समय तक स्वस्थ एवं सक्रिय रह सकता है। गौरतलब है कि श्री साहू को इससे पहले भी ऑस्ट्रेलिया, गल्फ देशों, फ्रांस, जर्मनी, इटली एवं यूरोप के कई अन्य देशों से उनके वैज्ञानिक ज्योतिष शोध के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मान मिल चुके हैं। इंग्लैंड से सम्मान प्राप्त कर लौटने पर रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर उनका भव्य स्वागत किया गया। समर्थकों ने फूल-मालाओं, बाजे-गाजे और आतिशबाजी के साथ उनका अभिनंदन किया। स्वागत में उनकी धर्मपत्नी श्रीमती सरिता साहू, पुत्री वैष्णवी साहू और पुत्र तोषेन्द्र साहू भी उपस्थित थे। मूलतः गरियाबंद ज़िले के फिंगेश्वर निवासी श्री साहू, लंबे समय तक गरियाबंद ब्लॉक कार्यालय में पदस्थ रहे हैं। वे स्वर्गीय लखन लाल साहू के सुपुत्र हैं।

# कुलजीत सिंह चहल ने नवयुग स्कूल में बच्चों के साथ मनाया रक्षाबंधन

नई दिल्ली,। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने आज नवयुग स्कूल, मंदिर मार्ग में विद्यार्थियों के साथ हर्षोल्लासपूर्वक रक्षाबंधन का पर्व मनाया। दीप प्रज्वलन के साथ शुरू हुए कार्यक्रम में शिक्षा निदेशक कृतिका चौधरी, विद्यालय की प्राचार्या, शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी मौजूद रहे। बच्चों ने स्वागत गीत और देशभक्ति गीत प्रस्तुत कर माहौल को भावनाओं और उत्साह से भर दिया। रंग-बिरंगी राखियों से प्रेम, विश्वास और सुरक्षा का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने उपाध्यक्ष को राखी बांधी, जिसके बाद उन्होंने बच्चों को आशीर्वाद स्वरूप चॉकलेट और उपहार वितरित किए। विद्यालय परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मकता को देखकर श्री चहल ने उनकी सराहना की। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि राखी केवल धागा बांधने का पर्व नहीं है, बल्कि यह प्रेम, सम्मान और जिम्मेदारी का उत्सव है जो प्रशासन और विद्यार्थियों के बीच विश्वास और सहयोग को मजबूत करता है।


## उत्तर रेलवे

### निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली–110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये **ई–निविदा** आमंत्रित की जाती हैः

| क्र. सं. | निविदा संख्या | संक्षिप्त विवरण | मात्रा | अंतिम तिथि |
|---|---|---|---|---|
| 01 | 07250201 | बॉल जॉइंट ट्रैक्शन लीवर फॉर फिएट बोगी | 14086 नग | 04.09.25 |
| 02 | 09252720 | टॉप साइड बेयरर लाइनर | 8640 नग | 05.09.25 |
| 03 | 09252471 | रबर बफर स्प्रिंग | 6350 सेट | 08.09.25 |
| 04 | 16254508A | सेरेमिक रेसिस्टर | 35नग | 08.09.25 |
| 05 | 08245784 | सप्लाई ऑफ डिजिटल एक्सल काउंटर | 24 सेट | 15.09.25 |
| 06 | 07253461 | यौ डैम्पर फॉर एल एच बी कोचेस | 4724 नग | 22.09.25 |
| 07 | 07251067 | एक्सल बॉक्स हाउसिंग | 3714 नग | 22.09.25 |
| 08 | 09252220 | डिस्ट्रीब्यूटर वाल्व इन्क्लूडिंग अडाप्टर | 454 नग | 24.09.25 |

**निविदा शर्तें**: **1.** विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। **2.** मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: **38/2025-2026** दिनांक: **08.08.2025**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2431/2025


# लूटपाट के मामले में पांच नाबालिग आरोपितों को पुलिस ने पकड़ा

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। दिल्ली में उत्तर पश्चिमी जिले के महेन्द्रा पार्क थाना पुलिस ने लूटपाट के मामले में शामिल पांच नाबालिग आरोपितों को पकड़ा है। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन सेट और वारदात में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया गया है। उत्तर पश्चिमी जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) भीष्म सिंह ने बताया कि आदर्श नगर निवासी शिकायतकर्ता जाकिर अली ने की ओर से दी गयी शिकायत में यह बताया गया था कि पांच अगस्त की रात करीब 9 बजे जब वह आजादपुर सब्जी मंडी की ओर जा रहे थे, तभी पांच लड़के पीछे से आए और उनका मोबाइल फोन मांगा। जब उन्होंने इंकार किया, तो दो लड़कों ने उन्हें पकड़ लिया और तीसरे ने चाकू दिखाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान चौथे लड़के ने उनकी जेब से मोबाइल निकाल लिया और सभी मौके से फरार हो गए। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पुलिस ने शिकायतकर्ता के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस की टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे 20 से 25 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की गहनता से जांच की। हालांकि, वारदात स्थल पर कोई कैमरा नहीं था, लेकिन पास के टमाटर मंडी क्षेत्र से फुटेज प्राप्त हुई, जिसमें आरोपित वारदात के बाद भागते नजर आए। इसके बाद मंडी क्षेत्र के तमाम एंट्री और एग्जिट प्वाइंट्स की छानबीन की गई। उन्होंने बताया कि पुलिस की टीम ने पुख्ता सुरागों के आधार पर संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर पांचों नाबालिग आरोपितों को पकड़ा। पकड़े गए सभी आरोपितों ने पूछताछ के दौरान अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उनकी निशानदेही पर शिकायतकर्ता का लूटा गया मोबाइल फोन और वारदात में इस्तेमाल किया गया चाकू बरामद कर लिया गया है। पुलिस इस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है।

# जब तक जनता की राय नहीं ली जाती है, तब तक 2024-25 के बराबर फीस ली जाए और बढ़ी फीस को रद्द किया जाए: आतिशी

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने भाजपा सरकार से एक बार फिर स्कूल फीस बिल को सिलेक्ट कमेटी के पास भेजने की मांग की है। नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने कहा कि इस बिल पर अभी तक किसी से कोई रायशुमारी नहीं की गई है। इसलिए इसे सिलेक्ट कमेटी को भेजा जाना चाहिए। सिलेक्ट कमेटी में आप और भाजपा के विधायक होंगें। कमेटी द्वारा बिल पर जनता से राय ली जाए। जब तक जनता की रायशुमारी नहीं ली जाती है, तब तक पिछले साल की फीस को ही माना जाए और उसी के बराबर फीस ली जाए। साथ ही इस साल की बढ़ी फीस को रद्द किया जाए। उधर, अनिल झा ने कहा कि शिक्षा पर पूरी सरकार का ध्यान केवल पब्लिक स्कूलों के इर्द-गिर्द घूम रहा है। यह विधेयक अगस्त में लाया गया है। अगर यह बिल मार्च-अप्रैल में लाया जाता, तो पब्लिक स्कूल फीस नहीं बढ़ाते, जिन्होंने बेतहाशा फीस बढ़ा दी? तब अभिभावक स्कूलों के दरवाजों पर खड़े होकर रोते रहे और सरकार के पास मदद मांगते रहे, लेकिन सरकार ने जानबूझकर इसे तब नहीं लाया। अनिल झा ने कहा कि भाजपा के एक विधायक ने तो कह ही दिया कि यह ऐसा विधेयक है, जो स्कूलों को फीस बढ़ाने का अधिकार देता है। यह मूल रूप से शिक्षा के बाजारीकरण को बढ़ावा दे रहा है, जो पूंजीपतियों के इर्द-गिर्द घूम रहा है। एक-एक स्कूल के पास 50-50 करोड़ रुपये की सावधि जमा (एफडी) है। वे इन एफडी के जरिए स्कूल का पूरा खर्च चलाते हैं, फिर भी फीस बढ़ाते हैं। कमाल की बात है कि जूते स्कूल से ही खरीदने पड़ते हैं, यूनिफॉर्म स्कूल से ही खरीदनी पड़ती है, खेल के नाम पर अलग पैसे लिए जाते हैं और विभिन्न आयोजनों के नाम पर भी अलग-अलग पैसे वसूले जाते हैं। इससे मध्यम वर्ग की कमर तोड़ दी जाती है। अनिल झा ने कहा कि जिन स्कूलों को सरकारी जमीन आवंटित की गई है, वे भी अभिभावकों से सारा पैसा वसूल रहे हैं। मुझे लगता है कि यह सब जनता के खिलाफ है। हम इस पर व्यापक चर्चा चाहते हैं, चाहे वह जीएसटी का मामला हो, स्कूलों में फीस वृद्धि का मामला हो या शिक्षा पर लाए गए पारदर्शिता विधेयक का मामला हो। लेकिन सरकार किसी भी मुद्दे पर सुनने को तैयार नहीं है। अब हम सड़क से लेकर सदन तक हम आंदोलन कर सकते हैं। जब हम बात करते हैं, तो में मार्शल आउट कर दिया जाता है।


## ☛ रेलयात्री कृपया ध्यान दें! ☛

### दिल्ली जं. – सीतामढ़ी – दिल्ली जं. के बीच नई अमृत भारत एक्सप्रेस रेल सेवा का शुभारम्भ

समस्त रेलयात्रियों को सूचित किया जाता है कि रेलवे द्वारा दिल्ली जं.–सीतामढ़ी–दिल्ली जं. के बीच नई साप्ताहिक अमृत भारत रेल सेवा सं. **14048 / 14047** का शुभारम्भ किया जा रहा है। इस अमृत भारत सेवा का विस्तृत विवरण निम्नानुसार हैः–

**रेलगाड़ी सं. 14048/14047 दिल्ली जं.–सीतामढ़ी–दिल्ली जं. अमृत भारत एक्सप्रेस (साप्ताहिक)**

| गाड़ी सं. 14048 ↓ | | स्टेशन | गाड़ी सं. 14047 ↑ | |
|---|---|---|---|---|
| आगमन | प्रस्थान | | आगमन | प्रस्थान |
| ---- | 14:00 | दिल्ली जं. | 22:40 | ---- |
| 14:40 | 14:42 | गाजियाबाद | 21:25 | 21:27 |
| 16:53 | 16:55 | टूण्डला जं. | 17:20 | 17:22 |
| 20:05 | 20:10 | कानपुर सेंट्रल | 13:45 | 13:50 |
| 22:10 | 22:20 | लखनऊ जं. | 11:25 | 11:35 |
| 00:25 | 00:30 | गोण्डा जं. | 08:45 | 08:50 |
| 01:50 | 01:53 | बस्ती | 07:20 | 07:23 |
| 03:15 | 03:25 | गोरखपुर जं. | 05:25 | 05:35 |
| 04:10 | 04:12 | कप्तानगंज जं. | 04:06 | 04:08 |
| 04:50 | 04:52 | सिसवा बाज़ार | 03:46 | 03:48 |
| 06:33 | 06:35 | बगहा | 02:28 | 02:30 |
| 07:15 | 07:20 | नरकटियागंज जं. | 01:25 | 01:30 |
| 07:43 | 07:45 | सिकटा | 00:38 | 00:40 |
| 08:10 | 08:15 | रक्सौल जं. | 00:10 | 00:15 |
| 09:08 | 09:10 | बैरगनियां | 22:40 | 22:42 |
| 10:45 | ---- | सीतामढ़ी | ---- | 22:15 |

**चलने के दिन:** **14048 दिल्ली जं.** से प्रत्येक शनिवार को दिनांक 09.08.2025 से तथा **14047 सीतामढ़ी** से प्रत्येक रविवार को दिनांक 10.08.2025 से। **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य श्रेणी।

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी जानकारी के लिए कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES ऐप देखें।

2428/2025

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ


# नमो केंद्र प्रतिनिधिमंडल ने एआईयू महासचिव से की मुलाकात, शैक्षणिक अनुबंध पर चर्चा

**नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता**

नई दिल्ली,। नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र (नमो केंद्र) के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) की महासचिव डॉ. (श्रीमती) पंकज मित्तल से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच शैक्षणिक सहयोग, अनुसंधान में भागीदारी और राष्ट्र निर्माण में विश्वविद्यालयों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में नमो केंद्र ने अपने हालिया एवं आगामी प्रकाशनों, शोध परियोजनाओं और नीति, नेतृत्व एवं राष्ट्रीय विकास पर केंद्रित शैक्षणिक संवाद की जानकारी साझा की। चर्चा के दौरान यह सहमति बनी कि शोध-आधारित थिंक टैंक और उच्च शिक्षा संस्थानों के बीच गहरे सहयोग की आवश्यकता है। नमो केंद्र के अध्यक्ष प्रो. जसीम मोहम्मद ने कहा, नरेंद्र मोदी अध्ययन केंद्र ह्यराष्ट्र प्रथम और विकसित भारत के दृष्टिकोण के साथ काम कर रहा है। हम राष्ट्रनिर्माण और विकास के समर्थन में शैक्षणिक अनुसंधान और नीतिगत सोच को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एआईयू के साथ हमारी यह बातचीत सार्थक और दूरदर्शी रही। उन्होंने यह भी कहा कि संयुक्त सेमिनार, शोध फेलोशिप और पाठ्यक्रम-आधारित अध्ययन युवाओं व विश्वविद्यालयों को राष्ट्रीय विकास प्रक्रिया से जोड़ सकते हैं। सलाहकार परिषद के सदस्य श्री जावेद रहमानी ने एआईयू को राष्ट्रीय महत्व का केंद्र बताते हुए कहा कि इस तरह के सहयोग से शिक्षा जगत को नई दिशा मिलेगी। एआईयू महासचिव डॉ. पंकज मित्तल ने नमो केंद्र की शैक्षणिक पहल की सराहना की और कहा कि अनुसंधान संगठनों व शैक्षणिक संस्थानों की संयुक्त पहल शिक्षा, नवाचार और क्षमता निर्माण में भारत की प्रगति को और तेज कर सकती है। बैठक में नमो केंद्र ने औपचारिक रूप से एआईयू के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव रखा। डॉ. मित्तल ने इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए नमो केंद्र को मसौदा एमओयू भेजने के लिए कहा, ताकि समिति द्वारा इसकी समीक्षा की जा सके। बैठक का समापन इस सहमति के साथ हुआ कि दोनों संस्थान ज्ञान-आधारित पहलों पर मिलकर कार्य करेंगे, जिससे भारत के उभरते शैक्षणिक और नीति तंत्र को सशक्त बनाया जा सके। गौरतलब है कि नमो केंद्र पहले ही दो केंद्रीय विश्वविद्यालयों और कई अन्य संस्थानों के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुका है।

## धर्मवीर सोलंकी अस्पताल ने डीपीएल में संभाली खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत की कमान

नई दिल्ली,। दिल्ली प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों और दर्शकों की सेहत की सुरक्षा अब धर्मवीर सोलंकी अस्पताल के जिम्मे है। लीग के आधिकारिक हेल्थ पार्टनर के तौर पर अस्पताल ने अरुण जेटली स्टेडियम में टूनार्मेंट के पूरे दौरान 24 घंटे चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी संभाल ली है। मेडिकल डायरेक्टर डॉ. पंकज सोलंकी के नेतृत्व में अस्पताल की अनुभवी टीम मैदान और स्टैंड्स दोनों में मौजूद रहेगी, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल उपचार संभव हो सके। टूनार्मेंट के दौरान अब तक 02 अगस्त 2025 तक 347 लोगों को चिकित्सा सुविधा दी जा चुकी है। इसमें खिलाड़ियों से लेकर दर्शक तक शामिल हैं। डॉ. पंकज के मुताबिक, स्टेडियम के अलग-अलग हिस्सों में सात मेडिकल स्टेशनों की व्यवस्था की गई है

# अगर भाजपा को कुछ करके दिखाना है तो आप सरकार में 12 हजार कर्मचारियों को स्थायी करने के पास प्रस्ताव को लागू करे: अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, आम आदमी पार्टी ने एमसीडी में तैनात मृतक शिक्षकों के परिवारों को दी जाने वाली राशि को लेकर भी वाहवाही लूटने की कोशिश कर रही भाजपा पर तीखा हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा के मेयर ढोल-नगाड़ों के साथ मृतक शिक्षकों के परिवारों को शिक्षक कल्याण कोष का पैसा देने जा रहे हैं। 11 अगस्त को यह कार्यक्रम होगा। इसमें मेयर राजा इकबाल सिंह ह्यह्यआपह्नह्न सरकार में करूणा के आधार पर नौकरी पा चुके कर्मचारियों को दोबारा नियुक्ति पत्र भी देंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा को न सरकार चलानी आती है और ना ही काम करना आता है। भाजपा के लोग को सिर्फ दूसरे के कामों को फोटो सेशन के जरिए दिखाना आता है। अगर भाजपा को कुछ करके दिखाना है तो ह्यह्यआपह्नह्न सरकार में 12 हजार कर्मचारियों को स्थायी करने के पास प्रस्ताव को लागू करे।एमसीडी में ह्लआपह्व के नेता प्रतिपक्ष अंकुश नारंग ने शुक्रवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेसवार्ता कर कहा कि एमसीडी में भाजपा की चार इंजन की सरकार है। इसके बावजूद दिल्ली में जलभराव की स्थिति बहुत गंभीर रही। नालों-नालियों, जालियों की सफाई के बजाय भाजपा केवल फोटो सेशन में विश्वास रखती है। यही चाल-चलन अब एमसीडी में भी आ गया है। एमसीडी के मेयर राजा इकबाल सिंह ने शिक्षा विभाग के माध्यम से 11 अगस्त को ढोल-नगाड़ों के साथ उन लोगों को चेक देने जा रहे हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। मेरे पास 13 शिक्षकों की सूची है, जो अलग-अलग जोन से हैं और जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इनके परिवारों को अभी तक वह राशि नहीं दी गई, जो उनकी तनख्वाह से काटी जाती थी। अब एमसीडी यह राशि देने जा रही है, लेकिन मृत्यु के मामले में भी इसे ढोल-नगाड़ों के साथ दिया जाएगा। मैंने ऐसी निर्दयी सरकार पहली बार देखी है। अंकुश नारंग ने कहा कि यह मामले 2016, 2018, 2020 के हैं, जब एमसीडी में भाजपा की सरकार थी। पहले एक शिक्षक कल्याण कोष (टीचर वेलफेयर फंड) होता था। जब एमसीडी का त्रिभाजन था, तब दक्षिण एमसीडी में प्रत्येक शिक्षक की तनख्वाह से सालाना 1,000 रुपए काटे जाते थे। अगर उस शिक्षक की मृत्यु हो जाती थी, तो उनके परिवार को 7 लाख रुपयए मिलते थे। वहीं, पूर्वी और उत्तरी एमसीडी में 500 रुपए काटे जाते थे, क्योंकि भाजपा तनख्वाह भी नहीं दे पाती थी। वहां भी मृत्यु होने पर 5 लाख रुपए मिलते थे। लेकिन जब 2022 में आम आदमी पार्टी की सरकार आई, तो हमने इस कोष को एकसमान कर दिया। अब सभी शिक्षकों की तनख्वाह से 1,000 रुपए काटे जाते हैं और मृत्यु होने पर परिवार को 7 लाख रुपए मिलते हैं। अब 2016 से 2024 के ऐसे मामलों में जिन परिवारों को शिक्षक कल्याण कोष से पैसे मिलने हैं, मेयर राजा इकबाल सिंह ढोल-नगाड़ों के साथ यह राशि देने जा रहे हैं। अंकुश नारंग ने कहा कि भाजपा क्लास-4 के करीब 29-30 कर्मचारियों को भी इस कार्यक्रम में बुलाया गया है, ताकि उनके परिवार भी आएं। ये करुणा आधारित (कम्पैशनेट ग्राउंड) कर्मचारी हैं, यानी जिनके परिवार में किसी की मृत्यु हो चुकी है। ये शिक्षा विभाग के लोग हैं। इनके परिवार के सदस्य पहले ही आप सरकार में नौकरी जॉइन कर चुके हैं। फिर भी इन्हें दोबारा बुलाकर, ड्रामेबाजी और फोटो सेशन के जरिए जॉइनिंग लेटर देने की कोशिश की जा रही है। क्योंकि भाजपा न तो एमसीडी में और न ही दिल्ली में शासन करना चाहती है।

# भीड़ बढ़ी, चौकसी बढ़ी: शाहदरा में हर मोड़ पर मुस्तैद पुलिस

गांधी नगर में दिखी पुलिस की सधी रणनीति, नेहा यादव का औचक निरीक्षण

प्रात: किरण: मनोज जैन

त्योहारों का सीजन आते ही शाहदरा ज़िले की सड़कें और बाजार गुलजार होने लगे हैं। रक्षाबंधन, स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और दस लक्षण पर्व जैसे आयोजनों से पहले बाजारों में भीड़ तेज हो गई है। इसी के साथ बढ़ गया है पुलिस का सतर्क रुख। डीसीपी प्रशांत गौतम ने साफ निर्देश दिए हैं कि किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। हर थाना प्रभारी को न केवल नियमित पेट्रोलिंग करनी है, बल्कि संवेदनशील इलाकों पर अतिरिक्त नजर रखनी है। इसी दिशा में अतिरिक्त डीसीपी नेहा यादव ने गांधी नगर थाने का औचक निरीक्षण कर हालात का जायजा लिया। भीड़भाड़ वाले बाजारों में पैदल गश्त करते हुए उन्होंने सुरक्षा प्रबंधों को परखा। देखा गया कि थाना प्रभारी प्रफुल कुमार अपनी टीम के साथ पूरी मुस्तैदी से तैनात थे। एसआई विकास कुमार भी सक्रिय भूमिका में दिखे। दोपहिया-चारपहिया वाहनों की चेकिंग, बाजार की गलियों में निरंतर गश्त और सीसीटीवी की लाइव मॉनिटरिंग – हर मोर्चे पर टीम तैयार थी। नेहा यादव ने बताया कि त्योहारों से पहले हर दिन पुलिस की सक्रियता बढ़ाई जा रही है। उनका कहना था कि ज़िले के किसी भी थाने में जब चाहे, जहाँ चाहे निरीक्षण हो सकता है। जनता में भरोसा कायम रखने के लिए जरूरी है कि पुलिस हर मोड़ पर तैयार हो – और शाहदरा की पुलिस इसी संकल्प के साथ मैदान में उतरी हुई है।

# प्रभु चिंतामणि पारसनाथ की जय-जयकारों से गूंजा दिल्ली

## शंकर नगर से दरियागंज तक निकली भक्ति और श्रद्धा से ओतप्रोत पदयात्रा

प्रात: किरण: मनोज जैन

झारखंड स्थित जैन धर्म के सबसे पावन तीर्थ सम्मेद शिखर जी के स्वरूप की भावना से प्रेरित होकर दिल्ली के मध्य क्षेत्र दरियागंज स्थित जैन बाल आश्रम में उसकी एक अलौकिक रचना की गई है, जिसकी आज विशेष श्रद्धा के साथ वंदना की गई। इसी वंदना के लिए पूर्वी दिल्ली के शाहदरा ज़िले में स्थित शंकर नगर जैन मंदिर से प्रभु चिंतामणि पारसनाथ की जय-जयकारों के साथ एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया। समाज की माताएं-बहनें, बच्चे, युवा और वृद्ध श्रद्धालु भक्ति में लीन होकर इस धार्मिक आयोजन में सम्मिलित हुए और यात्रा का प्रारंभ भक्ति, उल्लास और गूंजते हुए जयघोषों के साथ हुआ। यह पदयात्रा शंकर नगर की गली संख्या 6 से प्रारंभ होकर रघुवरपुरा रोड, गीता बाल भारती विद्यालय, गांधी नगर झील चौक, गीता कॉलोनी पुस्ता और शांतिवन होते हुए दरियागंज स्थित जैन बाल आश्रम पहुँची। वहाँ पहुंचकर श्रद्धालुओं ने प्रभु चिंतामणि पारसनाथ की वंदना की, श्रीफल और लड्डू चढ़ाए, और सम्मेद शिखर जी की अनुभूति करते हुए गहन श्रद्धा अर्पित की। यह स्थल जैन समाज के लिए तीर्थ के समकक्ष अनुभूत हुआ। इसके पश्चात सभी श्रद्धालु सामूहिक रूप से चाँदनी चौक स्थित श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर पहुँचे, जहाँ उन्होंने मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज के पावन दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। संपूर्ण आयोजन के दौरान वातावरण भक्ति से ओतप्रोत रहा और जैन समाज की एकता, सेवा और श्रद्धा का अनुपम दृश्य प्रस्तुत हुआ। इस पदयात्रा में समाज के अनेक प्रमुख सदस्य श्रद्धा के साथ सहभागी रहे, जिनमें विशेष रूप से – श्री अशोक जी बिजरोल वाले, श्री राजकुमार जी, संजय जी, सचिन भाई, नितिन डेरी, मनोज भाई प्रवीण जी, वर्धमान, मोहित भाई, विपुल भाई, अजय भाई, लोकेश जैन, दीपक भाई, आदेश भाई, सनी भाई, सौरभ भाई, मुकेश जैन, नीरज जैन, शैलेश जैन, संदीप जैन, अनिल जैन, सत्य जैन, अशोक जैन, संजय जैन आदि का विशेष योगदान रहा। यह संपूर्ण रचना मुनि श्री 108 प्रणम्य सागर जी महाराज के पावन सान्निध्य में निर्मित की गई थी, जो वर्तमान में श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर, चाँदनी चौक, दिल्ली में विराजमान हैं।

# सामाजिक समरसता का प्रतीक बना रक्षाबंधन उत्सव

- शाहदरा ज़िले के गांधी नगर स्थित डीएवी स्कूल में ऐतिहासिक आयोजन

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा ज़िले के गांधी नगर (दिल्ली-31) स्थित डीएवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल नंबर 1 में रक्षाबंधन उत्सव का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यक्ष श्रीमान नरेश शर्मा जी, प्रबंधक श्री गिरजेश रस्तोगी जी, पूर्व निगम पार्षदा श्रीमती कंचन माहेश्वरी जी, श्रीमती दीपिका जैन जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दिल्ली प्रांत के सह बौद्धिक प्रमुख श्री सतीश शर्मा जी एवं विद्यालय के प्रभारी श्री ओमपाल सिंह यादव जी सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मंच संचालन श्रीमती उर्वशी तोमर जी ने बहुत ही भावपूर्ण ढंग से किया। उन्होंने एक सुंदर कविता भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के आरंभ में विद्यालय के गणित अध्यापक श्री सुनील जैन जी ने सभी अतिथियों का परिचय कराया। इसके पश्चात श्रीमती रेणु जोशी जी ने रक्षाबंधन के महत्व पर अपने विचार प्रकट किए। मुख्य वक्ता श्री सतीश शर्मा जी (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने रक्षाबंधन की पौराणिक कथाओं के माध्यम से इसके महत्व को चारों युगों की घटनाओं के साथ जोड़ते हुए अत्यंत प्रेरणादायक व्याख्यान दिया। विद्यालय के अध्यक्ष श्री नरेश शर्मा जी ने शिक्षकों को आश्वासन दिया कि वे उनके हितों की रक्षा के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। प्रबंधक श्री गिरजेश रस्तोगी जी ने भी शिक्षकों के अधिकारों और सम्मान के विषय में बात रखते हुए रक्षाबंधन पर शुभकामनाएं दीं। पूर्व पार्षदा श्रीमती कंचन माहेश्वरी जी और श्रीमती दीपिका जैन जी ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त करते हुए इस पर्व को सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। इस सारे कार्यक्रम की व्यवस्था संस्कृत अध्यापिका बलविंद्र कोर जी ने की समारोह के दौरान विद्यालय की शिक्षिकाओं ने सभी शिक्षकों और अतिथियों को रक्षा सूत्र बांधा और भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को एक नई ऊंचाई दी। कार्यक्रम के अंत में श्री ओमपाल सिंह यादव जी ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। विद्यालय में इस ऐतिहासिक आयोजन की सभी उपस्थितों ने सराहना की।

# वरिष्ठ पत्रकार संजीव बंसल का सम्मान, श्री एकांतेश्वर महादेव धाम में समिति ने किया अभिनंदन

प्रात: किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

मुजफ्फरनगर शाहपुर। शिक्षक एवं वरिष्ठ पत्रकार संजीव बंसल का श्री एकांतेश्वर महादेव धाम पलड़ा में मंदिर समिति द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी धर्मपत्नी अर्चना बंसल के साथ महादेव की पूजा-अर्चना कर मंदिर में आस्था प्रकट की। पूजा उपरांत मंदिर समिति के अध्यक्ष रजत बंसल, राजीव गर्ग, पंकज शर्मा, सुशील प्रजापत, विमल सैनी, ऋतिक गर्ग एडवोकेट, राजू नामदेव सहित अन्य पदाधिकारियों ने उन्हें एवं उनकी धर्मपत्नी को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। समिति द्वारा आयोजित इस आयोजन में भक्ति भाव और सादगी का संगम देखने को मिला। वरिष्ठ पत्रकार संजीव बंसल ने मंदिर के भव्य जीर्णोद्धार कार्य की सराहना करते हुए समिति के सभी पदाधिकारियों को अपनी ओर से पटका पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि समिति ने समाज के सहयोग से करोड़ों रुपये एकत्र कर मंदिर को अभूतपूर्व भव्यता प्रदान की है। अब यह धाम विभिन्न समाजों के महापुरुषों की प्रतिमाओं के साथ पूर्णता को प्राप्त कर चुका है। जनपद ही नहीं, पूरे प्रदेश में इस तरह का कोई धार्मिक स्थल विरला ही देखने को मिलता है, जो श्रद्धा, एकता और समर्पण का प्रतीक बन चुका है। इस दौरान समिति के सदस्यों ने मंदिर के इतिहास, निर्माण और भावी योजनाओं की विस्तृत जानकारी भी पत्रकार संजीव बंसल को दी, जिसे उन्होंने गहराई से सराहा।

# रक्षाबंधन पर फ्री यात्रा का तोहफा, बस अड्डों से लेकर बाजारों तक उमड़ा महिलाओं का जनसैलाब

प्रात: किरण: डॉ. अनुज अग्रवाल, मनोज जैन

उत्तर प्रदेश, मुजफ्फरनगर शाहपुर। भाई-बहन के पावन रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन इस बार पूरे जनपद में खास बना, जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं के लिए परिवहन निगम की बसों में निःशुल्क यात्रा की सौगात दी। इस घोषणा के चलते शनिवार को शाहपुर, जिला मुख्यालय, बड़ौत, कांधला और अन्य रूटों पर चलने वाली बसों में महिलाओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। इस बार सरकार ने बहनों के साथ एक परिजन को भी यात्रा की छूट दी है, जिससे बसों में भीड़ दोगुनी हो गई। सुबह से ही बस स्टैंडों पर महिलाओं की लंबी कतारें देखने को मिलीं। कई महिलाओं को खड़े होकर भी सफर करना पड़ा, फिर भी चेहरों पर अपने भाइयों से मिलने की खुशी झलकती रही। भीड़ को देखते हुए परिवहन विभाग ने अतिरिक्त बसों की योजना बनाई है, वहीं पुलिस ने भी सुरक्षा व्यवस्था को सख्त करते हुए प्रमुख अड्डों पर निगरानी तेज कर दी है। रक्षाबंधन को लेकर बाजारों में भी खासा उत्साह देखा गया। शाहपुर समेत पूरे जनपद में मिठाई की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी लाइनें लगी रहीं। हर कोई अपने हाथों में मिठाई के डिब्बे लिए बहनों के घर की ओर बढ़ता नजर आया। चॉकलेट मिठाइयों, गिफ्ट पैक और परंपरागत घेवर की भी जमकर बिक्री हुई। उधर राखियों की दुकानों पर भी रौनक चरम पर रही–महिलाएं, किशोरियां और बच्चे डिजाइनर, चांदी की, और कार्टून राखियाँ खरीदते दिखे। व्यापारियों ने बताया कि इस बार बिक्री ने पिछली सालों के सारे रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिए। रक्षाबंधन को लेकर जनपद में जो उल्लास देखा गया,

# डीसीपी प्रशांत गौतम के निर्देशन में गांधी नगर पुलिस की त्वरित कार्रवाई

- ताला तोड़कर घर में चोरी करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार, एक किशोर पकड़ा गया

प्रात: किरण: मनोज जैन

शाहदरा जिले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि गांधी नगर थाना क्षेत्र में एक घर में ताला तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक किशोर को भी पकड़ा गया है। शिकायतकर्ता रेखा ने बताया कि वह 5 अगस्त को सुबह 11 बजे बाजार गई थीं और जब दोपहर 12 बजे लौटीं, तो घर का मुख्य दरवाजा टूटा हुआ मिला। अंदर से एक फ्रिज, एक कूलर और 10,000 नकद समेत एक बैग चोरी हो गया था। मामले की जांच एसीपी गांधी नगर अरविंद कुमार नेगी के निर्देशन और थाना प्रभारी प्रफुल कुमार गांधी नगर) के नेतृत्व में की गई। इस मामले में गठित टीम – जिसमें एसआई विकास कुमार, एसआई विशाल राणा, हेड कांस्टेबल अमन बंसल, हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी और कांस्टेबल सनी पंवार शामिल थे – ने घटनास्थल के आस-पास के सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच की। चार संदिग्ध व्यक्ति चोरी का सामान ले जाते हुए कैमरे में कैद हुए। तत्पश्चात तीन आरोपियों – अमित (22 वर्ष), विकास (19 वर्ष) और सूरज (21 वर्ष) – को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि एक किशोर को भी पकड़ा गया। उनके कब्जे से चोरी में प्रयुक्त सामान एक फ्रिज, एक कूलर और बैग समेत नकद रकम बरामद कर ली गई है। पूछताछ में सभी ने स्वीकार किया कि उन्होंने नशे की लत को पूरा करने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था। लेकिन पुलिस ने उन्हें समय रहते पकड़ लिया। डीसीपी प्रशांत गौतम ने पूरी टीम को इस सफल व त्वरित कार्रवाई के लिए सराहा और कहा कि शाहदरा जिला पुलिस अपराध पर नकेल कसने के लिए लगातार मुस्तैद है।

# स्वतंत्रता दिवस से पूर्व दिल्ली पुलिस मुख्यालय में अंतरराज्यीय समन्वय बैठक सम्पन्न

## अवैध हथियारों, ड्रोन, अपराधियों व आतंकी गतिविधियों पर साझा रणनीति पर हुआ मंथन

प्रात: किरण: मनोज जैन

दिल्ली पुलिस मुख्यालय में आज दिनांक 08 अगस्त 2025 को स्वतंत्रता दिवस-2025 के आयोजन को लेकर एक उच्चस्तरीय अंतरराज्यीय समन्वय बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता दिल्ली पुलिस आयुक्त श्री एस.बी.के. सिंह ने की। इस बैठक में हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान व चंडीगढ़ से वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, साथ ही केंद्रीय खुफिया व प्रवर्तन एजेंसियों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में स्वतंत्रता दिवस पर निर्बाध और शांतिपूर्ण आयोजन सुनिश्चित करने हेतु खुफिया सूचनाओं का आदान-प्रदान किया गया। ड्रोन, पैरा-ग्लाइडर व अन्य उड़ने वाली वस्तुओं की निगरानी, संदिग्ध तत्वों की पहचान व सीमा क्षेत्रों पर सघन चेकिंग की रणनीति पर चर्चा हुई। एनसीआर में सक्रिय अंतरराज्यीय गैंग, अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी पर प्रभावी रोक हेतु समन्वयित प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया गया। बैठक में विशेष आयुक्तगण (ट्रांसपोर्ट, स्पेशल सेल, कानून-व्यवस्था, खुफिया, अपराध, सुरक्षा, ट्रैफिक), संयुक्त आयुक्तगण (रेंज, सुरक्षा, क्राइम, ट्रैफिक) सहित दिल्ली के सभी जिलों के डीसीपी व आईजीआई एयरपोर्ट, रेलवे व मेट्रो इकाइयों के अधिकारी भी उपस्थित रहे। स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान यातायात प्रतिबंधों की जानकारी साझा की गई व सीमा क्षेत्रों पर अनधिकृत प्रवेश को रोकने हेतु व्यापक योजना बनाई गई। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने दिल्ली-एनसीआर में सक्रिय अपराधी गैंगों के विरुद्ध आधुनिक तकनीक के माध्यम से कड़े अभियान चलाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि अन्य राज्यों की एजेंसियों को एक साझा कार्ययोजना बनाकर, विशेष रूप से विदेशों से संचालित अपराधी नेटवर्क के विरुद्ध ठोस कार्रवाई करनी होगी, ताकि राष्ट्रीय सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सके।

# जगतपुरी, शाहदरा में एक पेड़ माँ के नाम और स्वच्छता अभियान का प्रेरक आयोजन

प्रात: किरण: मनोज जैन

दिल्ली शाहदरा जिले के जगतपुरी क्षेत्र स्थित चंदर नगर पार्क में आज एक पेड़ माँ के नाम और स्वच्छता अभियान का आयोजन भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अभियान का नेतृत्व कृष्णा नगर से लोकप्रिय विधायक श्री अनिल गोयल जी ने किया, जिनके साथ समाजसेवा के प्रति समर्पित मंडल के सभी प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। आयोजन में निगम पार्षद भाई राजू साई जी, मंडल अध्यक्ष भाई कपिल राणा जी, मंडल महामंत्री श्रीमती सौम्या अग्रवाल जी, श्रीमती अंजू गोगिया जी, मंडल उपाध्यक्ष श्री नीरज जी, आईटी प्रमुख श्री आशीष गुप्ता जी, मंत्री श्री संजीव आनंद जी, श्री राजेश जी, श्री संदीप राणा जी, कोषाध्यक्ष एडवोकेट श्री अमित कुमार जी, सोशल मीडिया प्रभारी लवलीन जी, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्री प्रदीप सहगल जी समेत समस्त मंडल कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अभियान के अंतर्गत सभी कार्यकताओं ने पार्क की सफाई करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया और हर एक कार्यकर्ता ने अपनी माँ को समर्पित एक पौधा रोपित किया। एक पेड़ माँ के नामह्व केवल एक प्रतीक नहीं रहा, बल्कि भावनात्मक रूप से जुड़ाव का माध्यम बना, जिससे समाज में पर्यावरण और मातृत्व दोनों के प्रति सम्मान झलका। हर पौधे के साथ मातृ-प्रेम की छाया जुड़ी और यह विश्वास प्रकट हुआ कि जिस प्रकार माँ जीवन देती है, उसी प्रकार एक वृक्ष भी जीवनदाता होता है। यह आयोजन न सिर्फ सामाजिक जागरूकता का प्रतीक बना, बल्कि स्वच्छता, हरियाली और मातृत्व की त्रिवेणी को एक साथ जोड़ने वाली प्रेरणा बन गया।

# दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता ने शुरू की नई परंपरा जनसेवा सदन में सफाईकर्मियों को राखी बांधी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक नई परंपरा की शुरूआत की है। उन्होंने शुक्रवार को दिल्ली नगर निगम के सफाईकर्मियों के साथ रक्षाबंधन का त्योहार मनाया। यह कार्यक्रम जनसेवा सदन में रखा गया, जहां कई सफाईकर्मियों को बुलाया गया था। सीएम रेखा गुप्ता ने इन सफाईकर्मियों के हालचाल जाने और उन्हें राखी बांधी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ह्यएक्सह्न पर लिखा, मुख्यमंत्री जनसेवा सदन में पधारे स्वच्छताग्रहियों के साथ रक्षाबंधन का पर्व मनाया। उन्हें राखी बांधी और हम सब ने साथ मिलकर ह्यस्वच्छ दिल्ली, सुंदर दिल्लीह्न के संकल्प को फिर से दोहराया। रेखा गुप्ता ने आगे लिखा, दिल्ली को कूड़े से आजादी अभियान में स्वच्छताग्रहियों की सक्रियता सचमुच प्रशंसनीय है। ये न सिर्फ हमारी स्वच्छता मुहिम के सहभागी हैं, बल्कि उसकी असली ताकत, उसकी रीढ़ हैं। उनकी मेहनत दिल्ली को नया रूप देने का निस्वार्थ प्रयास है। उनके समर्पण और अथक प्रयासों को दिल से सलाम। इस सम्मान से नगर निगम के सफाईकर्मियों भी खुश नजर आए। इस मौके पर सफाईकर्मियों ने कहा, हमें बहुत खुशी है कि पहली बार मुख्यमंत्री ने सफाईकर्मियों का इतना मान सम्मान किया है। एक कर्मचारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने का भरोसा दिया है। सफाईकर्मियों की नई भर्ती के विषय पर भी बात हुई है। दिल्ली सरकार ने 1 अगस्त से 31 अगस्त तक राष्ट्रीय राजधानी में सफाई अभियान चलाया है। इसमें खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने हिस्सा लिया। दिल्ली के लगभग सभी मंत्री और विधायक भी इस स्वच्छता अभियान को आगे बढ़ाने में जुटे हुए हैं। मुख्यमंत्री ने सभी दिल्लीवासियों से इस स्वच्छता अभियान में जुड़ने का अनुरोध भी किया। रेखा गुप्ता ने कहा कि इस स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में हम सभी दिल्लीवासी 1 अगस्त से लेकर 31 अगस्त तक एक स्वच्छता अभियान चलाएंगे और दिल्ली को कूड़े से आजादी दिलाएंगे।

# दिल्ली में प्रॉपर्टी टैक्स वसूली पर घोटाले का आरोप, कांग्रेस ने की जांच की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने आम आदमी पार्टी सरकार और भारतीय जनता पार्टी, दोनों पर प्रॉपर्टी टैक्स वसूली में भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा एमसीडी में निजी कंपनियों की एंट्री देकर नए घोटाले की तैयारी कर रही है, जिसकी नींव आम आदमी पार्टी पहले ही रख चुकी है। कांग्रेस ने इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। देवेंद्र यादव ने आरोप लगाया कि वित्तीय वर्ष 2025 में एमसीडी ने 4000 करोड़ रुपये की वसूली का लक्ष्य रखा है, जबकि मौजूदा साल में करीब 13 लाख टैक्सदाताओं से 2,163 करोड़ रुपये ही वसूले गए हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कुल 40 लाख संपत्तियां हैं, लेकिन निगम अब 27 लाख संपत्ति मालिकों को सर्वे के नाम पर परेशान कर नोटिस जारी करने की योजना बना रहा है, जिसका कांग्रेस विरोध करती है। उन्होंने कहा कि ह्लसंपत्तिकर निपटान योजनाह्व के तहत पिछली वर्षों के ब्याज और पेनल्टी माफ करने और एकमुश्त भुगतान की शर्तों को भी समाप्त किया जाना चाहिए। उनका आरोप है कि अवैध कॉलोनियों के सर्वे की तरह ही हर साल 500 से 1,000 करोड़ रुपये की संभावित अवैध वसूली हो रही है। कांग्रेस का कहना है कि एमसीडी को खुद सर्वे कराकर संपत्तियों का आंकलन करना चाहिए, न कि निजी कंपनियों के भरोसे रहना चाहिए जिनका उद्देश्य सिर्फ मुनाफा कमाना होगा। यादव ने कहा कि यदि भाजपा वास्तव में एमसीडी की आय बढ़ाना चाहती है तो उसे पहले भ्रष्टाचार खत्म करना चाहिए और 2022 के संकल्प पत्र में किए वादों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि निगम को जियोस्पैटियल सर्विसेज लिमिटेड से डेटा लेकर अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए ताकि संपत्तियों की सही पहचान की जा सके। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि 2023 में लाई गई पाँचवीं म्युनिसिपल वैल्यूएशन कमेटी की रिपोर्ट में भी लक्ष्य से कम टैक्स वसूली के पीछे निगम में व्याप्त भारी भ्रष्टाचार को जिम्मेदार ठहराया गया था। इस कमेटी में आम आदमी पार्टी से जुड़े नेता एन.डी. गुप्ता के पुत्र नवीन एन.डी. गुप्ता भी सदस्य थे। यादव ने चेतावनी दी कि नया वसूली लक्ष्य पिछले साल से लगभग 1,837 करोड़ रुपये अधिक है और यदि वसूली का ठेका निजी कंपनियों को दिया गया तो इसका 8-10 प्रतिशत, यानी करीब 184 करोड़ रुपये, सीधे निजी कंपनियों की जेब में जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस तरह केजरीवाल सरकार ने शराब नीति में घोटाला किया, भाजपा भी प्रॉपर्टी सर्वे के नाम पर उसी मॉडल से घोटाले की तैयारी कर रही है। उनका कहना है कि इसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है और महाराष्ट्र, राजस्थान और ओडिशा में भी भाजपा सरकारें इसी मॉडल पर भ्रष्टाचार कर रही हैं।

# दिल्ली में आवारा पशुओं की समस्या पर कपिल मिश्रा और मेनका गांधी की बैठक, व्यापक सुधार योजना तैयार होगी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। दिल्ली में आवारा पशुओं, कुत्तों के काटने की घटनाओं और रेबीज नियंत्रण की गंभीर समस्या पर आज दिल्ली सरकार के मंत्री कपिल मिश्रा और भाजपा सांसद व पशु अधिकार कार्यकर्ता मेनका गांधी के बीच विस्तृत बैठक हुई। बैठक में दिल्ली के सभी जोनों के पशु कल्याण संगठनों, एनजीओ प्रतिनिधियों और नगर निगम अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक की शुरूआत में मेनका गांधी ने एनिमल बर्थ कंट्रोल (एबीसी) कार्यक्रम की वर्तमान स्थिति पर चिंता जताई। उन्होंने बताया कि दिल्ली में अधिकांश एबीसी केंद्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। नसबंदी के बाद जानवरों की उचित देखभाल, घावों की निगरानी और टीकाकरण का फॉलो-अप समय पर नहीं किया जाता, जिससे संक्रमण और बीमारी फैलने का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल पशु कल्याण का ही नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य का भी गंभीर मुद्दा है। मेनका गांधी ने इस समस्या के समाधान के लिए कई सुझाव दिए- नसबंदी के बाद सभी कुत्तों की माइक्रोचिपिंग अनिवार्य की जाए, ताकि उनकी निगरानी आसान हो सके। -शहर में फीडिंग जोन तय किए जाएं, जहां स्वयंसेवक और संगठन सुरक्षित तरीके से भोजन उपलब्ध करा सकें। -अवैध पेट शॉप्स और बिना अनुमति के जानवरों की बिक्री पर सख्त रोक लगाई जाए। -पशु चिकित्सकों और डॉग कैचर्स को विशेष प्रशिक्षण देकर मानवीय तरीके से पकड़ने और देखभाल करने की प्रक्रिया अपनाई जाए। कपिल मिश्रा ने बैठक में आश्वासन दिया कि दिल्ली सरकार इस मुद्दे को प्राथमिकता पर लेगी। उन्होंने कहा, हम जोनवार एबीसी केंद्रों की समीक्षा करेंगे, अनुदान राशि बढ़ाएंगे, पारदर्शी डेटा रिपोर्टिंग की व्यवस्था करेंगे और कार्य की नियमित मॉनिटरिंग होगी। साथ ही, डॉग कैचर्स के लिए विशेष प्रशिक्षण प्रोग्राम शुरू किया जाएगा, ताकि उनकी कार्यशैली मानवीय और सुरक्षित हो। बैठक में यह भी तय हुआ कि नगर निगम और एनजीओ मिलकर एक संयुक्त कार्ययोजना तैयार करेंगे, जिसमें अगले छह महीनों में चरणबद्ध तरीके से सुधार लागू किए जाएंगे। इसमें लक्ष्यों की स्पष्ट समयसीमा, जिम्मेदार विभाग और निगरानी तंत्र शामिल होगा। मेनका गांधी और कपिल मिश्रा दोनों ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य न केवल इंसानों को कुत्तों के हमलों और बीमारियों से बचाना है, बल्कि जानवरों को भी सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन देना है।

# तीसरे दिन भी काम पर नहीं तहसीलदार–नायब तहसीलदार

## आम लोगों के काम पर असर, 300 पेशियां आगे बढ़ाई गई

**भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।** न्यायिक और गैर न्यायिक विभाजन से नाराज राजस्व अधिकारी लगातार तीसरे दिन शुक्रवार को भी काम नहीं कर रहे हैं। इससे अकेले भोपाल में ही 600 से ज्यादा कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई गई हैं। अगले 2 दिन सरकारी छुट् ?टी है। इस वजह से आम लोगों के काम पर ज्यादा असर पड़ेगा।नई व्यवस्था को भोपाल के सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार 6 अगस्त से विरोध कर रहे हैं। गुरुवार को उन्होंने अपनी गाड़ियों की चॉबी कलेक्टोरेट में जमा कर दी थी। वे ऑफिसों में तो बैठ रहे, लेकिन काम नहीं कर रहे। इस वजह से कोर्ट केस की पेशियां आगे बढ़ाई जा रही हैं। जानकारी के अनुसार, नामांतरण, सीमांकन, फौती नामांतरण, मूल निवासी, जाति प्रमाण? पत्र, आय प्रमाण पत्र, ईडब्ल्यूएस ?सहित करीब 500 से अधिक मामले? आते हैं। इसके अलावा हर दिन करीब तीन सौ प्रकरणों में तहसीलदार, ? नायब तहसीलदार सुनवाई करते हैं।? इस वजह से दो दिन में ही 600 से ज्यादा केस की पेशियां आगे बढ़ा दी गई है। तीसरे दिन शुक्रवार को भी 300 पेशियां आगे बढ़ेगी। ऐसे में आंकड़ा 900 तक पहुंच सकता है।फिल्ड और ऑफिस के काम में विभाजित किए गएभोपाल में बैरागढ़, कोलार, एमपी नगर, शहर वृत्त, बैरसिया और टीटी नगर तहसीलें हैं। इनके तहसीलदार और नायब तहसीलदारों को न्यायिक और गैर न्यायिक कार्य में विभाजित किया गया है। यानी, जो अधिकारी न्यायिक कार्य कर रहे हैं, वे फिल्ड में नहीं है। वहीं, फिल्ड वाले अधिकारी न्यायिक कार्य नहीं कर रहे। इस व्यवस्था का वे भी विरोध कर रहे हैं।

### मंत्री अफसरों को सुना चुकें समस्या

इस संबंध में मध्यप्रदेश राजस्व अधिकारी (कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा) संघ राजस्व मंत्री वर्मा और सीनियर अधिकारियों के सामने अपनी बात रख चुका है। इस दौरान बताया गया था कि अगले 3 महीने के लिए 12 जिलों में ही पायलेट प्रोजेक्ट के तहत यह व्यवस्था लागू की जाएगी, लेकिन बाद में 9 और जिलों में यह व्यवस्था लागू कर दी गई।

इसके चलते संघ के सभी जिला अध्यक्ष, प्रभारी और प्रतिनिधियों की बैठक हुई।

# प्रसून- संजय लीला भंसाली को राष्ट्रीय किशोर कुमार, सोनू निगम और शंकर-एहसान-लॉय को लता मंगेशकर सम्मान

**भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।** मध्यप्रदेश संस्कृति विभाग ने गुरुवार को वर्ष 2024 और 2025 के लिए देश के 8 प्रमुख राष्ट्रीय सम्मानों की घोषणा की। इसमें फिल्म, संगीत, तकनीक, हिंदी साहित्य और सामाजिक सेवा से जुड़ी विभूतियों और संस्थाओं को चयनित किया गया है। यह सम्मान राज्य की ओर से देश और विदेश में कला, भाषा और समाज के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को दिया जाता है।

इस बार प्रतिष्ठित राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान वर्ष 2024 में गीत लेखन के लिए प्रख्यात गीतकार और सेंसर बोर्ड प्रमुख प्रसून जोशी और वर्ष 2025 में निर्देशन के लिए चर्चित फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली को दिया जाएगा। वहीं राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान वर्ष 2024 लोकप्रिय संगीतकार जोड़ी शंकर–एहसान–लॉय और वर्ष 2025 का सम्मान सुरों के सम्राट सोनू निगम को मिलेगा

### 2024 के लिए घोषित सम्मान

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान (गीत लेखन): प्रसून जोशी (दिल्ली)राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान (संगीत निर्देशन): शंकर–एहसान–लॉय (मुंबई)राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान: आनंदधाम (भोपाल)राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान: प्रशांत पोळ (जबलपुर) राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान: रीता कौशल (ऑस्ट्रेलिया)राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान: डॉ. इंदिरा गाजिएवा (रूस)राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान: डॉ. राधेश्याम नापित (शहडोल)राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान: डॉ. केसी अजय कुमार (तिरुवनंतपुरम)

### सम्मानों के उद्देश्य और विशेषता

इन सम्मानों का उद्देश्य भारतीय भाषाओं, विशेषकर हिंदी और भारतीय संस्कृति को सशक्त करना है। किशोर कुमार व लता मंगेशकर जैसे दिग्गज कलाकारों के नाम पर दिए जाने वाले पुरस्कार सृजनात्मकता और कलात्मक उत्कृष्टता के प्रतीक माने जाते हैं। फादर कामिल बुल्के और निर्मल वर्मा सम्मान विदेशी मूल के या प्रवासी भारतीयों को दिया जाता है, जिन्होंने विदेशों में हिंदी के प्रचार–प्रसार में अहम भूमिका निभाई है। वहीं, सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान डिजिटल युग में हिंदी की तकनीकी यात्रा को बढ़ावा देने वालों को प्रोत्साहित करता है।

### 2025 के लिए घोषित सम्मान

राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान (निर्देशन): संजय लीला भंसाली (मुंबई)राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान (पार्श्व गायन): सोनू निगम (मुंबई)राष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान: पुनरुत्थान समरसता गुरुकुलम (पुणे)राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी सम्मान: लोकेन्द्र सिंह राजपूत (भोपाल)राष्ट्रीय निर्मल वर्मा सम्मान: डॉ. वंदना मुकेश (इंग्लैंड)

राष्ट्रीय फादर कामिल बुल्के सम्मान: पद्मा जोसेफिन वीरसिंघे (श्रीलंका)राष्ट्रीय गुणाकर मुले सम्मान: डॉ. सदानंद दामोदर सप्रे (भोपाल)राष्ट्रीय हिंदी सेवा सम्मान: डॉ. विनोद बब्बर (दिल्ली)

### यह रहेंगे आयोजन के प्रमुख स्थल

राष्ट्रीय लता मंगेशकर सम्मान: 28 सितंबर 2025, इंदौर राष्ट्रीय किशोर कुमार सम्मान: 13 अक्टूबर 2025, खंडवाराष्ट्रीय महात्मा गांधी सम्मान: 2 अक्टूबर 2025, भोपालअन्य पांच सम्मान 14 सितंबर 2025 को हिंदी दिवस पर भोपाल में वितरित किए जाएंगे।

# रीवा जाने वाली ट्रेनों में वेटिंग:स्पेशल ट्रेन में जोड़े 4 कोच, 304 सीटें बढ़ाई

**भोपाल, प्रातः किरण संवाददाता।** रक्षाबंधन पर्व नजदीक आते ही ट्रेनों में भोपाल से रीवा जाने वाले यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पिछले कुछ दिनों से इस रूट की अधिकांश ट्रेनों में सीटें फुल हो चुकी थीं और लंबी प्रतीक्षा सूची बन गई थी। ऐसे में यात्रियों की परेशानी को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने बड़ा फैसला लिया है।रेल प्रशासन ने गाड़ी संख्या 01661 रानी कमलापतिङ्करीवा स्पेशल एक्सप्रेस में 2 स्लीपर और 2 एसी थर्ड क्लास कोच बढ़ाने का निर्णय लिया है। इससे करीब 304 अतिरिक्त यात्रियों को कंफर्म सीट मिल सकेगी। रेलवे का कहना है कि यह कदम खासतौर पर त्योहारी भीड़ को देखते हुए उठाया गया है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग बिना परेशानी अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।यह स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति से शुक्रवार, 8 अगस्त को शाम 7:35 बजे रवाना होगी और विदिशा, बीना, सागर, दमोह, कटनी मुड़वारा, मैहर व सतना होते हुए दूसरे दिन सुबह 6:20 बजे रीवा पहुंचेगी। रेल प्रशासन ने अपील की है कि यात्री यात्रा से पूर्व गाड़ियों की समय–सारिणी और ठहराव की जानकारी के लिए 'रेल मदद 139' हेल्पलाइन या NTES ऐप का इस्तेमाल करें।

# हर घर तिरंगा यात्रा निकली

### 14 अगस्त को कोलार में सबसे बड़ी यात्रा

**भोपाल, प्रातः किरण, संवाददाता।** भोपाल में 'हर घर तिरंगा, हर घर स्वच्छता, स्वतंत्रता का उत्सव, स्वच्छता के संग' अभियान चल रहा है। शुक्रवार को स्कूलों में देशभक्ति से जुड़े कार्यक्रम होंगे। वहीं, शनिवार से तिरंगा रैलियां निकलेंगी। सबसे बड़ी यात्रा कोलार से निकलेगी। हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा की कर्मश्री संस्था यह आयोजन कर रही है। जिसमें 40 हजार से ज्यादा छोटे–बड़े वाहन शामिल होंगे।अभियान को लेकर कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह बैठक भी कर चुके हैं। उन्होंने बताया, यह अभियान तीन चरणों में चल रहा है। प्रथम चरण 8 अगस्त तक जिले में देशभक्ति के वातावरण एवं तिरंगे पर केंद्रित सार्वजनिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी, रंगोली, तिरंगा सजावट एवं प्रकाश की व्यवस्था की जा रही है। इस काम को जिला पंचायत सीईओ, डीईओ और नगर निगम अफसर कर रहे हैं। द्वितीय चरण 9 से 12 अगस्त तक जिले में तिरंगा रैली एवं मानव श्रृंखला का आयोजन किया जाएगा।तृतीय चरण 13 से 15 अगस्त तक आयोजित होगा। जिसमें घर एवं वाहनों पर तिरंगे फहराना, तिरंगा के साथ सेल्फी अपलोड करने एवं तिरंगे की दृश्यता से संबंधित कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने को कहा है।अभियान के चलते जिला पुरातत्व, पर्यटन और सांस्कृतिक परिषद जिले में कार्यक्रम कर रहा है। स्कूल और कॉलेजों में तिरंगा एक्टिविटी की जा रही है। परिषद के संयुक्त सचिव संदीप कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि जन–जन को आजादी के पर्व से जोड़ने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। स्कूलों में कई कार्यक्रम कर चुके हैं। रक्षाबंधन पर्व पर छात्राओं ने राखियों को तिरंगा की आकृति भी दी।

# देवर ने भाभी को चाकू मारकर की हत्या

### पत्नी से लड़ाई करने के दौरान भड़का आरोपी

**रायपुर प्रातः किरण संवाददाता।** पत्नी से लड़ाई करने के दौरान भाभी के टोकने से भड़का, पुलिस ने किया गिरफ्ताररायपुर में देवर ने अपने भाभी के गले में चाकू मार कर हत्या कर दी है। आरोपी अपनी पत्नी से धरेलू बात पर झगड़ा कर रहा था। घर पर मौजूद भाभी ने अपने देवर को झगड़ा करने से मना किया और बीच बचाव किया। इस बात से देवर भड़क गया और उसने अपनी भाभी पर हमला कर दिया। इस मामले में विधानसभा पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।विधानसभा थाना प्रभारी से मिली जानकारी के मुताबिक, रिंग रोड नंबर 3 स्थित एसबीआई बैंक के पास रहने वाली संगीता बंजारे (35) पर उसके देवर कामेश्वर बंजारे ने धारदार हथियार से गले पर हमला कर दिया। वारदात गुरुवार शाम 7 बजे करीब की है। आरोपी कामेश्वर बंजारे घरेलू बात पर अपनी पत्नी से झगड़ा कर रहा था। दोनों के बीच झगड़ा बढ़ गया। तो कामेश्वर की भाभी संगीता ने बीच बचाव किया और अपने देवर को झगड़ा करने से मना किया।सड़क पर घायल होकर गिरी महिलाइस बात से आरोपी भड़क गया। उसने धारदार चाकू से अपनी भाभी के गले पर हमला कर दिया। हमले होते ही संगीता घर के बाहर की तरफभागी। कुछ दूर आगे बढ़ने के बाद गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर गई।

# एप्प के माध्यम से आनलाईन सत्यापन कर सकते हैं पेंशन हितग्राही

**कोरबा, प्रातः किरण संवाददाता।** नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा शासन की विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों से कहा गया है कि वे बेनीफिशयरी सत्यापन एप्प के माध्यम से वेरीफिकेशन का कार्य आनलाईन रूप से कर सकते हैं, मोबाईल फोन के प्ले स्टोर में जाकर उक्त एप्प को फोन पर इंस्टाल कर सत्यापन का कार्य किया जा सकता है, भारत सरकार एवं छ.ग. शासन के दिशा–निर्देशों के अनुसार राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम अंतर्गत संचालित केन्द्रीय पेंशन योजनाओं यथा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय दिव्यांग पेंशन के हितग्राहियों के वार्षिक सत्यापन हेतु सत्यपान एप्प एक ऐसा एप्लिकेशन है जिसका उपयोग भारत सरकार व राज्य सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों के द्वारा ई–केवाईसी सत्यापन के लिए किया जाना है।

# भाजपा में मूणत को मिल सकती है नई जिम्मेदारी

### अभिषेक-नवीन समेत 4 नेता महामंत्री पद की रेस में; हेमंत या अनुराग बन सकते हैं मीडिया प्रभारी

**रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।** छत्तीसगढ़ में जल्द ही बीजेपी संगठन का विस्तार हो जाएगा। लंबे समय से रुकी नियुक्तियों का आदेश 10 अगस्त को संभावित माना जा रहा है। जानकारी ये भी है कि नए आदेश में ङ्कछ्वङ्ककुछ पदों को कम कर सकती है। अभी प्रदेश संगठन महामंत्री के 4 पद हैं, इसमें एक पद कम किया जा सकता है। आने वाले दिनों में ये 3 हो जाएंगे।इसके अलावा नए महामंत्री, महिला अध्यक्ष, भाजयुमो अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष और प्रकोष्ठ अध्यक्ष के पद पर नई नियुक्तियां होगी। संगठन में पद मिले इसलिए प्रदेश के नेताओं से लेकर राष्ट्रीय नेताओं और आरएसएस लॉबी तक एप्रोच लगाई गई है।

इन पदों पर अब नए चेहरे नियुक्त होंगे। महामंत्री की रेस में पूर्व सांसद अभिषेक सिंह, पूर्व विधायक नवीन मार्कंडेय, पूर्व विधायक रजनीश सिंह और अखिलेश सोनी का नाम चल रहा है। वहीं गुलशन ऋषि और अमरजीत दुआ को प्रदेश कार्य समिति में विशेष आमंत्रित सदस्य बनाया जा सकता है।नई नियुक्ति पर संगठन कर चुका है विचारBJP में नई नियुक्ति को लेकर संगठन ने पहले ही विचार कर लिया है। राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिव प्रकाश कुछ दिन पहले प्रवास पर छत्तीसगढ़ आए थे। तब इस मुद्दे पर सीनियर नेताओं से चर्चा हो चुकी है।वहीं छत्तीसगढ़ से दिल्ली प्रवास पर गए अध्यक्ष किरण सिंहदेव से राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष से भी इस संबंध में निर्देश मिले हैं।

### महामंत्री की रेस में इनका नाम सबसे आगे

प्रदेश भाजपा संगठन में दो नए नेताओं को प्रदेश महामंत्री बनाए जाने की तैयारी है। मौजूदा महामंत्री संजय श्रीवास्तव नान अध्यक्ष और जगदीश रामू रोहरा को धमतरी नगर निगम महापौर बन गए हैं। जिससे अब ये पद खाली हैं।

### 6 प्रदेश उपाध्यक्ष होंगे नियुक्त

संगठन में 6 प्रदेश उपाध्यक्ष नियुक्त होंगे। इसमें दो महिला और 4 पुरुष पदाधिकारियों को नियुक्ति मिलेगी। प्रदेश उपाध्यक्ष के कुछ ही चेहरों में परिवर्तन होगा। उपाध्यक्ष के अलावा मीडिया प्रभारी का भी चेहरा बदलेगा।मीडिया प्रभारी बनने की रेस में हेमंत पाणिग्रही और अनुराग अग्रवाल का नाम सबसे आगे चल रहा है।

# करंट से झुलसा छात्र अब स्कूलों में होगा निरीक्षण

**रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।** बिलासपुर के प्राथमिक स्कूल सेंदरी में हाल ही में एक छात्र को बिजली के करंट का झटका लग गया। हादसे की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। सीएसपीडीसीएल की टीम ने मौके पर पहुंचकर करंट प्रवाहित कर रहे तार को काटा और खामी को सुधार दिया है। सेंदरी के प्राइमरी स्कूल के एक बच्चे को करंट लग गया था, इससे छात्र झुलस गया था। खबर पर संज्ञान लेते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार से जवाब मांगा था। हाई कोर्ट के संज्ञान लेने के बाद 13 जुलाई 2025 को विभाग के जेई ने निरीक्षण किया। पाया कि स्कूल की छत पर बारिश का पानी जमा था, जिससे दीवारें गीली हो गई थीं। बिजली का एलटी लाइन का तार दीवार से सटकर गुजर रहा था और इससे ही छात्र झुलसा था। स्कूल शिक्षा विभाग ने हाई कोर्ट में हलफनामा दिया है, बताया कि प्रदेश में 45 हजार से अधिक स्कूल हैं।

# भूपेश को भाजपा ने, साय को कांग्रेस ने जानवर बनाया

## दोनों पार्टियों के कार्टून पर बवाल, एक दूसरे पर आरोप मढ़ रही पार्टिया

**रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।** छत्तीसगढ़ में बिजली बिल–केते एक्सटेंशन जैसे मुद्दे पर बीजेपी–कांग्रेस नेताओं की जुबानी जंग अब सोशल मीडिया वॉर में तब्दील हो गई है। दोनों दल सोशल मीडिया पर एक–दूसरे के खिलाफ आपत्तिजनक कार्टून और मीम बनाकर वायरल कर रहे हैं।बुधवार को 2 नए कार्टून पोस्ट किए गए, जिनसे विवाद और बढ़ गया। एक कार्टून में कांग्रेस ने बीजेपी नेताओं को पशु के रूप में दिखाया। वहीं इसके पलटवार में बीजेपी ने भी कांग्रेस नेताओं को लेकर आपत्तिजनक कार्टून पोस्ट कर दिया। इन कार्टूनों को लेकर कांग्रेस ने कहा कि यह बीजेपी और ऋस्स्की मानसिकता को दिखाता है। वहीं बीजेपी ने भी जवाब में कहा कि वे कांग्रेस को उसी की भाषा में जवाब दे रहे हैं। पार्टियों के इस तरह के पोस्ट पर प्रदेश के वरिष्ठ पत्रकारों का कहना है कि प्रदेश की राजनीति का स्तर गिरता जा रहा है।

### बीजेपी नेताओं को ये सीख RSS से मिली: धनंजय सिंह ठाकुर

कांग्रेस नेता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि बीजेपी के पास प्रदेश और देश को बताने के लिए कुछ भी नहीं है। इसलिए वो सोशल मीडिया पर पोस्ट जारी कर कांग्रेस नेताओं के चरित्र हनन का प्रयास कर रही है। ये सीख इन्हें आरएसएस से मिलती है। बीजेपी नेताओं ने महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी जैसे नेताओं की भी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है। अब वही प्रयास राहुल गांधी और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफकिया जा रहा है।

### कांग्रेस जिस भाषा में बात करेगी, उसे उसी भाषा में जवाब देंगे: दीपक

इस मामले में बीजेपी नेता दीपक उज्जवल ने कहा कि कांग्रेस पार्टी देश और प्रदेश में लगातार अभद्र भाषा का इस्तेमाल कर रही है। पीएम और सीएम को लेकर कांग्रेस नेता न सिर्फ आपत्तिजनक टिप्पणियां कर रहे हैं, बल्कि सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट भी शेयर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे हर पोस्ट और बयान का मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। दीपक उज्जवल ने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने भी कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बयानबाजी पर टिप्पणी की है। राहुल गांधी बिना किसी सबूत के निराधार आरोप लगाते हैं।

# शराब घोटाले पर अनवर ढेबर पर एफआईआर दर्ज

**रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।** छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में लंबे समय से जेल में बंद कारोबारी अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर पर FIR दर्ज हुई है। दरअसल बुधवार (6 अगस्त) को शोएब जेल में बिना अनुमति मुलाकात कक्ष में घुस गया था। जिसके बाद पहले जेल प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए 3 महीने के लिए बैन किया फिर गंज थाने में स्नङ्कक्रदर्ज हुई।शिकायतकर्ता के मुताबिक, शोएब ढेबर जेल में बंद अपने पिता से मिलने वे जबरदस्ती घुस गए। जहां उन्होंने गाली गलौज भी की। जिसके बाद जेल प्रशासन ने शोएब पर कार्रवाई करते हुए जेल में किसी से भी मुलाकात पर पांबदी लगी दी है। जेल अधीक्षक ने आदेश जारी कर कहा कि इस दौरान न सिर्फ सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हुई, बल्कि जेल संचालन में भी व्यवधान उत्पन्न हुआ।

# बिजली बिल हाफ योजना में बदलाव, कांग्रेस ने किया प्रदर्शन, कहा- आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगी दोहरी मार

**रायपुर, प्रातः किरण संवाददाता।** रायपुर से लगे तिल्दा में बिजली बिल हाफ योजना में बदलाव के विरोध में कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। जिला कांग्रेस कमेटी ने जिला मुख्यालय के साथ सभी ब्लॉक मुख्यालयों में बिजली कार्यालय का घेराव करने की बात कही है।कांग्रेसियों का कहना है कि इस योजना से मध्यम और निम्न आय वर्ग के उपभोक्ताओं को बिजली बिल हाफ का लाभ मिलता था। उच्च वर्गीय उपभोक्ताओं को भी 400 यूनिट तक आधा छूट मिलता था।अब सरकार सिर्फ 100 यूनिट तक 50 यूनिट की छूट की बात कर रही है, जिसका वास्तविक लाभ किसी भी उपभोक्ता को नहीं मिलेगा। जिससे भारी भरकम बिल का भुगतान करना पड़ेगा।

### 25 पैसे बढ़ोतरी का आरोप

जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर के अध्यक्ष उधोराम ने कहा कि सरकार बदलते ही इस योजना को बंद कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 25 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी की गई और अब बिजली बिल हाफयोजना बंद करके आम उपभोक्ताओं को भारी–भरकम बिल का भुगतान करना पड़ेगा। उधोराम ने मांग की है कि बिजली बिल हाफ योजना को तत्काल लागू किया जाए और बढ़े हुए बिजली बिल से प्रभावित घरेलू उपभोक्ताओं को राहत दी जाए।उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि अडाणी के सोलर पैनल को बढ़ावा देने के लिए लोगों को परेशान किया जा रहा है। उनका कहना है कि बिजली बिल हाफ योजना इसीलिए खत्म की गई है ताकि लोग मजबूर होकर सोलर पैनल लगवाएं।

# रक्षाबंधन पर विशेषः भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक है रक्षाबंधन का पर्व

भारत एक ऐसा देश है जहाँ लोग साल भर त्यौहार मनाते रहते हैं। उनमें से राखी का त्यौहार लोगों के दिलों में बहुत खास जगह रखता है। बाकी सभी त्यौहारों के मुकाबले रक्षाबंधन एक अलग रिश्ते के महत्व को जताने और दिखाने का उत्सव होता है। बच्चे हों या बुजुर्ग, अपने भाई या बहन के साथ के खास रिश्ते के लिए सभी साल दर साल इसे यादगार तरीके से मनाते रहते हैं। रक्षाबंधन का पर्व भाई और बहन के बीच पवित्र स्नेह को सदियों से दर्शाता चला आ रहा है। रक्षाबंधन का अर्थ होता है रक्षा का बंधन। हिन्दू धर्म के सभी धार्मिक अनुष्ठानों में रक्षासूत्र बांधते समय पण्डित संस्कृत में एक श्लोक का उच्चारण करते हैं। जिसमें रक्षाबन्धन का सम्बन्ध राजा बलि से स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर होता है। यह श्लोक रक्षाबन्धन का अभीष्ट मन्त्र है। येन बद्धो बलि राजा दानवेन्द्रो महाबलः तेन त्वाम प्रतिबद्धनामी रक्षे माचल माचलः इस श्लोक का अर्थ है जिस रक्षासूत्र से महान शक्तिशाली दानवेन्द्र राजा बलि को बांधा गया था, उसी सूत्र से मैं तुझे बांधता हूं। तुम अपने संकल्प से कभी भी विचलित मत होना। भारत में रक्षाबंधन के पवित्र पर्व को बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। इसे रिश्तों में मिठास, विश्वास और प्रेम बढ़ाने वाला पर्व माना गया है। इस दिन बहनें भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं और उसकी लंबी उम्र की कामना करती हैं। इस दौरान भाई भी अपनी बहन को रक्षा का वचन देता है और क्षमता के अनुसार उसे उपहार देता है। रक्षाबन्धन का पर्व भाई-बहिन के स्नेह का प्रतीक देश का एक प्रमुख त्यौहार है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन मनाये जाने के कारण इसे श्रावणी पर्व भी कहते हैं। इस दिन ब्राह्मण, गुरु द्वारा भी राखी बांधी जाती है। रक्षाबन्धन पर्व सामाजिक और पारिवारिक एकबद्धता का सांस्कृतिक उपाय रहा है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी एक सूत्रता के रूप में इस पर्व का उपयोग किया जाता है। रक्षाबंधन का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में इस पर्व का वर्णन मिलता है। जब देवताओं और दानवों में युद्ध शुरू हुआ। तब देवताओं पर दानव हावी होने लगे। देवराज इन्द्र ने घबरा कर देवताओं के गुरु बृहस्पति से मदद की गुहार की। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इन्द्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बांध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बांधने की प्रथा चली आ रही है। यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। हयग्रीव को विद्या और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाडकर उनकी उंगली पर पट्टी बांध दी। यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब युधिष्ठिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूं। तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर विपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बांधने के कई उल्लेख मिलते हैं। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की। तब भगवान विष्णु वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा मांगने पहुंचे। गुरु के मना करने पर भी राजा बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी। भगवान ने तीन पग में सारा आकाश, पाताल और धरती नापकर राजा बलि को पाताल लोक में भेज दिया। कहते कि पाताल लोक में राजा बलि ने भक्ति के बल पर भगवान विष्णु से रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया। उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी।

उत्तरांचल में इसे श्रावणी कहते हैं। ब्राह्मण अपने यजमानों को यज्ञोपवीत तथा राखी देकर दक्षिणा लेते हैं। अमरनाथ की अतिविख्यात धार्मिक यात्रा गुरु पूर्णिमा से प्रारम्भ होकर रक्षाबन्धन के दिन सम्पूर्ण होती है। कहते हैं इसी दिन यहां का हिमानी शिवलिंग भी अपने पूर्ण आकार को प्राप्त होता है। इस उपलक्ष्य में इस दिन अमरनाथ गुफा में प्रत्येक वर्ष मेले का आयोजन भी होता है। नेपाल के पहाडी इलाकों में ब्राह्मण एवं क्षत्रीय समुदाय में रक्षा बन्धन गुरू के हाथ से बांधा जाता है। लेकिन दक्षिण सीमा में रहने वाले भारतीय मूल के नेपाली भारतीयों की तरह बहन से राखी बंधवाते हैं। महाराष्ट्र में यह त्योहार नारियल पूर्णिमा या श्रावणी के नाम से विख्यात है। इस दिन लोग नदी या समुद्र के तट पर जाकर अपने जनेऊ बदलते हैं और समुद्र की पूजा करते हैं। राजस्थान में रामराखी और चूड़ाराखी या लूंबा बांधने का रिवाज है। रामराखी सामान्य राखी से भिन्न होती है। इसमें लाल डोरे पर एक पीले छींटों वाला फुंदना लगा होता है। यह केवल भगवान को ही बाँधी जाती है। चूड़ा राखी भाभियों की चूडियों में बांधी जाती है। राजपूत योद्धा जब शत्रु से युद्ध करने जाते थे तब महिलाएं उनको माथे पर कुमकुम का तिलक लगाने के साथ हाथ में रेशमी धागा भी बांधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा।

# रक्षाबंधनः नारी रक्षा का संकल्प, एक सामाजिक चेतना

**तब रक्षाबंधन केवल एक पर्व नहीं, एक क्रांति का आरंभ बनेगा। रक्षाबंधन कोई मंच या मंचन नहीं है। यह प्रदर्शन का नहीं, आत्मचिंतन का पर्व है। हमें इस पर्व को बाजारवाद और औपचारिकता से निकालकर पुनः उसकी असली पहचान देना होगा। यह प्रेम और कर्तव्य के बीच की एक खूबसूरत कड़ी है। इस बार राखी के धागों को केवल कलाई तक न सीमित रखें, इन्हें हृदय से बाँधें, ताकि यह पर्व भाई-बहन के रिश्तों से आगे बढ़कर पूरे समाज में एक सशक्त और सुरक्षित वातावरण का निर्माण कर सके। तभी राखी के ये धागे सच्चे अर्थों में आदर्श बनेंगे और संकल्पों का सोपान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें।**

**ललित गर्ग**
**(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)**

भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और त्योहारों की भूमि पर रक्षाबंधन एक ऐसा पर्व है जो केवल भाई-बहन के रिश्ते तक सीमित नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज में आत्मीयता, कर्तव्यबोध, और नैतिक मूल्यों के पुनर्संवेदन का पर्व है। यह पर्व नारी अस्मिता, समानता, सुरक्षा और प्रेम की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। राखी का धागा जितना कोमल दिखता है, उतनी ही उसमें गहराई और दृढ़ता होती है, यह एक ऐसा लौकिक बंधन है, जो प्रेम, आदर्शों और जिम्मेदारियों से बंधा होता है। रक्षाबंधन कोई साधारण पर्व नहीं, यह आदर्शों का हिमालय है, संकल्पों का सोपान है। यह पर्व सिर्फ भाई-बहन के प्रेम की रस्म नहीं, बल्कि पुरुष समाज द्वारा नारी को आश्वस्त करने, उसका मान-सम्मान बनाए रखने की शपथ का दिन है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि नारी केवल स्नेह की पात्र नहीं, वह शक्ति, श्रद्धा और समाज की दिशा तय करने वाली एक सशक्त प्रेरणा भी है। आज जब महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में बुलंदियों को छू रही हैं, सेना से लेकर विज्ञान, शिक्षा से लेकर खेल तक तब रक्षाबंधन उन्हें केवल भावनात्मक सुरक्षा नहीं, सामाजिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक सम्मान दिलाने का भी माध्यम बनता है। रक्षाबंधन की महत्ता को समझने के लिए उसके ऐतिहासिक संदर्भों को जानना आवश्यक है। भविष्य पुराण में उल्लिखित कथा के अनुसार जब देव-दानव युद्ध में दानव भारी पड़ने लगे, तब इंद्राणी ने अपने पति इन्द्र की रक्षा हेतु रेशम का धागा मंत्रों के साथ उनके हाथ पर बांधा, जिससे इंद्र विजयी हुए। मुगल काल में रानी कर्मवती ने जब चितौड़ पर संकट देखा, तो बादशाह हुमायूं को राखी भेजकर रक्षा की याचना की। हुमायूं ने धर्म, संप्रदाय और सत्ता से ऊपर उठकर उस धागे की लाज रखी और चितौड़ की रक्षा में अपनी ताकत झोंक दी। महाभारत में जब भगवान श्रीकृष्ण की उंगली से रक्त बहा, द्रौपदी ने अपनी साड़ी का पल्लू फाड़कर पट्टी बांध दी। श्रीकृष्ण ने उस प्रेम को जीवन भर निभाया और चीरहरण के समय द्रोपदी की रक्षा की। यह केवल ऋण चुकता नहीं था, यह आदर्शों की प्रतिज्ञा थी। इसी तरह सिकंदर और पुरू की कथा इस बात को दशार्ती है कि राखी का एक धागा युद्ध भूमि में भी जीवनदान का कारण बन सकता है। ये प्रसंग हमें बताते हैं कि राखी केवल प्रेम का प्रतीक नहीं, बल्कि रक्षा, आदर्श और सम्मान की जीवंत प्रतिमा है। रक्षाबंधन आज सिर्फ पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक आंदोलन जैसा है। लेकिन दुख इस बात का है कि इस पर्व की आत्मा धीरे-धीरे खोती जा रही है। आज बहनों के लिए यह पर्व सजने-संवरने और उपहार पाने का माध्यम बनता जा रहा है, जबकि भाइयों के लिए यह केवल एक औपचारिकता बनकर रह गया है। राखी के धागों की वह पवित्रता, भावनाओं की वह गहराई, अब कम होती जा रही है। यह पर्व अब बाजारवाद और दिखावे के जाल में उलझता नजर आ रहा है। इस बदलती सोच को थामना और मूल भावनाओं को पुनः प्रतिष्ठित करना आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है। इस पर्व का मूल उद्देश्य नारी के प्रति श्रद्धा, सुरक्षा और कर्तव्य का निर्वहन है, न कि केवल उपहार और दिखावे का आदान-प्रदान। भाइयों को चाहिए कि वे बहन की रक्षा की शपथ केवल शब्दों में नहीं, जीवन के प्रत्येक व्यवहार में निभाएं। बहनें भी राखी को केवल संबंध या औपचारिकता न समझें, बल्कि इस पर्व को नारी स्वाभिमान और सामाजिक बदलाव के एक माध्यम के रूप में लें। आज जब समाज में महिलाओं के साथ अपराध बढ़ रहे हैं, जब बच्चियों से लेकर वृद्धाओं तक को भय और असुरक्षा का सामना करना पड़ रहा है, तब रक्षाबंधन एक ऐसा अवसर है जब हम केवल बहन नहीं, संपूर्ण नारी समाज की रक्षा का संकल्प लें। एक ऐसा संकल्प जो केवल राखी तक सीमित न हो, बल्कि जीवन भर के आचरण में झलके। यह पर्व हमें यह संदेश देता है कि नारी केवल स्नेह की नहीं, सम्मान की अधिकारिणी है। रक्षाबंधन भारत के विभिन्न अंचलों में अलग-अलग नामों से मनाया जाता है। उत्तर भारत में यह भाई-बहन के रिश्ते का पर्व है, वहीं महाराष्ट्र में नारली पूर्णिमा के रूप में समुद्र देवता को नारियल अर्पण कर मछुआरे समुद्र से अपने रिश्ते की रक्षा की प्रार्थना करते हैं। दक्षिण भारत में ह्यअवनी अविट्टमह्ल के रूप में यह ब्राह्मणों का यज्ञोपवीत संकल्प का पर्व है। वहीं स्कन्द पुराण और श्रीमद्भागवत में उल्लिखित वामन अवतार की कथा में रक्षाबंधन को ह्यबलेवह्ल के रूप में जाना जाता है, जब भगवान विष्णु ने तीन पग भूमि मांगकर राजा बलि का अभिमान तोड़ा था। इन सब कथाओं में एक ही संदेश है-अहंकार के स्थान पर समर्पण, दंभ के स्थान पर रक्षा, और स्वार्थ के स्थान पर सेवा। आज रक्षाबंधन जैसे भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्व भी कृत्रिम बुद्धिमता एवं संचार-क्रांति की आंधी में अपनी मूल आत्मा और संवेदना खोते जा रहे हैं। उपहारों की होड़, ब्रांडेड राखियों का प्रदर्शन, सोशल मीडिया पर दिखावे की होड़ ने इस पर्व को एक उपभोक्तावादी उत्सव में बदल दिया है। जहाँ पहले राखी एक भावनात्मक संबंध का प्रतीक थी, वहीं आज यह अधिकतर लेन-देन और औपचारिकता का माध्यम बनती जा रही है। इस प्रवृत्ति से पर्व की आत्मा, जिसमें बहन के प्रेम और भाई की जिम्मेदारी का गहन बोध निहित था, वह पीछे छूटता जा रहा है। इसलिए आवश्यक है कि हम रक्षाबंधन की प्रासंगिकता को केवल उपहारों और खर्च की दृष्टि से नहीं, बल्कि नारी सम्मान, आत्मीय रिश्तों और सामाजिक जिम्मेदारियों के दृष्टिकोण से समझें और मनाएं। राखी का पर्व हमें मानवीय रिश्तों की फिर से व्याख्या करने का अवसर देता है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हर स्त्री हमारी बहन है, समाज की, संस्कृति की, मानवता की। उसकी रक्षा केवल सामाजिक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानवीय धर्म है। जब हर पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य को राखी की तरह पवित्र समझेगा, जब हर बहन अपने भाई में केवल उपहार देने वाला नहीं, बल्कि एक मूल्य-धारी रक्षक देखेगी।

# मधुमेह से आंख, किडनी और दिल के साथ-साथ हड्डियां भी हो रही है प्रभावित

**शोध ने यह सिद्ध कर दिया है कि हड्डियाँ इसका अगला शिकार बन चुकी हैं डॉ. हारून शाह का कहना है कि हमें मधुमेह मरीजों की जाँच में हड्डी से जुड़ी समस्याओं को भी शामिल करना चाहिए। खासकर वे मरीज जिनका एचबीए1सी स्तर लगातार अधिक रहता है पीबीएम अस्पताल का यह शोध एक चेतावनी की तरह है। यह दिखाता है कि मधुमेह से न केवल आंख, किडनी और दिल प्रभावित होते हैं, बल्कि अब हड्डियाँ भी गंभीर रूप से इसकी चपेट में हैं। अगर समय रहते मधुमेह मरीज अपने शुगर को नियंत्रित नहीं करते, तो फ्रैक्चर और विकलांगता जैसी स्थितियाँ सामने आ सकता है।**

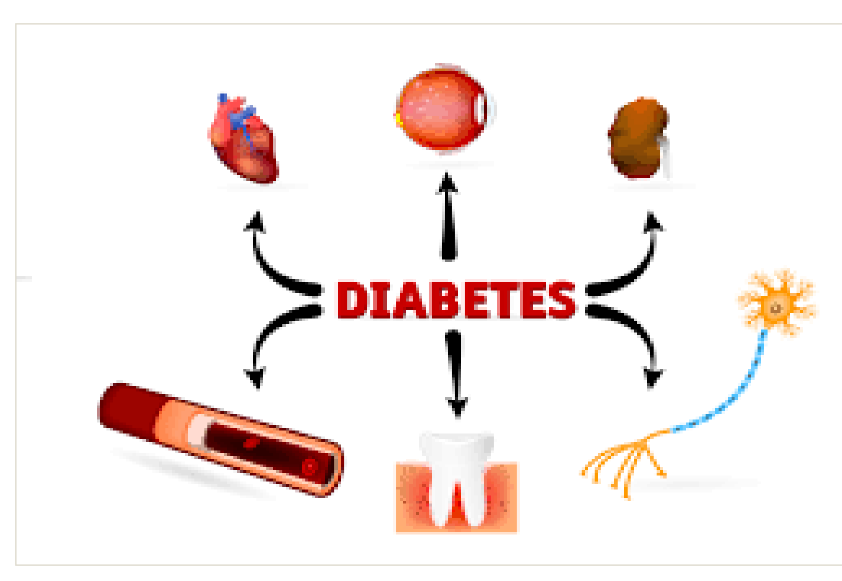

**जितेन्द्र कुमार सिन्हा**
**लेखक**

मधुमेह (डायबिटीज) को आमतौर पर एक ऐसी बीमारी माना जाता है जो केवल ब्लड शुगर (रक्त शर्करा) के स्तर को प्रभावित करता है। लेकिन हाल के अध्ययनों और शोधों से जो तथ्य सामने आया हैं, वह बेहद चौंकाने वाला और गंभीर चिंता का विषय हैं। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में हुए एक ताजा शोध के अनुसार, मधुमेह केवल इंसुलिन या शुगर का खेल नहीं है, बल्कि यह शरीर के लगभग हर अंग पर गहरा प्रभाव डालता है विशेषकर हड्डियों और जोड़ों पर। इस शोध ने साफ किया कि 35.5% मधुमेह रोगी हड्डी और जोड़ संबंधी बीमारियों से जूझ रहे हैं। इनमें फ्रोजन शोल्डर, चारकोट जॉइंट, घुटनों में दर्द जैसी स्थितियां शामिल हैं। इसका सीधा अर्थ है कि डायबिटीज की वजह से हड्डियाँ अंदर ही अंदर खोखली हो रही हैं, जिससे फ्रैक्चर का खतरा कई गुना बढ़ गया है। जब कोई मधुमेह रोगी ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित नहीं रख पाता है, तो इसका असर सिर्फ आँखों, गुर्दों और दिल तक सीमित नहीं रहता है, बल्कि यह हड्डियों की मजबूती को भी प्रभावित करता है। इंसुलिन की कमी, लंबे समय तक हाई ब्लड शुगर और न्यूरोपैथी जैसी स्थितियाँ हड्डियों की बनावट को नुकसान पहुंचाती हैं। मधुमेह की वजह से हड्डियाँ अधिक लचीली, कमजोर और भंगुर हो जाती हैं। पीबीएम अस्पताल, बीकानेर के डॉ. सुरेन्द्र कुमार वर्मा एवं डॉ. हारुन शाह के नेतृत्व में हाल ही के महीने में डायबिटिक केयर एंड रिसर्च सेंटर शोध में 400 मधुमेह मरीजों को शामिल किया गया था, जिनमें से 35.5% में हड्डी और जोड़ों से जुड़ी समस्याएँ पाई गईं। शोध का निष्कर्ष है फ्रोजन शोल्डर 8%, चारकोट जॉइंट 3.5%, घुटनों और जोड़ों का दर्द 12.25% और एचबीए1सी स्तर 9.59 औसत (जो बहुत अधिक है)। इस शोध ने स्पष्ट किया कि जिन रोगियों का शुगर नियंत्रण बेहद खराब था, उनमें हड्डियों की कमजोरी और फ्रैक्चर की संभावना कई गुना अधिक देखी गई। इंसुलिन को आम तौर पर ब्लड शुगर कंट्रोल करने वाला हार्मोन माना जाता है। लेकिन हड्डियों के स्वास्थ्य में इसकी अहम भूमिका है। इंसुलिन ऑस्टियोब्लास्ट नामक कोशिकाओं को सक्रिय करता है, जो हड्डियों के निर्माण और मरम्मत का कार्य करती हैं। जब शरीर में इंसुलिन की कमी होती है, तो हड्डियों के निर्माण की गति धीमी हो जाती है और वे कमजोर होने लगता है। मधुमेह की एक प्रमुख जटिलता डायबिटिक न्यूरोपैथी होती है, जिसमें नसें कमजोर हो जाती हैं। इसका असर यह होता है कि मरीज को अपने शरीर का संतुलन बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। चलते-चलते अचानक गिर जाना या संतुलन खोना आम बात बन जाता है, जिससे फ्रैक्चर होने की आशंका बढ़ जाता है, खासकर बुजुर्गों में। शोध में कई प्रमुख कारक सामने आए हैं, जिनसे मधुमेह मरीजों की हड्डियाँ कमजोर हो रही हैं। ब्लड शुगर का असंतुलन के कारण हड्डी कोशिकाएं क्षतिग्रस्त होती हैं, इंसुलिन की कमी के कारण हड्डियों का निर्माण रुकता है, विटामिन ऊकी कमी के कारण कैल्शियम का अवशोषण नहीं होता है, न्यूरोपैथी के कारण संतुलन बिगड़ता है, गिरने का खतरा बढ़ जाता है, रीनल डिसफंक्शन के कारण हड्डी में मिनरल कम होने लगता है, मोटापा और गतिहीन जीवनशैली के कारण घुटनों और जोड़ों पर अतिरिक्त भार बढ़ जाता है। इस अध्ययन में 20 से 60 वर्ष की आयु के मधुमेह मरीजों को शामिल किया गया था। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से, 35 से 45 वर्ष की आयु वर्ग सबसे अधिक प्रभावित पया गया। इसका मतलब यह है कि हड्डी और जोड़ से जुड़ी जटिलताएँ अब मध्यम आयु वर्ग के लोगों को भी तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है, जो पहले केवल बुजुर्गों तक सीमित माना जाता था। चारकोट जॉइंट एक दुर्लभ लेकिन गंभीर स्थिति है जो मधुमेह मरीजों में देखने को मिलती है। इसमें पैर या टखने के जोड़ों की हड्डियाँ धीरे-धीरे टूटने लगती हैं और मरीज को पता भी नहीं चलता। यह स्थिति इतनी गंभीर होती है कि कभी-कभी अंग कटवाना भी पड़ सकता है। डायबिटीज और ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डियों की कमजोरी) का संबंध पिछले कुछ वर्षों में अधिक स्पष्ट हुआ है। खासतौर पर टाइप 1 डायबिटीज से ग्रसित मरीजों में हड्डी का घनत्व (इङ्गल्ली द्रल्ली१’ ऊेल्ल३३८) बहुत तेजी से घटता है। वहीं टाइप 2 डायबिटीज वाले मरीजों में हड्डी घनत्व बना रहता है, लेकिन हड्डियों की गुणवत्ता खराब हो जाती है। हर मधुमेह रोगी को समय-समय पर हड्डियों की जाँच करवानी चाहिए। इसके लिए कुछ विशेष परीक्षण उपलब्ध हैं। वह है ऊए अ स्कैन- हड्डियों का घनत्व जांचने का सबसे प्रभावी तरीका। एचबीए1सी जांच- ब्लड शुगर का औसत स्तर जानने के लिए। विटामिन ऊऔर कैल्शियम स्तर की जांच तथा फुट स्कैनिंग और गैट एनालिसिस। नियमित ब्लड शुगर मॉनिटरिंग करना चाहिए। डाइट, दवाइयां और व्यायाम को संतुलित करना चाहिए। कैल्शियम और विटामिन ऊका सेवन बढ़ाना चाहिए, इसके लिए डाइट में दूध, दही, हरी पत्तेदार सब्जियाँ, बादाम, अंडे और धूप शामिल करना होता है। व्यायाम करना चाहिए इसमें हल्के वेट ट्रेनिंग और वॉकिंग हड्डियों को मजबूत बनाती है। धूम्रपान और शराब से दूरी बनाना चाहिए ये दोनों तत्व हड्डियों की बनावट को बिगाड़ता है। साल में एक बार हड्डियों की जांच जरूर कराना चाहिए खासतौर पर अगर उम्र 40 पार कर चुका हो। डॉ. सुरेन्द्र वर्मा कहते हैं कि मधुमेह अब केवल शुगर की बीमारी नहीं रही। यह एक मल्टी-ऑर्गन डिसऑर्डर है।

# साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी कब और किन परिस्थितियों में की जाती है

**अंकित श्रीवास्तव**

साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किसी व्यक्ति की रहस्यमयी या संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मृत्यु, विशेषकर आत्महत्या के मामलों में, उसके मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक पहलुओं का विश्लेषण किया जाता है। इसका उद्देश्य यह समझना होता है कि मृतक ने आत्महत्या जैसा कदम क्यों उठाया। इस प्रक्रिया में मृत व्यक्ति के परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और जान-पहचान वालों से बातचीत की जाती है, उसकी मेडिकल और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी रिपोर्टों की जांच की जाती है, और जरूरत पड़ने पर उसकी व्यक्तिगत डायरी, सोशल मीडिया गतिविधियों या अन्य व्यवहारिक संकेतों का अध्ययन किया जाता है। साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी की जाती है ताकि यह पता चल सके कि मृतक किसी मानसिक बीमारी, तनाव, नशे की लत, पारिवारिक समस्याओं या किसी अन्य मनोवैज्ञानिक दबाव से तो नहीं जूझ रहा था। यह प्रक्रिया आत्महत्या और हत्या के बीच फर्क समझने, बीमा क्लेम की सत्यता जांचने, और कानून या न्यायिक मामलों में निर्णय लेने में भी मददगार होती है। इसके अलावा, यह मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े शोधों में भी अहम भूमिका निभाती है, जिससे आत्महत्या की घटनाओं को रोकने की दिशा में बेहतर नीतियाँ बनाई जा सकें। इस तरह, साइकोलॉजिकल ऑटोप्सी न केवल एक जांच प्रक्रिया है, बल्कि यह समाज को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व की ओर भी जागरूक करती है।

# रक्षाबंधन अर्थात भाई-बहन का त्योहार

रक्षाबंधन का त्यौहार श्रावण पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है । इसलिए इस दिन को राखी पूर्णिमा भी कहा जाता है । इस साल यह त्यौहार ९ अगस्त २०२५ को है । इस दिन बहन अपने भाई को प्रेम के प्रतीक के रूप में राखी बांधती है । राखी बांधने का उद्देश्य होता है, भाई का उत्कर्ष हो और भाई बहन की रक्षा करे । राखी बांधने पर भाई अपनी बहन को उपहार देकर आशीर्वाद देता है । सहस्त्रों वर्षों से चले आ रहे इस रक्षाबंधन त्यौहार का इतिहास, शास्त्र, राखी सिद्ध करने की पद्धति और इस त्यौहार का महत्त्व आगे इस लेख में दिया है । रक्षाबंधन ऐसे मनाएं ! भाई अपनी बहन के घर जाएं । राखी बांधने हेतु भाई को बैठने के लिए पीढा रखें । पीढे के चारों ओर रंगोली बनाएं । अब भाई एवं बहन दोनों एक-दूसरे की रक्षा के लिए देवताओंसे प्रार्थना करें । बहन भाई का औक्षण कर उसे निःस्वार्थ भाव से राखी बांधें । बहन भाई को कुमकुम का तिलक करें । बहन भाई की दाई कलाई पर राखी बांधे । राखी बांधने के उपरांत बहन भाई का औक्षण करें` इसमें प्रथम सोनेकी अंगूठी एवं सुपारीसे अर्धगोलाकार पद्धतिसे औक्षण करे एवं उसके उपरांत घीके निरांजनसे भाईकी अर्धगोलाकार पद्धतिसे ३ बार आरती उतारे । बहन ने भाई को नमस्कार कर उसका आशीर्वाद लें । यह त्योहार बहन-भाई के बीच का लेन-देन कम करने के लिए मनाया जाता है । बहन ने भाई को निःस्वार्थभाव से राखी बांधकर उसका आशीर्वाद लेने से बहन-भाई का लेन-देन न्यून होने में सहायता होती है । यदि भाई अपनी बहन को स्वेच्छा से कुछ देना चाहे, तो उसने सात्त्विक उपहार देना चाहिए । रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को शगुन के रूप में भेंट देता है । भेंट देने से एक-दूसरे की याद रहती है । बहन का भाई के प्रति जो प्रेम होता है, उसका मोल भाई कभी कर नहीं सकता; किन्तु बहन को प्रेम देकर वह उसे कुछ मात्रा में अल्प करने का प्रयास करता है । भाई उपहार जैसे स्थूल माध्यम द्वारा बहन के प्रति अपना प्रेम व्यक्त करता है । उपहार देते समय भाई के मन में ईश्वर के प्रति भाव होना चाहिए । इससे बहन को अधिक लाभ होता है । बहन ने भाई को उपहार मांगना नहीं चाहिए । यदि भाई स्वेच्छा से उपहार दे, तो बहन ने उपहार का स्विकार कर उसका सम्मान करना चाहिए; अन्यथा वह लेना टालना अधिक उचित होता है ।सात्त्विक वस्तुओं का किसी जीव पर संसारिक परिणाम नहीं होता । सात्त्विक वस्तु उपहार स्वरूप देने पर जीव को २० प्रतिशत तथा लेनेवाले जीव को १८ प्रतिशत लाभ होता है । सात्त्विक कृति करने पर लेन-देन अल्प होकर उससे नया लेन-देन उत्पन्न नहीं होता है । दोनों ने प्रार्थना करनी है । येन बद्धो बली राजा दानवेन्द्रो महाबलः । तेन त्वामपि बध्नामि रक्षे मा चल मा चल ।। अर्थ : महाबली एवं दानवेंद्र बलि राजा जिससे बद्ध हुआ, उसी रक्षा से मैं तुम्हें भी बांधती हूं । हे राखी (रक्षा), तुम अडिग रहना । रक्षाबंधन के दिन प्रत्येक भाई ईश्वर से प्रार्थना करें, ह्यमेरी बहन की रक्षा के साथ-साथ मुझसे समाज, राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा के लिए प्रयास हों । बहन अपने भाई के कल्याण हेतु प्रार्थना करें, तथा राष्ट्र एवं धर्म की रक्षा हेतु हम दोनोंसे प्रयास हों । ऐसी प्रार्थना करें । भाई को देवताओं की चित्रवाली राखियां ना बांधें । राखी के माध्यम से होनेवाला देवताओं का अनादर रोकें ! आजकल राखी पर अथवा देवताओं के चित्र होते हैं । राखी का उपयोग होने के उपरांत वह यहां-वहां बिखरी दिखाई देती हैं । यह एक प्रकार से देवता एवं धर्मप्रतीकों का अपमान है, जिससे पाप लगता है । इससे बचने के लिए राखी उतारने पर उसे जल में विसर्जित करनी चाहिए ! बहन ने भाई को राखी बांधते समय कोई अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए । आजकल बहनें अपने भाई को पहले ही उन्हें रक्षाबंधन के दिन क्या भेंट चाहिए यह बताकर रखती है, तथा वह मिलने के लिए हठ भी करती हैं । इस प्रकार मन में इच्छा अथवा अपेक्षा रखने पर बहन उस दिन मिलनेवाले आध्यात्मिक लाभ से वंचित होती है । क्योंकि रक्षाबंधन मनाने का उद्देश तो बहन-भाई के बीच का लेन-देन अल्प करना है । अपेक्षा रखकर भाई से वस्तु की प्राप्ति करने पर लेन-देन ३ गुना बढता है तथा आध्यात्मिक दृष्टि से १२ प्रतिशत हानि होती है । अपेक्षा के कारण उस दिन वातावरण में जो प्रेम तथा आनंद की तरंगें होती है, उसका लाभ नहीं मिल सकता है ।

## संक्षिप्त खबरें

### रेपपीड़िता 14 वर्षीय नाबालिग ने बच्चे को दिया जन्म, जेल में बंद है आरोपी

लखनऊ,। राजधानी के हजरतगंज स्थित झलकारी बाई अस्पताल में एक 14 साल की रेप पीड़िता ने बच्चे को जन्म दिया है। जानकारी के अनुसार मामला बीते 29 मई का है जब किशोरी के माता-पिता ने राजधानी के गोमती नगर विस्तार थाने में अपनी बेटी के रेप होने का मामला दर्ज कराया था जिसके बाद अब 8 अगस्त को किशोरी ने बच्चों को जन्म दिया है। बता दें की 29 मई को गोमती नगर विस्तार के रहने वाली एक किशोरी के माता-पिता ने अपनी बेटी के रेप का मामला अशोक नामक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज कराया था। इसके बाद 30 मई पुलिस ने आरोपी अशोक को दबोच कर जेल भेज दिया था। मामले में अशोक कहना है कि आरोपी के खिलाफ चार्ज सीट दायर हो चुकी है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। बुधवार को देर रात किया गया था भर्ती अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने बताया कि किशोरी को बुधवार रात 12 बजे गम्भीर हालात में परिजनों द्वारा भर्ती कराया गया था। जिसके बात डॉक्टरों की टीम ने रात 2 बजे उसका प्रसव कराया। बच्चे की नार्मल डिलीवरी थी। उसने बेटे को जन्म दिया है। फिलहाल दोनों की हालत स्थिर है। दोनों अस्पताल में भर्ती हैं।

### पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाला रीलबाज अनस गिरफ्तार

बुलंदशहर,। यूपी के बुलंदशहर में पाकिस्तान जिंदाबाद और पीएम मोदी को अपशब्द कहते हुए मुस्लिम युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है,एसपी सिटी शंकर प्रशाद ने बताया किवीडियो वायरल होते ही पुलिस एक्शन में आई और वीडियो में दिख रहे युवक अनस को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अग्रिम विधिक कार्रवाई में जुटी है। रील बाजी के चक्कर में कर डाला राष्ट्रविरोधी कार्य! बुलन्दशहर में गैर संप्रदाय के एक भारतीय युवक द्वारा पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने और प्रधानमंत्री को लेकर अपशब्द बोलने का देश विरोधी वीडियो वायरल हो रहा है। जिससे राष्ट्रवादी, हिंदूवादी और भाजपा कार्यकताओं में रोष व्याप्त है। भाजपा जिला अध्यक्ष विकास चौहान ने इसे राष्ट्रविरोधी मानसिकता का परिचायक बताते हुए कहा कि जो भारत में रहेगा, भारत की बात करेगा भी भारतीय हो सकता है, पिकस्टन जिंदाबाद के नारे लगाने वालों को भारत छोड़ देना चाहिए। हालांकि मामले को लेकर पुलिस ने तत्परता दिखाई । एसपी सिटी शंकर प्रशाद ने बताया कि वीडियो पुराना है , हालांकि वायरल वीडियो में दिख रहे युवक की पहचान अनस निवासी चरोरा मुस्तफाबाद के रूप में हुई है, जिसे औरंगाबाद थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बता दें कि पूर्व में एसएसपी दिनेश कुमार सिंह रील बनाने के चक्कर में राष्ट्रविरोधी कार्य न करने की अपील कर चुके हैं। मगर रीलबाज युवा है कि फेमस होने के चक्कर में जेल जा रहे है। पिछले एक साल में एक दर्जन से अधिक युवा रील बाजी के चक्कर में सलाखों के पीछे जा चुके है।

### चाइनीज मांझा बना जानलेवाः बाइक सवार युवक की गर्दन कटी, एसडीएम बोलीं- बिक्री करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

हापुड़,। जिला प्रशासन द्वारा चाइनीज मांझे की बिक्री पर प्रतिबंध और पकड़े जाने पर कार्रवाई के दावे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत यह है कि बाजारों में इसकी बिक्री बेखौफ जारी है। इसी लापरवाही का खामियाजा गुरुवार देर शाम एक युवक को भुगतना पड़ा, जब चाइनीज मांझे की धार ने उसकी गर्दन काट दी। हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी जान पर बन आई। कैसे हुआ हादसा जानकारी के अनुसार, हैदर नगर निवासी नदीम गालंद गांव में नौकरी करता है। गुरुवार देर शाम वह रोज की तरह बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग-9 स्थित छिजारसी टोल प्लाजा से पहले पहुंचा, अचानक सड़क पर लटक रहे चाइनीज मांझे की धारदार डोर उसकी गर्दन से टकरा गई। मांझा इतनी तेजी से गर्दन में लिपटा कि गहरा कट लग गया और वह लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों ने बचाई जान मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत नदीम को उठाया और आनन-फानन में निजी अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने उसकी गर्दन पर चार टांके लगाए और प्राथमिक उपचार के बाद भर्ती कर लिया। सूचना मिलने पर परिजन भी अस्पताल पहुंचे। शुक्रवार सुबह हालत स्थिर होने पर चिकित्सकों ने उसे घर भेज दिया। लोगों में बढ़ा रोष, व्यापार मंडल ने उठाई मांग हादसे के बाद स्थानीय लोगों और व्यापारियों में रोष है। संयुक्त उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष संजय बंसल ह्यअकेलाह्न ने कहा कि पहले पतंगबाजी एक सुरक्षित शौक था, लेकिन चाइनीज मांझा इसे जानलेवा बना रहा है। आए दिन लोग इस खतरनाक डोर की चपेट में आकर घायल हो रहे हैं।

## लखनऊः रक्षाबंधन से पहले यूपी में महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का तोहफा, आज से तीन दिनों तक मिलेगी सुविधा

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ,। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने महिलाओं के लिए एक खास सौगात दी है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा की सुविधा प्रदान करने का ऐलान किया है। यह सुविधा 9 अगस्त की सुबह 6 बजे से 10 अगस्त की रात 12 बजे तक लागू रहेगी। इस दौरान महिलाएं राज्य परिवहन की सभी बसों में मुफ्त यात्रा कर सकेंगी। इस योजना के तहत न केवल महिलाएं, बल्कि उनके साथ एक सहयात्री भी मुफ्त में यात्रा कर सकेगा। यह पहल रक्षाबंधन के त्योहार को और खास बनाने के लिए की गई है, ताकि महिलाएं अपने भाइयों और परिवारजनों से मिलने के लिए आसानी से यात्रा कर सकें। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के अधिकारियों ने बताया कि यह सुविधा सभी प्रकार की बसों, जैसे साधारण, एसी, और जनरथ बसों में उपलब्ध होगी। यात्रा के दौरान किसी भी तरह के टिकट की आवश्यकता नहीं होगी। महिलाओं को बस में चढ़ते समय अपनी पहचान सत्यापित करने के लिए कोई दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं होगी, जिससे यात्रा और भी सुगम होगी। इससे पहले, चार अगस्त को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यह ऐलान कर दिया था कि उनकी सरकार रक्षाबंधन बंधन के मौके पर प्रदेश की बहन-बेटियों को बस का मुफ्त सफर देने जा रही है। यह कदम रक्षाबंधन को देखते हुए उठाया जा रहा है, ताकि उन्हें अपने भाई के घर में जाने में किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं होगी। सीएम योगी ने स्पष्ट किया था कि हमारी सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि रक्षाबंधन के मौके पर प्रदेश की बहन-बेटियों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हो। बता दें कि रक्षाबंधन के मौके पर बस का मुफ्त सफर देने की शुरूआत साल 2017 में हुई थी, जिसका सिलसिला अब तक जारी है। प्रदेश सरकार के मुताबिक, 1.23 करोड़ महिलाएं इसका फायदा उठा चुकी हैं। वहीं, इस दौरान परिवहन निगम ने टिकटों के रूप में 101 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च खुद वहन किया। साथ ही, परिवहन निगम ने सभी बस चालकों और परिचालकों को निर्देश दिए हैं कि वे इस अवधि में महिलाओं और उनके सहयात्रियों को पूरी सुविधा और सम्मान के साथ यात्रा कराएं।

## काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी समारोह में शहीदों को किया नमन, प्रदर्शनी का हुआ उद्घाटन्ग

प्रात : किरण संवाददाता

मथुरा,। मथुरा, काकोरी ट्रेन एक्शन की शताब्दी के अवसर पर लखनऊ मं आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार मथुरा में देखा गया। इस दौरान माननीय महापौर विनोद अग्रवाल, विधायक बल्देव पूरन प्रकाश, मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व पंकज कुमार वर्मा, परियोजना निदेशक अरुण कुमार, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, डीसी मनरेगा विजय कुमार पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी प्रशांत कुमार सुचारी सहित कलेक्ट्रेट के विभिन्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।कलेक्ट्रेट सभागार परिसर में काकोरी ट्रेन एक्शन से संबंधित प्रदर्शनी का उद्घाटन महापौर विनोद अग्रवाल और विधायक पूरन प्रकाश ने फीता काटकर किया। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और शहीदों के बलिदान को नमन किया। भारत मां के वीर सपूतों को नमन करने का दिन महापौर श्री अग्रवाल ने कहा कि 9 अगस्त का दिन भारत मां के वीर सपूतों को नमन करने का दिन है। शहीदों ने हमें आजादी दिलाने के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए। यह कार्यक्रम उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और भावी पीढ़ी को प्रेरित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि हमें क्रांतिकारियों से राष्ट्र प्रथम की भावना सीखनी चाहिए। 9 अगस्त 1942 को गांधी जी के अंग्रेजों भारत छोड़ो आह्वान ने स्वतंत्रता संग्राम को नई दिशा दी। भावी पीढ़ी को यह जानना आवश्यक है कि कितने बलिदानों के बाद आजादी मिली है। हर घर तिरंगा अभियान मुख्य विकास अधिकारी मनीष मीना ने कहा कि राष्ट्र प्रेम की भावना को मजबूत करने के लिए 13 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा अभियान चलाया जाएगा।

## शामली में पति की हत्या में पत्नी सहित तीन लोग गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरनगर। शामली जिले में बृहस्पतिवार को प्रेम प्रसंग के चलते 28 वर्षीय एक व्यक्ति की उसकी पत्नी की मदद से दो लोगों ने चाकू घोपकर हत्या कर दी। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान शाहनवाज के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक राम सेवक गौतम ने शुक्रवार को संवाददाताओं को बताया कि पुलिस ने मृतक की पत्नी की शिकायत पर अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पता चला कि मृतक का चचेरा भाई तसव्वर, उसका दोस्त शोएब और मृतक की पत्नी मफरीन हत्या में शामिल थे और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान यह भी पता चला कि मफरीन (शाहनवाज की पत्नी) के तसव्वर के साथ अवैध संबंध थे और शाहनवाज उनके रिश्ते का विरोध करता था। मृतक की पत्नी ने पुलिस में दर्ज कराई शिकायत में आरोप लगाया था कि बृहस्पतिवार को शामली जिले के कैराना थाना क्षेत्र के खुरगान रोड पर लूटपाट का विरोध करने पर कुछ बदमाशों ने उसके पति की चाकू घोपकर हत्या कर दी। हालांकि, जांच के दौरान यह आरोप झूठा पाया गया। पुलिस ने बताया कि हत्या के मामले में मृतक के चचेरे भाई तसव्वर (25), शोएब (22) और मफरीन (26) को गिरफ्तार किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

### न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार के मामले में एक पूर्ण बैठक बुलाने का आग्रह

प्रात : किरण संवाददाता

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के एक समूह ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को निशाना बनाने वाले उच्चतम न्यायालय के हाल के आदेश को लेकर मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली से एक पूर्ण बैठक (फुल कोर्ट मीटिंग) आहूत करने का आग्रह किया है। न्यायमूर्ति अरिंदम सिन्हा द्वारा लिखे इस पत्र में उच्चतम न्यायालय द्वारा चार अगस्त, 2025 को पारित आदेश को लेकर खेद व्यक्त किया गया है। इस पत्र पर सात न्यायाधीशों ने हस्ताक्षर किए हैं। उच्चतम न्यायालय ने चार अगस्त को दिए अपने निर्णय में न्यायमूर्ति कुमार के न्यायिक तर्क को लेकर गंभीर टिप्पणी की थी और उच्च न्यायालय प्रशासन को उन्हें आपराधिक रोस्टर से हटाने का निर्देश दिया था। साथ ही उच्चतम न्यायालय ने न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को उनकी सेवानिवृत्ति तक एक वरिष्ठ न्यायाधीश के साथ एक खंडपीठ में रखने को भी कहा था।

## राखी के त्योहार पर घर की बनी मिठाइयों का करें सेवन रहेंगे स्वस्थ बाजार में मिल रही हैं मिलावटी मिठाइयां

प्रात : किरण संवाददाता

श्रावस्ती,। रक्षाबंधन का पर्व इस बार शनिवार को धूमधाम से मनाया जाएगा। यह भाई-बहन के प्यार और स्नेह का प्रतीक पर्व है, जिसका हर किसी को बेसब्री से इंतजार रहता है। इस दिन तरह-तरह के पकवान और मिठाइयां बनाई जाती हैं।इस अवसर पर बाजारों में रंग-बिरंगी और खूबसूरत मिठाइयों की भरमार देखी जा रही है। गिलौला बाजार, लक्ष्मण नगर, इकौना बाजार, कटरा बाजार, जमुनहा बाजार, सिरसिया नगर और भिनगा समेत श्रावस्ती के विभिन्न बाजारों में मिठाई दुकानदारों ने रक्षाबंधन के लिए खास तैयारियां की हैं। दुकानों पर ब्रांडेड कंपनियों की पैकिंग वाली मिठाइयां और गिफ्ट पैक भी उपलब्ध हैं। नकली मिठाइयों से रहें सावधान त्योहारों के मौसम में मिठाइयों की मांग तेजी से बढ़ जाती है, जिसका फायदा उठाकर कई दुकानदार नकली और मिलावटी मिठाइयों की बिक्री करने लगते हैं। खासतौर पर दूध और खोया से बनी मिठाइयों में सबसे ज्यादा मिलावट की जाती है। इसलिए खोया, छेना, रसमलाई, काजू कतली, पान गिलौरी, बेसन लड्डू, बर्फी, मेवा मिक्स कतली, पेठा आदि मिठाइयों को खरीदते समय सावधानी बरतें घर की बनी मिठाइयां होंगी बेहतर विकल्प डॉक्टरों और विशेषज्ञों की सलाह है कि त्योहारों पर घर की बनी मिठाइयों का सेवन करना स्वास्थ्य के लिए ज्यादा सुरक्षित होता है। नकली मिठाइयों में खतरनाक केमिकल और रंगों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे पेट संबंधी रोग, एलर्जी, फूड पॉयजनिंग और अन्य गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। खाद्य विभाग ने शुरू की जांच खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग (एसएसएसएआई) के सहायक आयुक्त ने बताया कि बाजारों से संदिग्ध मिठाइयों के नमूने लिए जा रहे हैं, जिन्हें जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा जा रहा है। रिपोर्ट में यदि मिलावट की पुष्टि होती है, तो संबंधित दुकानदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मिठाई विक्रेताओं का दावा स्थानीय मिठाई विक्रेताओं जैसे सुरेश कुमार, दीपक वर्मा, शिव कुमार, नन्हे हलवाई और पृथ्वीपाल गुप्ता का कहना है कि इस बार मिठाइयों की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया गया है। ग्राहकों की पसंद के अनुसार ताजगी और स्वाद का ध्यान रखते हुए मिठाइयां तैयार की गई हैं।

## कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर अवैध गांजा के साथ युवक गिरफ्तार

कानपुर,। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की संयुक्त कार्रवाई में एक युवक को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 के दिल्ली छोर पर की गई।पुलिस टीम ने हैरिस गंज ब्रिज के पास लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक संदिग्ध युवक को दो पिट्ठू बैग के साथ देखा। पूछताछ के दौरान युवक संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। जब उसके बैग की तलाशी ली गई, तो उसमें से 8 किलो 207 ग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपी की पहचान किशन चतुर्वेदी के रूप में हुई है, जिसकी उम्र 26 वर्ष है। वह बृजेश चंद का पुत्र है और उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के करहल थाना क्षेत्र के काजीपुर मोहल्ले का निवासी है।पुलिस के अनुसार, बरामद गांजा की अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1.5 लाख रुपये है। आरोपी के खिलाफ अपराध संख्या 328/25 के तहत ठउ्ढर एक्ट की धारा 8/20 में मामला दर्ज किया गया है। फिलहाल जांच अधिकारी मामले की गहराई से छानबीन कर रहे हैं। स्टेशन पर सख्त निगरानी, लगातार चल रही है चेकिंग कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी अभियान चला रही हैं। स्टेशन परिसर और आसपास के क्षेत्रों में नियमित रूप से चेकिंग अभियान चलाए जाते हैं। इसके अलावा, जीआरपी पुलिस द्वारा ट्रेनों के भीतर भी लगेज चेकिंग अभियान बीते कुछ हफ्तों से लगातार चलाया जा रहा है। बीते एक माह में मादक पदार्थों की तस्करी के कई मामले पकड़े गए हैं। अवैध शराब की तस्करी में लिप्त आरोपियों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके पास से शराब बरामद की है।जीआरपी और आरपीएफ अधिकारियों का कहना है कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा, ताकि स्टेशन परिसर को नशामुक्त और सुरक्षित बनाया जा सके।

### गऊ सेवा से मनाया जन्मदिन, मां की पुण्यतिथि पर विनीत शारदा हुए भावुक बोले, राष्ट्र माता हैं गाय, सेवा है धर्म

मेरठ,। राजनीति में जहां लोग अपने जन्मदिन को शक्ति प्रदर्शन और मंच सजाकर मनाते हैं, वहीं भाजपा के तेजतर्रार नेता विनीत अग्रवाल शारदा ने आज अपनी माता स्व. श्रीमती संतोष रानी की प्रथम पुण्यतिथि और अपने जन्मदिवस को अनूठे अंदाज में मनाकर समाज को नई राह दिखाई।शुक्रवार दोपहर वे परतापुर स्थित कान्हा उपवन गौशाला पहुंचे, जहां उन्होंने गऊ माता की सेवा कर मां की स्मृति को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। न केवल उन्होंने गायों को हरा चारा, गुड़, केला और मिष्ठान अर्पित किया, बल्कि तिलक लगाकर पूजन भी किया। निरीक्षण के दौरान विनीत शारदा पूरी तरह सक्रिय दिखे। उन्होंने पानी की टंकी से लेकर भोजन की गुणवत्ता तक का गहन परीक्षण किया। स्वयं आचमन कर पानी की स्थिति जानी और जब खामियां मिलीं, तो गौशाला प्रबंधन को फौरन सुधार के निर्देश दिए।

## कमिश्नरी घेराव की रणनीति तयः मेरठ में भाकियू की पंचायत में गरजे किसान, बोले- अब आरपार की लड़ाई

मेरठ,। भारतीय किसान यूनियन की मेरठ तहसील इकाई की समीक्षा पंचायत शुक्रवार को भोला झाल में हुई, जिसमें किसान प्रतिनिधियों ने आगामी 11 अगस्त को कमिश्नरी घेराव और ट्रैक्टर तिरंगा मार्च को लेकर एकजुटता दिखाई। पंचायत में मेरठ तहसील से जुड़े तमाम ग्राम अध्यक्ष, ब्लॉक अध्यक्ष और संगठन के जिम्मेदार पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक की अध्यक्षता सतबीर सिंह और संचालन मोनू टिकरी ने किया, जबकि समीक्षा की जिम्मेदारी जिलाध्यक्ष अनुराग चौधरी ने निभाई। पंचायत में यह तय किया गया कि किसान विरोधी माने जा रहे स्मार्ट मीटर, ट्यूबवेल मीटर और लंबे समय से लंबित गन्ना भुगतान समेत कुल 150 समस्याओं को लेकर आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। ट्रैक्टर तिरंगा मार्च के रूप में निकलेंगे और कमिश्नरी का घेराव करेंगे जिलाध्यक्ष चौधरी ने कहा कि मेरठ तहसील से कम से कम 1200 ट्रैक्टर किसान लेकर कंकरखेड़ा से ट्रैक्टर तिरंगा मार्च के रूप में निकलेंगे और कमिश्नरी का घेराव करेंगे। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को आंदोलन की जिम्मेदारियां सौंपते हुए कहा कि यह आंदोलन सिर्फ बिजली या पानी का नहीं, बल्कि किसान की अस्मिता और अधिकारों का है। बैठक में हाल ही में दिवंगत पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक को भी याद किया गया। कार्यकताओं ने दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। जिलाध्यक्ष ने उन्हें किसानों का अपना आदमी बताते हुए यह भी कहा कि राजकीय सम्मान न देना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बैठक में पप्पू भदौड़ा, बबलू, हर्ष चहल, शैलेश गुर्जर, प्रमोद, भोपाल, मेजर चिंदौड़ी, लोकेंद्र, चिंकू, नवीन, सुनील, सत्येंद्र पुनिया, विनोद, हरीश, डीके समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल हुए।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND DOES NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOR FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION, DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA.

INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE MAIN BOARD OF THE BSE LIMITED ("BSE") AND NATIONAL STOCK EXCHANGE OF INDIA LIMITED ("NSE" AND TOGETHER WITH BSE , THE "STOCK EXCHANGES") IN COMPLIANCE WITH CHAPTER II OF THE SECURITIES AND EXCHANGE BAORD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL DISCLOSURES REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED.

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Please scan this QR Code to view the DRHP)

TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED

Our Company was originally incorporated as 'Technocraft Construction Private Limited' a private limited company under the Companies Act, 1956, pursuant to a certificate of incorporation dated October 21, 1998, issued by the Registrar of Companies, NCT of Delhi and Haryana. Thereafter, the name of our Company was changed from 'Technocraft Construction Private Limited' to 'Technocraft Ventures Private Limited' pursuant to a board resolution dated January 08, 2024, and a special resolution passed by our Shareholders on January 10, 2024, and a fresh certificate of incorporation dated February 09, 2024, was issued pursuant to change of name, by the Registrar of Companies NCT of Delhi and Haryana Subsequently, our Company was converted into a public limited company pursuant to a resolution passed by our Board of Directors dated February 16, 2024, and a special resolution passed by our Shareholders on March 13, 2024. Consequently, the name of our Company was changed to 'Technocraft Ventures Limited', and a fresh certificate of incorporation was issued to our Company by the Registrar of Companies, Central Processing Centre, on June 11, 2024. The CIN of the Company is U70101DL1998PLC096763. For further details, kindly refer *"Our History and Certain Corporate Matters – Brief History of our Company"* beginning on page 297 of the Draft Red Herring prospectus dated August 08, 2025 ("DRHP").

**Registered Office :** S 553/54, Ground Floor, School Block, Shakarpur, New Delhi-110092, India, **Corporate Office :** B-137, Sector-2 Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, India, **Contact Person :** Saket Surolia, Company Secretary and Compliance Officer; **Tel :** +91 921125228 **Email :** compliance@technocraftventures.com; **Website :** www.technocraftventures.com; **Corporate Identity Number :** U70101DL1998PLC096763

PROMOTERS OF OUR COMPANY : SANJAY TYAGI, REKHA TYAGI, KARTIKEY TYAGI, KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) AND SANJAY TYAGI HUF

**INITIAL PUBLIC OFFERING OF UP TO 11,881,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH ("EQUITY SHARES") OF TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED ("OUR COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE ("OFFER PRICE") (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE) AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION (THE "OFFER"). THE OFFER COMPRISES OF A FRESH ISSUE OF UP TO 9,505,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 10 EACH AGGREGATING UP TO ₹ [●] MILLION BY OUR COMPANY (THE "FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UP TO 2,376,000 EQUITY SHARES BY KARTIKEY CONSTRUCTIONS (PARTNERSHIP FIRM) (THE "PROMOTER SELLING SHAREHOLDER") AND REFERRED TO AS, THE "SELLING SHAREHOLDER" (THE "OFFER FOR SALE"). THE OFFER WOULD CONSTITUTE [●]% OF OUR POST-OFFER PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL.**

**THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES IS ₹ 10 EACH AND THE OFFER PRICE IS [●] TIMES THE FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES. THE PRICE BAND AND THE MINIMUM BID LOT SIZE WILL BE DECIDED BY OUR COMPANY, IN CONSULTATION WITH THE BOOK RUNNING LEAD MANAGER AND WILL BE ADVERTISED IN ALL EDITIONS OF [●] (A WIDELY CIRCULATED ENGLISH NATIONAL DAILY NEWSPAPER), ALL EDITIONS OF [●] (AWIDELY CIRCULATED HINDI NATIONAL DAILY NEWSPAPER) AND [●] EDITION OF [●] (A HINDI NEWS PAPER WITH WIDE CIRCULATION IN DELHI, HINDI BEING THE REGIONAL LANGUAGE OF DELHI, WHERE OUR REGISTERED OFFICE IS LOCATED), AT LEAST 2 WORKING DAYS PRIOR TO THE BID/OFFER OPENING DATE AND SHALL BE MADE AVAILABLE TO THE STOCK EXCHANGES FOR THE PURPOSE OF UPLOADING ON THEIR RESPECTIVE WEBSITES, IN ACCORDANCE WITH THE SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA (ISSUE OF CAPITAL AND DISCLOSURE REQUIREMENTS) REGULATIONS, 2018, AS AMENDED (THE "SEBI ICDR REGULATIONS").**

In case of any revision in the Price Band, the Bid/ Offer Period shall be extended for at least three additional Working Days after such revision of the Price Band, subject to the total Bid/ Offer Period not exceeding 10 Working Days. In cases of force majeure, banking strike or similar circumstances, our Company in consultation with the BRLM, for reasons to be recorded in writing, extend the Bid / Offer Period for a minimum of One Working Day, subject to the Bid/ Offer Period not exceeding 10 Working Days. Any revision in the Price Band, and the revised Bid/ Offer Period, if applicable, shall be widely disseminated by notification to the Stock Exchanges by issuing a public notice and also by indicating the change on the respective websites of the BRLM and at the terminals of the members of the Syndicate and by intimation to Designated Intermediaries and Sponsor Bank(s), as applicable.

The Offer is being made in terms of Rule 19(2)(b) of the Securities Contracts (Regulation) Rules, 1957, as amended (the "SCRR"), read with Regulation 31 of the SEBI ICDR Regulations. The Offer is being made in accordance with Regulation 6(1) of the SEBI ICDR Regulations, through the Book Building Process wherein not more than 50% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Qualified Institutional Buyers ("QIBs") (such portion referred to as "QIB Portion"), provided that our Company in consultation with the BRLM may allocate up to 60% of the QIB Portion to Anchor Investors on a discretionary basis in accordance with the SEBI ICDR Regulations (the "Anchor Investor Portion"), out of which one-third shall be reserved for domestic Mutual Funds only, subject to valid Bids being received from domestic Mutual Funds at or above the price at which allocation is made to Anchor Investors ("Anchor Investor Allocation Price"), in accordance with the SEBI ICDR Regulations. In the event of under-subscription or non-allocation in the Anchor Investor Portion, the balance Equity Shares shall be added to the QIB Portion (excluding the Anchor Investor Portion) (the "Net QIB Portion"). Further, 5% of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to Mutual Funds only, and the remainder of the Net QIB Portion shall be available for allocation on a proportionate basis to all QIB Bidders (other than Anchor Investors), including Mutual Funds, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. However, if the aggregate demand from Mutual Funds is less than 5% of the Net QIB Portion, the balance Equity Shares available for allocation in the Mutual Fund Portion will be added to the remaining Net QIB Portion for proportionate allocation to all QIBs. Further, not less than 15% of the Offer shall be available for allocation on a proportionate basis to Non-Institutional Investors out of which (a) one-third of such portion shall be reserved for applicants with application size of more than ₹2,00,000 and up to ₹10,00,000 ; and (b) two third of such portion shall be reserved for applicants with application size of more than ₹10,00,000, provided that the unsubscribed portion in either of such sub-categories may be allocated to applicants in the other sub-category of Non-Institutional Investors and not less than 35% of the Offer shall be available for allocation to Retail Individual Investors in accordance with the SEBI ICDR Regulations, subject to valid Bids being received at or above the Offer Price. All potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily use the Application Supported by Blocked Amount ("ASBA") process providing details of their respective ASBA accounts, and UPI ID in case of UPI Bidders, if applicable, in which the corresponding Bid Amounts will be blocked by the SCSBs or by the Sponsor Bank(s) under the UPI Mechanism, as applicable, to the extent of the respective Bid Amounts. Anchor Investors are not permitted to participate in the Offer through the ASBA process. For further details, kindly refer '*Offer Procedure*' beginning on page 520 of the Draft Red Herring prospectus.

This public announcement is being made in compliance with the provisions of regulation 26(2) of the SEBI ICDR Regulations to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated August 08, 2025 with the Securities and Exchange Board of India **("SEBI")** on August 08, 2025.

Pursuant to Regulation 26(1) of SEBI ICDR Regulations, the Draft Red Herring Prospectus filed with SEBI shall be made public for comments, if any, for a period of at least 21 (twenty one) days from the date of such filing, by hosting it on the websites of SEBI at www.sebi.gov.in, the BRLM at www.khambattasecurities.com, our Company at www.technocraftventures.com, and the Stock Exchanges where the Equity Shares are proposed to be listed, i.e. BSE at www.bseindia.com and NSE at www.nseindia.com. Our Company hereby invites the public to give their comments on the DRHP filed with SEBI in respect of disclosures made in the Draft Red Herring Prospectus. The public is requested to send a copy of the comments sent to SEBI, to the Company Secretary and Compliance Officer of our Company and the BRLM at their respective addresses mentioned herein. All comments must be received by our Company or the BRLM in relation to the Offer on or before 5 p.m. on the 21st day from the aforementioned date of filing of the Draft Red Herring Prospectus with SEBI.

Investments in equity and equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in the Issue unless they can afford to take the risk of losing their entire investment. Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in the Issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of our Company and the Issue, including the risks involved. The Equity Shares in the Issue have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India ("SEBI"), nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the contents of this Draft Red Herring Prospectus. Specific attention of the investors is invited to "Risk Factors" on page 39 of the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP").

Any decision to invest in the equity shares described in the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP") may be made after a Red Herring Prospectus ("RHP") has been registered with the RoC and must be made solely on the basis of such RHP as there may be material changes in the RHP from the DRHP. The Equity shares, when offered through the RHP, are proposed to be listed on Stock Exchanges.

The liability of the members of our Company is limited by shares. For details of the main objects of our Company as contained in the Memorandum of Association, please see *"History and Certain Corporate Matters"* beginning on page 297 of the ("DRHP"). For details of the share capital and capital structure of our Company and the names of the signatories of the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them, please see *"Capital Structure"* beginning on page 100 of the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP").

| BOOK RUNNING LEAD MANAGER | REGISTRAR TO THE OFFER |
|---|---|
| **KHAMBATTA SECURITIES LIMITED**<br>806, World Trade Tower, Tower B, Noida Sector-16, Uttar Pradesh-201301, India<br>**Tel.:** +91 9953989693; 0120 4415469<br>**E-mail :** ipo@khambattasecurities.com<br>**Website:** www.khambattasecurities.com<br>**Investor grievance e-mail:** mbcomplaints@khambattasecurities.com<br>**Contact Person:** Chandan Mishra Shubhra<br>**SEBI Registration Number:** INM000011914 | **BIGSHARE SERVICES PRIVATE LIMITED**<br>Office No. S-62, 6th floor, Pinnacle Business Park, next to Ahura Centre, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Mumbai-400093<br>**Tel:** +91 22 6263 8200<br>**E-mail :** ipo@bigshareonline.com<br>**Website:** www.bigshareonline.com<br>**Investor grievance e-mail:** investor@bigshareonline.com<br>**Contact person:** Babu Rapheal C<br>**SEBI Registration No.:** INR000001385 |

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the Draft Red Herring Prospectus ("DRHP").

**For TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED**
On behalf of Board of Directors
**Sd/-**
**Saket Surolia**
Company Secretary and Compliance Officer

**Place : New Delhi**
**Date : August 08, 2025**

**TECHNOCRAFT VENTURES LIMITED** is proposing, subject to applicable statutory and regulatory and requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake an initial public offering of its Equity Shares and has filed the DRHP dated August 08, 2025 with SEBI on August 08, 2025. The DRHP shall be available on the website of SEBI at www.sebi.gov.in, NSE at www.nseindia.com, BSE at www.bseindia.com and the website of the BRLM at www.khambattasecurities.com and our Company at www.technocraftventures.com. Any potential investor should note that the investment in equity shares involves a high degree of risk and for details relating to risk, please see to the section titled "Risk Factors" of the RHP, when filed. Potential investors should not rely on the Draft Red Herring Prospectus filed with SEBI for making any investment decisions. Specific attention of the Investors is invited to "Risk Factors" beginning on page 39 of the DRHP.

*The Equity Shares offered have not been and will not be registered under the U. S. Securities Act, 1933, as amended **("U.S. Securities Act")** or any other applicable laws in the United States and, unless so registered, may not be offered or sold within the United States except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity shares are being offered and sold outside the United States in offshore transactions as defined in and in reliance on regulation S under the U. S. Securities Act and the applicable laws of the jurisdictions where those offers and sales are made. The Equity Shares have not been and will not be registered, listed or otherwise qualified in any other jurisdiction outside India and may not be issued or sold, and Bids may not be made by persons in any such jurisdiction, except in compliance with the applicable laws of such jurisdiction.*

FORTUNA + SHARK

# बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण, राहत रसोई की हुई शुरूआत

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर,। जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर ने आज तहसील सदर के बाढ़ग्रस्त ग्राम रावली एवं ब्रह्मपुरी का ट्रैक्टर से निरीक्षण किया और प्रभावित परिवारों को राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने मोटर बोट के माध्यम से मालन व गंगा नदी के जलस्तर का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ ज्वाइंट मजिस्ट्रेट स्मृति मिश्रा, उप जिलाधिकारी सदर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि रावली गांव में बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए निःशुल्क रसोई की व्यवस्था की गई है, जहां उन्हें ताजा भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ पीड़ितों को हर संभव सहायता दी जाए और किसी भी स्थिति में खाद्यान्न की कमी न होने पाए। साथ ही बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के लिए चारे की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। गंगा और मालन नदी के प्रवाह का जायजा लेने के बाद जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों से अपील की कि बढ़े हुए जलस्तर के दौरान पानी में न उतरें और न ही अपने मवेशियों को पानी में ले जाएं। राशन किट वितरण के दौरान उन्होंने प्रभावित लोगों को आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन उनके सहयोग और सहायता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

## नशे में युवक से मारपीट, बचाने आई पत्नी से अश्लीलता की

गाजियाबाद,। राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी की पार्किंग में नशे में धुत आरोपी ने गाली-गलौज के विरोध पर युवक से मारपीट कर दी। युवक की पत्नी बचाने आई तो आरोपी ने उसके साथ अश्लील हरकत की। पीड़ित महिला ने कोर्ट के आदेश पर आरोपी के खिलाफ नंदग्राम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाली महिला का कहना है कि पांच जुलाई की रात करीब नौ बजे वह देविका स्काईपर सोसाइटी में रहने वाले अपने चाचा के पास गई थीं। उनके साथ पति, चाची तथा बहन भी थीं। सोसाइटी के बेसमेंट में गाड़ी से उतरे तो वहां सोसाइटी का ही रहने वाला विकास कुमार पहले से मौजूद था। आरोप है कि नशे में धुत विकास उनके परिवार को देखते ही गाली-गलौज करने लगा। पति ने विरोध किया तो आरोपी ने उन्हें थप्पड़ जड़ दिए। महिला का कहना है कि उन्होंने पति को बचाने का प्रयास किया तो निकास ने उनके साथ अश्लील हकत की और हाथ पकड़कर खींचा। धक्का-मुक्की में विकास गिर गया, लेकिन उठकर उसने फिर से उनके परिजनों को गालियां देनी शुरू कर दीं। महिला के मुताबिक वह गर्भवती हैं। विकास ने उनके पेट में घूंसा मारा तो वह दर्द से चिल्लाने लगीं। शोर सुनकर सोसाइटी के अन्य लोग आए, जिन्होंने उन्हें आरोपी से बचाया। आरोप है कि डायल-11 पर फोन करने के बाद पहुंची पुलिस के सामने भी विकास ने खूब गालियां बकीं। उसने कहा कि पुलिस उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकती। पीड़िता के मुताबिक इसकी वीडियो भी उनके पास है। आरोप है कि पांच जुलाई को उन्होंने नंदग्राम थाने में शिकायत दी और उसके बाद उच्चाधिकारियों से भी गुहार लगाई, लेकिन आरोपी के प्रभाव में आकर पुलिस ने उनकी रिपोर्ट नहीं लिखी। जिसके चलते उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी। एसीपी नंदग्राम पूनम मिश्रा का कहना है कि कोर्ट के आदेश पर आठ अगस्त को विकास कुमार के खिलाफ नंदग्राम थाने में छेड़छाड़, मारपीट तथा धमकी का केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर आगामी कार्रवाई की जाएगी।

## संक्षिप्त खबरें

### पुलिसकर्मी से बहस करने वाले युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ग्रेटर नोएडा,। परी चौक पर ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर और कुछ युवकों के बीच बहस का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इस मामले में ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर से बहस करने वालों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर बीटा दो कोतवाली पुलिस के मुताबिक ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर देवेंद्र सिंह की शिकायत पर चंद्रहास भाटी, राजेश पंडित और सात अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ है। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर के मुताबिक उन्होंने परी चौक के पास बुधवार को बिना नंबर प्लेट लगी बाइक को जब्त किया था। इसी बात को लेकर कुछ युवक उनके पास पहुंचे और अभद्र व्यवहार किया। ट्रैफिक सब इंस्पेक्टर ने इन लोगों पर ड्यूटी के दौरान सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने और अभद्र व्यवहार करने का आरोप लगाया है। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

### जिले में 13 पंचायत सहायकों की नियुक्ति

गाजियाबाद,। जिले में पंचायत स्तर पर सेवाएं बेहतर करने के लिए 13 पंचायत सहायकों की नियुक्ति की गई है। इनकी नियुक्ति से ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलने मिलेगी। एडीपीआरओ विवेकानंद ने बताया कि 22 पंचायत सहायकों ने मार्च से लेकर अप्रैल महीने के बीच इस्तीफा दिए थे, जिससे ग्राम पंचायतों के कार्यालयों में कामकाज प्रभावित हो रहे थे। इसको देखते हुए शासन के निर्देशानुसार विभाग ने इनकी नियुक्ति के लिए आवेदन मांगे थे। आवेदन आने पर विभाग द्वारा इनकी प्रक्रिया पूर्ण कर शासन को भेजी गई। जिसके बाद इनको पांच अगस्त को नियुक्ति दी गई है। नौ ग्राम पंचायत लोनी ब्लॉक की एक ग्राम पंचायत, राजपुर ब्लॉक की दो ग्राम पंचायत, भोजपुरी ब्लॉक की तीन ग्राम पंचायत से आवेदन नहीं आए थे। जिस कारण इन पंचायतों में पंचायत सहायकों की नियुक्ति नहीं हो सकी। बता दें कि इन पंचायत सहायकों का कार्य ग्रामीण लोगों को सरकारी योजनाओं में आवेदन करना होता है। साथ ही जन्म व मृत्यु प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र और अन्य सरकारी दस्तावेजों के लिए आवेदन करना होता है।

### शराब के लिए पैसे न देने पर मारपीट

मोदीनगर,। गांव दतैड़ी में शराब के लिए पैसे ना देने पर युवक ने पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। गांव दतैड़ी निवासी महिला गीता अपने पति राहुल के साथ रहती है। गीता का आरोप है कि राहुल शराब पीने का आदी है। शराब के लिए पैसे ना देने पर आए दिन मारपीट करता है। गुरुवार रात को भी शराब के लिए पैसे ना देने पर मारपीट कर घायल कर दिया। महिला की तहरीर पर पुलिस ने राहुल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

### ठेकेदार पर कंपनी प्रबंधक को पीटने का आरोप

ग्रेटर नोएडा। प्रबंधक ने कंपनी में निर्माण कार्य करने वाले ठेकेदार पर रकम हड़पने का आरोप लगाया है। आरोप है कि रकम मांगने पर ठेकेदार ने अपनी साथियों के साथ मिलकर प्रबंधक के साथ मारपीट और फायरिंग भी की। न्यायालय के आदेश में पुलिस ने ठेकेदार और उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। कंपनी प्रबंधक गुरमीत सिंह ने न्यायालय को बताया कि कुछ दिनों पहले कंपनी में निर्माण कार्य के लिए ठेकेदार परिमल आनंद से पांच करोड़ बाइस लाख रुपये में सौदा तय हुआ था। प्रबंधक का आरोप है कि ठेकेदार एडवांस रकम लेकर बीच में काम छोड़कर भाग गया। उसके पास करीब 78 लाख रुपये अतिरिक्त पहुंच गए थे। प्रबंधक ने कंपनी की रकम वापस मांगी तो आरोपी ठेकेदार ने कंपनी मालिक को जान से मारने और झूठे केस में फंसाने की धमकी दी।

## केस वापस न लेने पर घर में घुसकर जानलेवा हमला किया

गाजियाबाद,। विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला ने केस वापस न लेने पर ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट, छेड़छाड़ तथा हत्या के प्रयास का आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़िता ने कोर्ट के आदेश पर पांच नामजद तथा दो अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। विजयनगर थानाक्षेत्र में रहने वाली महिला का कहना है कि उनकी शादी हाथरस निवासी आरिफ के साथ हुई थी। वर्तमान में पति से उनका विवाद चल रहा है। परिवार न्यायालय में उन्होंने भरण पोषण का वाद दायर किया हुआ है। महिला के मुताबिक 20 जून 2025 को वह कोर्ट में तारीख पर आई थीं। कोर्ट के बाहर पति आरिफ उन्हें मिला। उसने बात करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इस पर पति ने कहा कि वह उनके घर आकर ही बात करेगा। आरोप है कि 20 जून को ही रात आठ बजे आरिफ अपने दो भाइयों, बहन-बहनोई और दो अज्ञात लोगों को साथ लेकर जबरन उनके घर में आ घुसा और कोर्ट में चल रहे केस को वापस लेने का दबाव डाला। उन्होंने केस वापस लेने से इनकार कर दिया तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि ननद ने बाल पकड़कर उन्हें पीटना शुरू कर दिया तथा अन्य लोगों ने डंडों से हमला कर दिया। वह बचने के लिए घर में भागीं तो पति के बहनोई ने गलत तरीके से पकड़कर उन्हें खींच लिया, जिसके बाद आरोपियों ने उन्हें फिर से पीटना शुरू कर दिया। महिला का आरोप है कि उनके पिता ने बचाने की कोशिश की आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा और डंडे से उनका सिर फोड़ दिया। पिता बेहोश होकर गिर गए तो आरोपी उन्हें मरा समझकर फरार हो गए और जाते-जाते केस वापस न लेने पर हत्या की धमकी दी। पीड़िता का कहना है कि विजयनगर थाने तथा उच्चाधिकारियों को शिकायत देने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते उन्हें कोर्ट की शरण लेनी पड़ी।

## धामपुर में किसानों की बैठक, बाढ़ राहत में भ्रष्टाचार के आरोप, 13 अगस्त को बिजनौर कूच का ऐलान

प्रात : किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। धामपुर क्षेत्र के ग्राम गजुपुरा एवं अजीतपुर में गुरुवार को किसानों की दो अलग-अलग बैठकों में बाढ़ से तबाह फसलों, राहत व्यवस्था में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मुद्दे प्रमुख रहे। भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के पदाधिकारियों ने प्रशासन पर तीखे आरोप लगाते हुए 13 अगस्त को बिजनौर में ट्रैक्टर मार्च और धरना प्रदर्शन का ऐलान किया। गजुपुरा में हुई बैठक की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष अशोक कुमार ने की तथा संचालन कविराज सिंह ने किया। अजीतपुर की बैठक का नेतृत्व कर्मवीर सिंह ने संभाला। बैठकों में पहुंचे भाकियू जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान, युवा जिलाध्यक्ष सरदार मनप्रीत सिंह और प्रदेश महासचिव ठाकुर रामौतार सिंह का ग्रामीणों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील प्रधान ने कहा कि जिले में कई स्थानों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। खेत जलमग्न हैं, अनेक गांव पानी में घिरे हैं और लोग छतों पर बैठकर राहतकर्मियों का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बाढ़ प्रबंधन के लिए आने वाला अधिकांश धन भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाता है। यदि वषार्काल से पहले ही सही कार्ययोजना बनाकर पारदर्शी तरीके से धन का उपयोग किया जाए, तो जनता को इस आपदा से बचाया जा सकता है। उन्होंने प्रशासन से बाढ़ में नष्ट हुई फसलों और अन्य नुकसानों का उचित मुआवजा देने की मांग की और किसानों से 13 अगस्त को अधिक से अधिक संख्या में ट्रैक्टरों के साथ बिजनौर पहुंचने की अपील की। बैठक में मास्टर विजयपाल सिंह, गजेंद्र सिंह, अमरपाल सिंह, जितेंद्र सिंह, देवराज सिंह, शुभम चौधरी, आकाश चौधरी, सौरव काकरान, राजेंद्र सिंह प्रधान, इन्द्रवीर सिंह, अजय सिंह, हमीद प्रधान, रामकुमार सिंह, हरिराज सिंह, ठाकुर महिपाल सिंह, योगेंद्र पाल सिंह, रिंकू चौहान, तारा सिंह, अमित कुमार, विशाल डबास, हिमांशु कुमार, धर्मपाल सिंह, अनूप चौहान सहित बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

## एमिटी विश्वविद्यालय में द्रव-तापीय इंजीनियरिंग पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन

नोएडा,। एमिटी विश्वविद्यालय में शुक्रवार को द्रव और तापीय इंजीनियरिंग पर केंद्रित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन फ्लूट का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर देश-विदेश से आए वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और शिक्षाविदों ने ऊर्जा दक्षता, निम्न-कार्बन प्रौद्योगिकियों और सतत तापीय प्रणालियों में नवीन समाधानों पर चर्चा की। सम्मेलन का उद्घाटन डीआरडीओ मुख्यालय के डायेरेक्टोरेट ऑफ फ्यूचरिस्टिक टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट की निदेशक डॉ. एन. रंजना ने किया। उद्घाटन सत्र में डॉ. रंजना ने नवाचार की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि असफलता नवाचार की प्रक्रिया का हिस्सा है और अंतिम सफलता के लिए कई प्रयास करने पड़ते हैं। उन्होंने कहा कि अनुसंधान का अंतःविषय एकीकरण जरूरी है, ताकि अकादमिक शोध को व्यावहारिक रूप में बदलकर समाज और विशेषकर रक्षा क्षेत्र के लिए उपयोगी बनाया जा सके। भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो की लेफ्टिनेंट कमांडर और एमिटी की पूर्व छात्रा तावीशी सिंह ने अपने अनुभव साझा करते हुए विश्वविद्यालय की शिक्षा और मार्गदर्शन को अपने सफल करियर का आधार बताया। उन्होंने छात्रों को विश्वविद्यालय द्वारा दिए गए अवसरों का पूरा लाभ उठाने की प्रेरणा दी। एमिटी विश्वविद्यालय की वाइस चांसलर डॉ. बलविंदर शुक्ला ने सम्मेलन को विकसित भारत के लक्ष्य से जोड़ते हुए कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग बढ़ाना और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाना समय की मांग है। उन्होंने बताया कि एमिटी ने काफी पहले से ही नवीकरणीय ऊर्जा पर शोध और शिक्षा को बढ़ावा देना शुरू कर दिया था। एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के निदेशक डॉ. मनोज पांडेय ने कहा कि यह दो दिवसीय सम्मेलन स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और द्रव-तापीय इंजीनियरिंग के भविष्य को दिशा देगा। तकनीकी सत्रों में लिक्विड प्रपल्शन सिस्टम्स सेंटर, आईआईएससी बैंगलोर, इसरो के थर्मल सिस्टम समूह, और नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी, शिकागो के विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे।

## काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ पर कलेक्ट्रेट में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

### शहीद क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों को किया सम्मानित

- लखनऊ में आयोजित समारोह का देखा गया सजीव प्रसारण

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ के समापन के अवसर पर कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी ने जनमंच सभागार में काकोरी शहीद स्मारक, लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के उद्बोधन का सजीव प्रसारण देखा। जिलाधिकारी, अध्यक्ष नगर पालिका एवं उपस्थित अन्य अतिथियों द्वारा शहीद क्रांतिकारियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों प्रदीप टंडन, डॉक्टर नरेंद्र शर्मा, चंद्रवती, कृष्ण कुमार बंसल, सुभाष चंद्र जैन, रघुनंदन, ममता, भूरी, राशिद अली, श्याम सिंह, जियाउलहक, एजाज अहमद और अर्पित खंडेलवाल को माला पहनाकर एवं अंगवस्त्र भेंटकर सम्मानित किया गया। जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने कहा कि यह आयोजन केवल एक इवेंट नहीं, बल्कि भावनाओं का संगम है, जिसने हमें वह बनाया जो हम आज हैं। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों के आश्रित परिवारों से कहा कि सरकार उनके सम्मान के लिए कटिबद्ध है। जिलाधिकारी ने आश्रित परिवारों को नमन करते हुए कहा कि वे सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं, जिनकी वजह से हम आजादी की खुली हवा में सांस ले रहे हैं। इस प्रेरणा के साथ, उन्होंने सभी से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने जनपदवासियों से आग्रह किया कि जिस निडरता के साथ स्वतंत्रता सेनानियों और शहीदों ने देश के लिए त्याग किया, वही निडरता हमें अपने जीवन में अपनानी चाहिए ताकि देश एक परिवार की तरह मजबूत हो। उन्होंने कहा कि काकोरी ट्रेन एक्शन एक ऐतिहासिक घटना थी, जिसका उद्देश्य था कि देश का धन विदेश न जाए और स्वतंत्रता संग्राम को बल मिले। उन्होंने सभी से अपने बच्चों को पढ़ाने-लिखाने और आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया, ताकि वे देश के विकास में योगदान दे सकें। उन्होंने यह भी कहा कि आप किसी भी क्षेत्र में कार्य करें, वह देश के हित में होना चाहिए। अध्यक्ष नगर पालिका परिषद शशि जैन ने क्रांतिकारियों और शहीदों की कुरबानियों को याद करने के साथ उनके परिवार को नमन करते हुए कहा कि शहीद परिवारों के लिए हमारी भावनाएं और सम्मान गहरे जुड़े हैं। देश के लिए बलिदान देने वाले और उनके परिवार के लिए देश ऋणी रहेगा। देश की आजादी लाखों कुर्बानियां के बाद मिली है। इसको संरक्षित कर देश को उतकृष्टता में पंहुचाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि देश की सेवा के लिए छोटे-से-छोटा कार्य करके भी हम देश की सेवा कर सकते हैं। मुख्य विकास अधिकारी श्री अश्वनी कुमार मिश्र ने कहा कि आजादी का आंदोलन बहुत ही संघर्षपूर्ण था जिसमें देश के प्रत्येक वर्ग का सहयोग था। काकोरी ट्रेन एक्शन से देश में नई ऊर्जा का संचार हुआ। राम प्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खान, राजेंद्र लाहिड़ी और रोशन सिंह की फांसी की सजा के भारत के स्वतंत्रता को प्रतिशोध की नई ऊर्जा मिली जिससे जगह-जगह पर अंग्रेजों के विरूद्ध नवयुवकों ने समाज में नई भावना का संचार किया। आज देशप्रेम की यह भक्ति सभी को प्रेरित करती है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह ने कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बच्चों, युवाओं एवं जनसामान्य को शहीदों के त्याग और बलिदान से प्रेरणा लेकर राष्ट्रनिर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने को कहा। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, डिप्टी कलेक्टर चंद्रकांता, बृजपाल सिंह, शैलेश दुबे, अधिशासी अधिकारी डॉ0 बृजेश कुमार सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण, स्वतंत्रता सेनानी, अमर शहीदों के परिवारजन, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

## राज्य निर्वाचन आयुक्त ने खारिज किये राहुल गांधी द्वारा लगाये गये वोटर लिस्ट में धांधली के आरोप

प्रात : किरण संवाददाता

अमरोहा। राज्य निर्वाचन आयुक्त ने राहुल गांधी द्वारा वोटर लिस्ट में गड़बड़ी किये जाने के आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा कि ऐसी किसी प्रकार की कोई गड़बड़ी नहीं पाई गई। राहुल गांधी द्वारा की गई प्रेस कांफ्रेस में लगाये गये आरोप पूरी तरह से मिथ्या हैं। बता दें कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा गुरुवार को दि फाउंडेशन ऑफ द कंसिट्यूशन इज द वोट, वोट हेजबीन डिस्कॉयर्ड विषयक एक प्रेस कांफ्रेंस की गयी जिसमें अन्य विषयों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश राज्य का भी जिक्र किया गया जिसमें उनके द्वारा तथ्य रखा गया कि दो मतदाता जिनका नाम आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस०पी०श्रीवास्तव (इपिक नं० एफपीपी 6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं० आईएनबी 2722288) हैं। इनका नाम उ०प्र० के साथ-साथ अन्य प्रदेश की विधान सभाओं की मतदाता सूची में भी अंकित है। राहुल गांधी द्वारा यह आंकड़े 16 मार्च को भारत निर्वाचन आयोग की वेबसाइट से निकाले हुए दिखाए गये हैं। कांफ्रेंस में आरोप लगाया गया कि आदित्य श्रीवास्तव का नाम चार जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम मुंबई सब अर्बन की विधान सभा 158 जोगेश्वरीपूर्व की बूथ संख्या 197 के क०सं० 877, बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 के क0सं0 1265, बूथ सं0 459 के क०सं० 678 पर एवं लखनऊ की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व के बूथ संख्या 84 के क०सं० 630 पर अंकित दिखाया गया है। विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह का नाम तीन जगह अंकित दिखाया गया है। इनका नाम बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 के क०सं० 926 एवं बूथ सं0 321 के क०सं० 894 तथा वाराणसी की विधानसभा 390 वाराणसी कैण्ट में बूथ सं० 82 के क०सं० 516 पर अंकित दिखाया गया है। 07 अगस्त को आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस०पी० श्रीवास्तव (इपिक नं० एफपीपी 6437040) एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं० आईएनबी 2722288) के नाम को वेबसाइट पर सर्च किया गया तो पाया गया कि आदित्य श्रीवास्तव पुत्र एस०पी०श्रीवास्तव (इपिक नं० एफपीपी 6437040) का नाम बैंगलोर अर्बन की विधान सभा 174 महादेवपुरा के बूथ संख्या 458 क०सं० 1265 में एवं विशाल सिंह पुत्र महीपाल सिंह (इपिक नं० आईएनबी 2722288) का बैंगलोर की विधान सभा 174 महादेवपुरा में बूथ सं0 513 क०सं० 926 पर ही अंकित है एवं उपरोक्त मतदाताओं का नाम उत्तर प्रदेश की विधान सभा 173 लखनऊ पूर्व एवं विधान सभा 390 वाराणसी कैण्ट में इनका नाम अंकित नहीं है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश के बारे में जो तथ्य प्रस्तुत किये गये वे सही नहीं पाये गये।

## काकोरी ट्रेन एक्शन शताब्दी महोत्सव का भव्य समापन, छात्राओं ने बढ़ाया देशभक्ति का उत्साह

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा,। जनपद गौतमबुद्ध नगर में आज स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक घटना काकोरी ट्रेन एक्शन की 100वीं वर्षगांठ पर आयोजित शताब्दी महोत्सव का भव्य समापन सेक्टर-51 स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मुख्य विकास अधिकारी डॉ शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। समारोह की शुरूआत प्रभात फेरी से हुई। जिसमें छात्राओं ने देशभक्ति नारों की पट्टिकाएं और स्वतंत्रता सेनानियों के चित्र लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके बाद विद्यालय सभागार में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण दिखाया गया। जिसमें जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला पर्यटन अधिकारी सुरेश रावत, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या दीपा भाटी, शिक्षक एवं छात्राएं सहित अन्य शामिल हुए। कार्यक्रम में पटेल लोक सांस्कृतिक संस्थान ग्रेटर नोएडा से आए लोकगायक उदयवीर सिंह चैहान एवं पंडित शिवराम शर्मा ने देशभक्ति गीतों से वातावरण में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत की। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी ने अपने संबोधन में काकोरी ट्रेन एक्शन को स्वतंत्रता संग्राम की प्रेरणादायक घटना बताते हुए युवाओं को इतिहास से जुड़ने और देश के लिए योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर भाषण, निबंध लेखन, रंगोली एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। भाषण प्रतियोगिता में कक्षा 12 की छात्रा नाजनीन प्रथम, कक्षा 11 की छात्रा दीपाली द्वितीय, नंदनी प्रजापति तृतीय तथा कक्षा 12 की छात्रा मनीषा को सांत्वना पुरस्कार मिला, जबकि निबंध प्रतियोगिता में कक्षा 11 की छात्रा रश्मि प्रथम, खुशबू द्वितीय, नेहा तृतीय और कक्षा 10 की छात्रा रिया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के समापन पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## कूडा लदे डंफरों को डबारसी व अन्य गांवों से ले जाने के विरोध में सपा कार्यकताओं ने दिया डीएम को ज्ञापन

प्रात : किरण संवाददाता

गाजियाबाद,। करंट क्राइम। गाजियाबाद नगर निगम की ओर से गांव डबारसी, नाहल, आकलपुर, समयपुर, नूरपुर, चित्तोडा, निडोरी, निगरवटी व मसोता के निजी एवं सकरे रास्ते से गंदे कूडे से भरे डंफरों को लाने लेजाने से गांववासियों को हो रही परेशानी को लेकर सपा कार्यकताओं ने शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। बाद में डीएम को एक ज्ञापन दिया। पूर्व विधायक असलम चौधरी ने डंफरों की आवाजाही रोकने के लिए गुरुवार को धरना दिया था। सपा जिलाध्यक्ष फैसल हुसैन ने कहा कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा डबारसी आदि गांवों में कूडे से भरे डम्परों को गांव के आबादी वाले रास्तों से ले जाया जा रहा है। जबकि रास्ते पहले से ही खराब और दयनीय स्थिति में हैं। गांव के लोग, किसान, मजदूर व स्कूल जाने वाले बच्चों को दुर्घटना व अन्य परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। डंफर इतनी तादाद में आते हैं कि गांव वासियों व स्कूल जाने वाले बच्चों को गाडी से या पैदल चलना दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि यदि कोई विरोध करता है तो उनके खिलाफ एफआईआर करा दी जाती है। प्रशासन का अधिकारी सुनने को तैयार नहीं है। गांव के निवासी पलायन करने को मजबूर हो रहे हैं। रास्ते खराब होने के कारण कूड़ा रास्ते में गिरता जाता है तथा सारे रास्ते पर बदबू रहती है। डम्परों को ले जाने के लिये वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था की जाये। यदि समय रहते गाजियाबाद नगर निगम के इन डम्फरों को निजी एवं आबादी वाले रास्ते से होकर गुजरने से न रोका गया तो कभी भी कोई दुर्घटना हो सकती है।

## कर्मचारी की मौत पर फैक्टरी मालिक समेत तीन के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

लोनी,। ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित फैक्टरी में एक माह पहले करंट लगने से कर्मचारी की मौत के मामले में पुलिस ने बुधवार को लापरवाही से हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। मृतक के परिजनों ने फैक्टरी मालिक समेत तीन पर केस दर्ज कराया है। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र की राम प्रकाश विहार कॉलोनी में रहने वाले 64 वर्षीय नारायण सिंह ट्रोनिका सिटी स्थित एक फैक्टरी में इलेक्ट्रीशियन की नौकरी करते थे। उनके बेटे पंकज ने बताया कि नौ जुलाई को फैक्टरी मैनेजर ने काम करते समय करंट लगने से पिता की मौत होने की जानकारी दी थी। फैक्टरी मैनेजर अजित कुमार, सुपरवाइजर व कर्मचारी पिता के शव को लेकर लोनी सामुदायिक केंद्र में परिजनों से मिले थे। जहां से पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। मैनेजर ने उन्हें कंपनी द्वारा नौकरी और आर्थिक सहायता दिलाने का आश्वासन दिया था। आरोप है कि पिता के अंतिम संस्कार के बाद जब वह फैक्टरी पहुंचे तो मालिक राय सिंह मिलने के नाम पर तीन सप्ताह तक टालता रहा। बाद में लेबर वर्क की नौकरी देने की बात कही। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि मृतक के परिजन की शिकायत पर फैक्टरी मालिक, मैनेजर व सुपरवाइजर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## नोएडा में 10 लाख की ज्वैलरी चोरी, पड़ोसी ही निकला चोर पुलिस ने एक घंटे में किया गिरफ्तार

प्रात : किरण संवाददाता

नोएडा,। सेक्टर-27 इंदिरा मार्केट में स्थित एक ज्वैलर्स की दुकान में चोरी करने वाला कोई बाहरी नहीं, बल्कि पास में ही पूजा सामग्री की दुकान लगाने वाला पड़ोसी निकला। पुलिस ने घटना के महज एक घंटे के भीतर चोरी के जेवरात के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना सेक्टर-20 में शिव विश्वास पुत्र कृष्ण विश्वास ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उनकी ह्लआरके ज्वैलर्सह्व दुकान की खिड़की तोड़कर अज्ञात चोर लाखों रुपये के सोने-चांदी के आभूषण चुरा ले गए। दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई थी। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी सुंदर पुत्र किशन लाल को तिकोनिया पार्क, सेक्टर-27 के पास से दबोच लिया। जांच में पता चला कि सुंदर की पूजा सामग्री की दुकान ज्वैलर्स की दुकान के ठीक पास थी, जिससे उसे दुकान की गतिविधियों और बंद होने के समय की पूरी जानकारी थी। उसने वेंटिलेशन के लिए बनाए गए छोटे छेद से दुकान में घुसकर चोरी को अंजाम दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से 14 सोने की अंगूठियां, 14 जोड़ी सोने की बालियां, 3 सोने की चेन, 2 सोने के मंगलसूत्र, एक अवैध तमंचा और कारतूस बरामद किए। बरामद आभूषणों की कुल कीमत करीब 10 लाख आंकी गई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

# उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर का मानना है कि उम्र बढ़ना अभिनेत्रियों के लिए एक समृद्ध अनुभव है। उनके अनुसार, जीवन के अनुभवों से मिली समझ को अभिनेत्री अपनी ताकत बना सकती हैं, जो उनकी अभिनय कला को और निखारता है। ईशा ने 2019 में रिलीज हुई फिल्म सांड की आंख का उदाहरण देते हुए कहा, इस फिल्म में युवा अभिनेत्रियों को बुजुर्ग किरदारों में दिखाया गया। नीना गुप्ता ने भी सवाल उठाया था कि 50-60 साल की महिलाओं के किरदार के लिए 30 साल की अभिनेत्रियों को क्यों चुना जाता है? ऐसे में उन अभिनेत्रियों को मौका क्यों नहीं मिलता, जो अपनी प्रतिभा साबित कर चुकी हैं?

उन्होंने आगे कहा, उम्र के साथ भावनात्मक समझ गहरी होती है, और यही गहराई किसी किरदार को खास बना सकती है। ईशा का मानना है कि फिल्मों में हर उम्र के किरदारों को जगह देना जरूरी है ताकि दर्शकों को वास्तविक और प्रासंगिक कहानियां देखने को मिलें। अभिनेत्री ने कहा, जब हम फिल्मों में अलग-अलग सोच और अनुभवों को दिखाते हैं, खासकर उम्रदराज किरदारों को शामिल करते हैं, तो दर्शकों को ज्यादा जुड़ने वाली कहानियां देखने को मिलती हैं। हालांकि, अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर को उम्मीद है कि फिल्म इंडस्ट्री अब सही दिशा में आगे बढ़ रही है। अभिनेत्री का कहना है कि पिछले कुछ सालों में ऐसी कई फिल्में बनी हैं जिनमें ज्यादा उम्र की महिलाओं को मुख्य किरदार में दिखाया गया है। साथ ही, रिप्रेजेंटेशन यानी हर उम्र, वर्ग और अनुभव के लोगों को जगह देने को लेकर बातचीत भी बढ़ी है। ईशा का मानना है कि यह एक सकारात्मक बदलाव है, जहां जवानों और समझदार, अनुभवी लोगों दोनों की कहानियों को बराबरी से दिखाया जा रहा है। ईशा कहती हैं, उम्र को किसी सीमा के तौर पर नहीं, बल्कि एक मूल्यवान संपत्ति के रूप में देखा जाना चाहिए। फिल्मों में ऐसी कहानियां होनी चाहिए जो सच्ची लगें, और जिनमें हर उम्र के कलाकारों को अपनी कला दिखाने का मौका मिले।

# जॉन के साथ काम करना किसी सपने को सच करने जैसा है

पंजाबी सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री नीरू बाजवा ने हाल ही में हिंदी सिनेमा में शानदार वापसी की है। उनकी फिल्म सन ऑफ सरदार 2 रिलीज हो चुकी है और अब वह अपनी अगली हिंदी फिल्म तेहरान के साथ दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। 'सन ऑफ सरदार 2' में अभिनेत्री बॉलीवुड सुपरस्टार अजय देवगन की पत्नी का किरदार निभा रही हैं, वहीं 'तेहरान' फिल्म में वह जॉन अब्राहम और मानुषी छिल्लर के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। नीरू ने अपने को-स्टार जॉन अब्राहम की जमकर तारीफ की है और उन्हें एक ड्रीम को-एक्टर बताया है। अभिनेत्री ने बताया, यह मेरे लिए एक बहुत अच्छा समय है, जब मैं लगातार हिंदी फिल्मों में काम कर रही हूं। 'सन ऑफ सरदार 2' एक कॉमेडी फिल्म है, जबकि 'तेहरान' में मेरा किरदार गंभीर है और कहानी बहुत भावुक करने वाली है। तेहरान से जुड़कर मुझे गर्व महसूस हो रहा है। अभिनेत्री ने आगे कहा, जॉन के साथ काम करना किसी सपने को पूरा करने जैसा है। जॉन

जिस तरह से अपने किरदार में गहराई लाते हैं, वो काबिले-ए-तारीफ है। जब आपका को-एक्टर अच्छा हो, तो आपकी परफॉर्मेंस और भी बेहतर हो जाती है, और मेरे साथ तेहरान में ऐसा ही हुआ। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी जोड़ी पसंद आएगी। नीरू के लिए 'तेहरान' एक ऐसी फिल्म है, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं की। उनके मुताबिक, यह एक रोचक और दिल को छूने वाली कहानी है, जिसमें भावनाएं भी हैं और राजनीति से जुड़ी जटिलताएं भी। उन्होंने बताया, इस फिल्म की कहानी बेहद प्रभावशाली और भावनात्मक रूप से गहरी है। मेरा किरदार एक ऐसी महिला का है जो मुश्किल हालातों में भी अपनी नैतिकता और साहस को बनाए रखती है। यह मेरे लिए गर्व की बात है कि मैं ऐसी कहानी का हिस्सा हूं जो न केवल मनोरंजन करेगी, बल्कि सोचने पर भी मजबूर करती है। तेहरान 15 अगस्त 2025 को जी5 पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म अपनी बोल्ड और वास्तविक कहानी के लिए चर्चा में है।

# क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2 में वृंदा के किरदार में दिखेंगी तनीषा मेहता

अभिनेत्री तनीषा मेहता, क्योंकि सास भी कभी बहू थी सीजन 2 में वृंदा का किरदार निभा रही हैं, अभिनेत्री ने शो से जुड़ने और अपनी जिंदगी में तुलसी से जुड़ाव की कहानी सुनाई। अभिनेत्री ने कहा, यह सच में एक सपने को सच करने जैसा लगता है, इतनी प्रसिद्ध टीवी सीरीज में मुख्य किरदार की भूमिका निभाना मेरे लिए सम्मान की बात है। मैं यह शो देखकर बड़ी हुई हूं, जो लोग आपकी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाते हैं वो खास यादें बन जाते हैं। अब इस कहानी का हिस्सा बनना मेरे लिए एक खास है। उन्होंने आगे कहा, मैं अपने किरदार को बखूबी से निभाने के लिए पूरी ताकत लगा रही हूं। मुझे बस दर्शकों से यही उम्मीद है कि वह मुझे भी उतना ही प्यार दें, जितना उन्होंने हमेशा से इस शो को दिया है। जब मैं इसके बारे में सोचती हूं, तो मेरी रूह कांप जाती है। मैं इस मौके के लिए एकता कपूर मैम की आभारी हूं।

तुलसी के पौधे के बारे में बात करते हुए तनीषा ने कहा, तुलसी एक ऐसा पौधा है जिसका हमारे यहां बहुत गहरा सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है। माना जाता है कि यह घर को बुरी नजर और नकारात्मकता से बचाती है। साथ ही घर में खुशियां और शांति लाती है। तुलसी भक्ति का प्रतीक है और हमें हमारे आध्यात्मिक मूल्यों और परंपराओं की याद दिलाती है। उन्होंने आगे कहा, और यह उन पौधों में से एक है जिसे मैंने अपने घर में लगाया जब मैं वहां रहने आई। अभिनेत्री ने बताया कि वह अब बहुत धार्मिक हो गई हैं। उन्होंने कहा, बहुत लोगों को ये नहीं पता, लेकिन कई सालों से मैं धर्मपरायण बन गई हूं। मैं इस बारे में ज्यादा बात नहीं करती, लेकिन मेरे अपने विश्वास और तरीके हैं। अपने मॉर्निंग रूटीन के बारे में अभिनेत्री ने बताया, मैं बहुत समय से ये रूटीन फॉलो कर रही हूं। हर सोमवार सुबह, मैं अपने बिल्डिंग के ठीक नीचे वाले मंदिर जाती हूं। वहां मैं महादेव का अभिषेक करती हूं। हर सुबह मैं सूर्य देवता को जल (पानी) अर्पित करती हूं, और साथ ही तुलसी के पौधे को भी।

# सारे जहां से अच्छा में मेरा किरदार लंबा नहीं, लेकिन असरदार है

अभिनेत्री कृतिका कामरा इन दिनों सारे जहां से अच्छा सीरीज के रिलीज होने का इंतजार कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने अपनी भूमिका को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि उन्हें इस सीरीज में काम करके खुशी और आत्मविश्वास महसूस हुआ। साथ ही बताया कि इसमें सिर्फ एक या दो नहीं, बल्कि कई मुख्य कलाकार हैं। कृतिका कामरा ने कहा, मैंने पहले भी कई ऐसी कहानियों में काम किया है जिनमें महिला किरदार बहुत मजबूत रहे हैं, और ये अनुभव मेरा आत्मविश्वास को बढ़ाता है। लेकिन मेरे लिए ये सबसे जरूरी है कि जो रोल मुझे मिल रहा है, वो दमदार हो और कहानी ऐसी हो जो मुझे पसंद आए और जिसपर मैं भरोसा कर सकूं। उन्होंने कहा कि सारे जहां से अच्छा देशभक्ति से भरी कहानी है। इसमें कई पहलू हैं; हर किरदार और घटना के पीछे कई रहस्य छिपे हैं। कृतिका ने कहा, भले ही मेरा रोल ज्यादा लंबा न हो, लेकिन कहानी में मेरे किरदार का असर काफी बड़ा है, इसलिए मुझे अपने किरदार को लेकर पूरा विश्वास है कि वह दर्शकों के दिलों में उतरेगा। मैं खुद को इस सीरीज का जरूरी हिस्सा मानती हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए किरदार की लंबाई नहीं, बल्कि उसका असरदार और मकसद होना ज्यादा जरूरी है। एक एक्टर के तौर पर मुझे वही रोल पसंद आते हैं जो कुछ मतलब रखते हों। मैं सच में चाहती हूं कि ये शो जल्दी लोगों तक पहुंचे, क्योंकि इसकी कहानी बहुत मजबूत और प्रेरणादायक है। इस सीरीज में कृतिका कामरा के अलावा, प्रतीक गांधी, रजत कपूर, सनी हिंदुजा, सुहैल नय्यर, तिलोत्तमा शोम और अनूप सोनी अहम रोल में हैं। इसकी कहानी 1970 के दशक के समय पर आधारित है, जिसमें जासूसी, बलिदान और देशभक्ति को दिखाया गया है। यह मिशन पर आधारित कहानी गौरव शुक्ला ने बनाई है और इसे बॉम्बे फेबल्स नाम की कंपनी ने प्रोड्यूस किया है। भावेश मंडलिया इस शो के क्रिएटिव प्रोड्यूसर हैं, वहीं इसे सुमित पुरोहित ने निर्देशित किया है।

# अकांक्षा पुरी का म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' रिलीज

अभिनेत्री अकांक्षा पुरी का नया म्यूजिक वीडियो 'एक आसमान था' गुरुवार को रिलीज हो चुका है। पुरी के मुताबिक इसका रफ वर्जन सुनकर उनके रोंगटे खड़े हो गए थे। म्यूजिक वीडियो में अकांक्षा के साथ को-स्टार सनम जौहर हैं। वीडियो में थीम को शानदार अंदाज में पेश किया गया है। अकांक्षा ने कहा, शुरुआत में मुझे थोड़ा डर था, क्योंकि मैं सनम से पहले कभी नहीं मिली थी। लेकिन, वह इतने सहज एक्टर हैं कि हमारी केमिस्ट्री तुरंत बन गई। लोग शायद यकीन न करें कि हम पहली बार शूटिंग के दौरान मिले! सनम अपनी डांसिंग स्किल्स के लिए जाने जाते हैं, लेकिन इस वीडियो में डांस से ज्यादा भावनात्मक तालमेल की जरूरत थी। अकांक्षा ने बताया, यह गाना कोरियोग्राफी के बारे में नहीं, बल्कि भावनाओं को जोड़ने का था। हमारी केमिस्ट्री स्वाभाविक रूप से बन गई। अकांक्षा पहले भी इस प्रोडक्शन टीम के साथ 'बरसातें अच्छी लगती हैं' गाने में काम कर चुकी हैं। उनका अनुभव शानदार रहा। जब टीम ने उन्हें इस गाने के लिए संपर्क किया, तो वह तुरंत इससे जुड़ गईं। उन्होंने कहा, म्यूजिक वीडियो आपको अपनी स्टाइल और अभिनय की सीमाओं को आजमाने का मौका देते हैं। शूटिंग तेज और एनर्जेटिक होती है, जो दर्शकों के साथ गहरा जुड़ाव बनाती है। मुझे गाने के ऑफर हमेशा उत्साहित करते हैं। यह लंबे फॉर्मेट के अभिनय या फिल्म में एक्टिंग से अलग अनुभव देता है। अकांक्षा ने 2013 में तमिल फिल्म 'एलेक्स पांडियन' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी।

# मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मैं खुद को दोहराता नहीं हूं

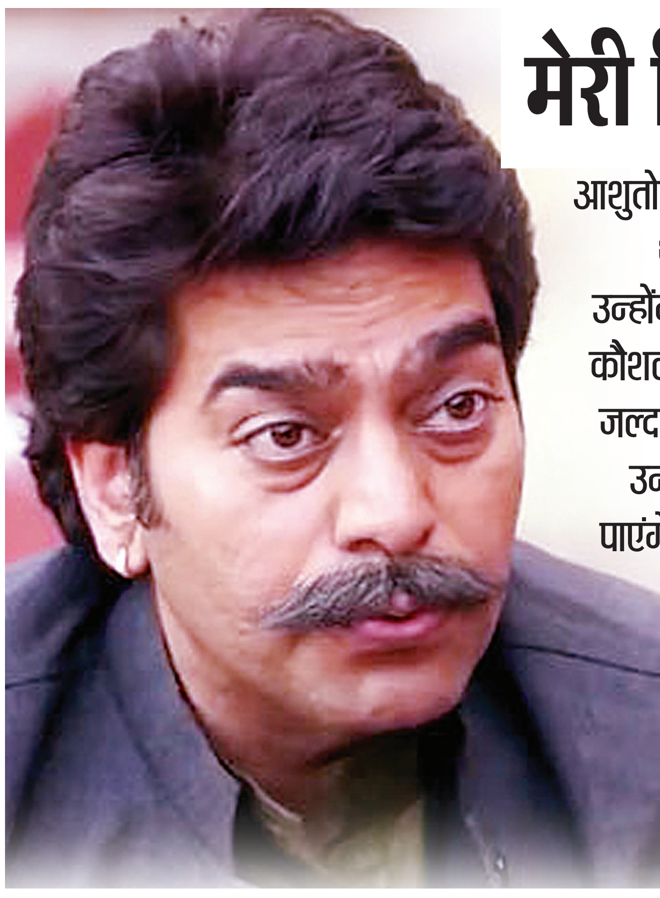

**आशुतोष राणा, जो कुछ समय से स्क्रीन से दूर थे, अब कई फिल्मों में दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने छावा, लवयापा और कौशल जी वर्सेस कौशल जैसी फिल्मों की हैट्रिक लगाई है और जल्द ही हीर एक्सप्रेस और वॉर 2 में दिखेंगे। उन्होंने कहा- आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मेरा पूरा प्रयास ही यह रहा है कि खुद को रिपीट ना करूं।**

## आशुतोष राणा कमबैक पर बोले

इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में शुमार आशुतोष राणा लंबे समय तक स्क्रीन से दूर थे, लेकिन अब वह बैक टू बैक फिल्में कर रहे हैं। आलम यह है कि इस साल वह छावा, लवयापा और कौशल जी वर्सेस कौशल के साथ फिल्मों की हैट्रिक लगा चुके हैं। वहीं, जल्द ही फिल्म हीर एक्सप्रेस और वॉर 2 में नजर आने वाले हैं। इसके अलावा, उनके नाटक मेरे राम का मंचन भी लगातार जारी है। ऐसे में, जब हमने आशुतोष राणा से ब्रेक के बाद बढ़ी इस सक्रियता की वजह जाननी चाही तो उन्होंने बताया, हमने पहले एक बहुत लंबा विराम लिया था। फिर 2020 में जब मेरे स्प्रिचुअल गुरु पंडित श्री देव प्रभाकर शास्त्री (दद्दा जी) जी का देहावसान हुआ तो मेरे पास कोई काम ही नहीं बचा, क्योंकि मेरा पूरा जीवन उनके इर्द गिर्द ही घूमता था। उन्होंने कहा, तब मेरे मन में यह विचार आया कि उनकी कृपा से मुझे जिस काम के लिए भेजा गया है, मैं उस काम को पूरे मनोयोग से, इसलिए मैं फिर ऐक्टिंग में सक्रिय हो गया और इसलिए आपने मुझे छावा में ऐतिहासिक जॉनर में देखा, फिर लवयापा में रॉमकॉम, कौशल जी वर्सेज कौशल जैसा सोशल ड्रामा भी आया, अब हीर एक्सप्रेस जैसी फैमिली ड्रामा आ रही है। इसके अलावा, थिएटर में माइथोलॉजिकल नाटक कर रहा हूं, तो जितने भी विभाग हो सकते हैं, उसमें अपने को अभिव्यक्त करने का प्रयास कर रहा हूं।

## अदाकार नहीं, कलाकार हूं मैं

अपनी फिल्मों में आशुतोष राणा हीरो-हीरोइन के पिता या सेना के अधिकारी की भूमिकाओं में ज्यादा नजर आ रहे हैं। वह इससे कितने संतुष्ट हैं? इस सवाल पर वह कहते हैं, इन भूमिकाओं में दोहराव नहीं है। आप मेरा पूरा करियर उठाकर देखिए, जैसे जब मैंने नेगेटिव रोल भी किया है तो दुश्मन का रोल संघर्ष में रिपीट नहीं हुआ है। हमने फिर कभी रेपिस्ट का रोल नहीं किया। फिर संघर्ष के कुर्बानी में यकीन करने वाले शख्स का रोल दोबारा नहीं किया। फिर शबनम मौसी में हम वैसे नहीं थे। ऐसे ही, सोनचिड़िया का विरेंद्र सिंह गुज्जर, मुल्क का संतोष आनंद, सिंबा का नित्यानंद मोहिले सब एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं।

## आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे

आशुतोष राणा ने कहा- आप मेरी मिमिक्री नहीं कर पाएंगे, क्योंकि मेरा पूरा प्रयास ही यह रहा है कि खुद को रिपीट ना करूं। एक होता है कलाकार, एक होता है अदाकार। चुनाव आपको करना होता है कि आप कलाकार बनना चाहते हैं या अदाकार। अदाकार को अपनी स्टाइल रिपीट करनी होती है, उसमें स्टार होने के चांसेस ज्यादा हैं। आप सुपरस्टार बन सकते हैं, क्योंकि गली-मोहल्लों में लोग आपकी स्टाइल की नकल करके, आपकी मिमिक्री करके आपको बरकरार रखते हैं। कलाकार के लिए वो गुंजाइश नहीं होती है। उसमें आपको स्टारडम मिले, यह जरूरी नहीं है।

# व्यापार

संसेक्स 80776.94 पर बंद

निफ्टी 24661.90 पर बंद

सोना 99,120

चांदी 117,000

## ट्रंप ने मृत अर्थव्यवस्था से 10 वर्षों में कमाए 1800 करोड़

### मुंबई से कोलकाता तक हैं ट्रंप टावर प्रोजेक्ट्स

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस भारतीय अर्थव्यवस्था को मृत (डेड इकोनामी) अर्थव्यवस्था बताया, उसी बाजार से उनकी की कंपनी मोटा मुनाफा कमा रही है। ट्रंप की एक दिग्गज उद्योगपति के रूप में भी पहचान है। उनकी कंपनी द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन दुनिया भर में रियल एस्टेट, होटलों और लग्जरी गोल्फ कोर्स के कारोबार में बड़े पैमाने पर सक्रिय है। भारत में भी उनकी कारोबारी

मौजूदगी लगातार मजबूत हुई है, जहां पिछले एक दशक में कंपनी ने करीब 1,800 करोड़ रुपये का लाभ अर्जित किया है।

द ट्रंप ऑर्गनाइजेशन की स्थापना डोनाल्ड ट्रंप के दादा फ्रेडरिक ट्रंप ने 1927 में की थी। ब्लूमबर्ग के अनुसार न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा, शिकागो और वर्जीनिया के अलावा कंपनी के व्यापारिक परियोजनाएं स्कॉटलैंड, आयरलैंड, तुर्की, फिलीपींस, कनाडा और भारत तक फैली हैं। रियल एस्टेट ब्रांडिंग और प्रबंधन के मॉडल पर काम करने वाली इस कंपनी की वार्षिक वैश्विक राजस्व क्षमता करीब 3 अरब डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) आंकी जाती है।

## खुलते ही इस सस्ते आईपीओ पर टूट पड़े निवेशक

### 4 गुना से अधिक भरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** प्राइमरी मार्केट में तीन कंपनियों का आईपीओ खुला है। इन तीन कंपनियों में मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ की हैवी डिमांड है। खुलते ही यह एसएमई आईपीओ पूरी तरह से भर गया है। कंपनी के आईपीओ का साइज 16.10 करोड़ रुपये का है। आईपीओ के जरिए कंपनी 37.44 लाख फ्रेश शेयर जारी करेगी। दोपहर 12.45 मिनट तक के डाटा के अनुसार इस आईपीओ को अबतक 4 गुना से अधिक सब्सक्राइब किया जा चुका है।

रिटेल कैटगरी में आईपीओ को सबसे अधिक 6.92 गुना सब्सक्रिप्शन मिला है। वहीं, एनआईआई कैटगरी में आईपीओ को 1.34 गुना सब्सक्राइब किया जा चुका है। हालांकि, क्यूआईबी में अभी तक कोई भी बोली प्राप्त नहीं हुई है।

**12 अगस्त तक खुला रहेगा आईपीओ-** मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ निवेशकों के लिए 12 अगस्त तक खुला रहेगा। शेयरों का अलॉटमेंट 13 अगस्त 2025 को प्रस्तावित है। वहीं, एनएसई एसएमई में कंपनी की लिस्टिंग 18 अगस्त 2025 को प्रस्तावित है।

**43 रुपये है प्राइस बैंड-** मेडीस्टेप हेल्थकेयर आईपीओ का प्राइस बैंड 43 रुपये है। कंपनी ने 3000 शेयरों का एक लॉट बनाया है। रिटेल निवेशकों को एक साथ 2 लॉट पर दांव लगाना होगा। जिसकी वजह से एक रिटेल निवेशक को कम से कम 2,58,000 रुपये का निवेश करना होगा।

### अर्थशास्त्रियों का दावा

### मनमाने टैरिफ से जीडीपी में 0.4 फीसदी की आएगी गिरावट

# निर्यातकों को भारी नुकसान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने से चालू वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर में 0.4 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इस टैरिफ का असर वस्त्र, कीमती पत्थर, इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटो पार्ट्स और एमएसएमई क्षेत्र पर पड़ सकता है। ट्रंप के इस कदम से न सिर्फ भारत का निर्यात प्रभावित होगा, बल्कि श्रम आधारित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में रोजगार संकट उत्पन्न होगा।

6.4-6.6 प्रतिशत वृद्धि दर जोखिम = बैंक ऑफ बड़ौदा की अर्थशास्त्र विशेषज्ञ सोनल बधान का कहना है, हमने भारतीय वस्तुओं पर 25 फीसदी टैरिफ से जीडीपी में 0.2 फीसदी की गिरावट का अनुमान लगाया था। अब 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया गया है। अगर भारत व्यापार वार्ता में टैरिफ दर कम कराने में नाकाम रहता है, तो इससे चालू वित्त वर्ष में 6.4-6.6 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने पर जोखिम उत्पन्न हो जाएगा।

### अब व्यापार संभव नहीं

बैंकिंग एवं बाजार विशेषज्ञ अजय बग्गा ने कहा, 50 फीसदी का भारी टैरिफ भारत के लिए बड़ा झटका है। लेकिन, सच कहूं तो एक बार जब यह 25 फीसदी के पार कर गया, तो टैरिफ 1,000 फीसदी हो या 5,000 फीसदी, अब व्यापार संभव नहीं है। उन्होंने कहा, क्रिसमस के ऑर्डर तैयार हैं। शिपमेंट तैयार है। ऐसे में निर्यातकों को भारी नुकसान पहुंचेगा। अगर एक अरब डॉलर के कपड़ा निर्यात को रोका जाता है, तो सीधा असर एक लाख श्रमिकों पर पड़ेगा।

### संतुलित समाधान की जरूरत

वैश्विक पेशेवर सेवा संगठन ईवाई इंडिया में व्यापार नीति प्रमुख अग्निश्वर सेन ने अतिरिक्त टैरिफ को अनावश्यक बताया। उन्होंने कहा, राजनीतिक मतभेदों को बातचीत और स्थापित मंचों के जरिये सुलझाया जा सकता है, न कि ऐसे उपायों से। उम्मीद है कि भारत सरकार अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखेगी और संतुलित समाधान की कोशिश करेगी।

- **अब निर्यात ऑर्डर रोकने लगे हैं खरीदार** : भारतीय निर्यात संगठनों के महासंघ फियो ने कहा, भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लगाने का अमेरिका का फैसला बेहद चौंकाने वाला है। इस कदम से अमेरिका में 55 फीसदी निर्यात पर असर पड़ेगा। भारतीय निर्यातकों को कम जवाबी टैरिफ वाले देशों की तुलना में 30-35 फीसदी प्रतिस्पर्धात्मक नुकसान होगा। फियो अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, उच्च टैरिफ के कारण कई खरीदार अब निर्यात ऑर्डर रोक रहे हैं। एमएसएमई के लिए उच्च लागत को वहन करना आसान नहीं है। इससे उद्योगों को पुराने ग्राहक खोने पड़ सकते हैं।
- **75 प्रतिशत घट सकता है निर्यात 1.25 लाख रोजगार पर संकट** : अखिल भारतीय र प्रतिशत एवं आभूषण घरेलू परिषद (जीजेसी) के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने कहा, 27 अगस्त से लागू होने वाला अतिरिक्त 25 टैरिफ स्वर्ण आभूषण निर्यात के लिए बड़ा झटका है।

## अगस्त में नीतिगत दरों स्थिर रखना रिजर्व बैंक का तकनीकी कदम

### एसबीआई ने कहा- 2025 में कटौती की उम्मीद

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आरबीआई के रेपो दरों को तटस्थ रखाने के फैसले को तकनीकी कदम के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार यह निर्णय मुद्रास्फीति अनुमानों और विकास की गतिशीलता से प्रेरित है। रिपोर्ट में यह कहा गया कि वित्त वर्ष 2026 की तीसरी तिमाही तक मुद्रास्फीति तीन प्रतिशत से नीचे रहने की उम्मीद है। लेकिन वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में यह तेजी से बढ़कर 4.9 प्रतिशत हो सकती है। ऐसी स्थिति में मजबूत जीडीपी वृद्धि की उम्मीदों के साथ, वर्तमान 5.5 प्रतिशत रेपो दर टर्मिनल दर साबित हो सकती है।

**5.5 प्रतिशत रेपो रेट अंतिम दर हो सकती है-** एसबीआई ने कहा कि हमारा मानना है कि अगर वित्त वर्ष 2026 के लिए आरबीआई के मुद्रास्फीति अनुमान सही रहते हैं तो 5.5 प्रतिशत रेपो दर अंतिम दर हो सकती है। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश सीमित है, क्योंकि नीतिगत कदम पहले ही उठाए जा चुके हैं और साल की पहली छमाही में जीडीपी वृद्धि दर मजबूत रहने की उम्मीद है। इससे ब्याज दरों कटौती की संभावना और बढ़ गई है।

**महांगाई कम रही तो और कटौती की उम्मीद-** हालांकि, अगर महंगाई कम रहती है, तो ब्याज दरों में अधिकतम 25 आधार अंकों की कटौती की गुंजाइश हो सकती है।

## टमाटर-प्याज और आलू की कीमतें घटने से शाकाहारी थाली 14 प्रतिशत सस्ती

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टमाटर, प्याज और आलू की कीमतें घटने से जुलाई में घर में पकने वाली शाकाहारी थाली सालाना आधार पर 14 फीसदी सस्ती होकर 28.1 रुपये पर आ गई। जुलाई, 2024 में यह 32.6 रुपये थी। हालांकि, मासिक आधार पर जून के 27.1 रुपये की तुलना में कीमत 4 फीसदी बढ़ी है। क्रिसिल की रिपोर्ट के मुताबिक, चिकन सस्ता होने से सालाना आधार पर मांसाहारी थाली 61.4 रुपये से 13 प्रतिशत घटकर 53.5 रुपये पर आ गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सालाना आधार पर भले टमाटर, प्याज और आलू के दाम घटे हैं, लेकिन मासिक आधार पर इनके दाम तेजी से बढ़े हैं। उदाहरण के तौर पर जुलाई में कुछ शहरों में टमाटर 100 रुपये किलो पहुंच गया। प्याज का भाव 50 रुपये के करीब है। टमाटर की कीमतें सालाना आधार पर 36 प्रतिशत गिरकर जुलाई में 66 रुपये प्रति किलोग्राम से 42 रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं। आलू और प्याज की कीमतों में पिछले साल की तुलना में क्रमशः 30 प्रतिशत और 36 प्रतिशत की गिरावट आई है।

### वनस्पति तेल 20 फीसदी महंगा

कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) में कमी के बावजूद, वनस्पति तेल की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 20 प्रतिशत की वृद्धि हुई है क्योंकि कम बीसीडी का लाभ अभी तक पूरी तरह से ग्राहकों तक नहीं पहुंचा है। इसके अतिरिक्त, तरलीकृत पेट्रोलियम गैस सिलेंडर की कीमतों में पिछले साल की तुलना में 6 प्रतिशत की वृद्धि ने थाली की कुल लागत में गिरावट को सीमित कर दिया है। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट सब्जियों जैसे प्याज और टमाटर की कम कीमतों के कारण हुई। ब्रॉयलर की कीमतों में 12 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट आई। मांसाहारी थाली की कुल लागत में चिकन का योगदान 50 फीसदी है।

### छोटी सी दुकान से हर कोई चौंका...

# अब हो रही पैसों की बारिश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** बेंगलुरु के पंकज खाबिया ने अपनी मेहनत और सूझबूझ से कुछ ही सालों में एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। 2013 में उन्होंने एक बड़ा कदम उठाया। पंकज ने वीगन फुटवियर ब्रांड एथिक की नींव डाली। तब उनकी उम्र सिर्फ 23 साल थी। एक छोटे से स्टोर से इसे शुरू किया गया था। लेकिन, दिसंबर 2019 में एथिक ने सिर्फ ऑनलाइन मॉडल अपना लिया। यह पंकज और उनके बिजनेस के लिए महत्वपूर्ण मोड़ था। इस बदलाव से बिक्री में चार चांद लग गए। कंपनी ने तब से 1.5 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री की है। एथिक ऐसे जूते और एक्सेसरीज बनाती है जो चमड़े जैसे दिखते हैं। लेकिन, इन्हें बनाने में माइक्रोफाइबर और प्लांट सेलुलोज जैसे गैर-चमड़े के मटेरियल का इस्तेमाल होता है। यह हिंसा-मुक्त प्रोडक्ट बनाने के मकसद को पूरा करता है। आइए, यहां पंकज खाबिया की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पंकज बेंगलुरु के रहने वाले हैं। उन्होंने 2008 में श्री भगवान महावीर जैन कॉलेज, बेंगलुरु से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद वह अपने परिवार के थोक कपड़ों के व्यवसाय में शामिल हो गए। पंकज का जैन धर्म में पालन-पोषण हुआ। उनकी आध्यात्मिक मान्यताओं ने उन्हें फॉर्मल फुटवियर का वीगन ब्रांड बनाने के लिए प्रेरित किया।

### रणनीति बदलने का हुआ फायदा

दिसंबर 2019 में पंकज ने अपने सह-संस्थापक भरत रांका के साथ मिलकर एक बड़ा फैसला लिया। उन्होंने अपना फिजिकल स्टोर बंद कर दिया। इसकी जगह पूरी तरह से ऑनलाइन-ओनली मॉडल पर चले गए। भरत ने 95 लाख रुपये का निवेश किया और ब्रांड की मार्केटिंग को पूरी तरह से बदल दिया। इस बदलाव के बाद कंपनी की बिक्री में जबरदस्त उछाल आया। रणनीति में बदलाव के एक साल बाद ही एथकि ने 40 लाख रुपये का रेवेन्यू कमाया। इस ऑनलाइन बदलाव के बाद से अब तक कुल 1.3 करोड़ रुपये से ज्यादा की बिक्री हो चुकी है।

### शुरुआत में आईं काफी मुश्किलें

पंकज ने 2013 में 25 लाख रुपये के शुरुआती निवेश के साथ बेंगलुरु की चर्च स्ट्रीट पर 450 वर्ग फीट की दुकान में एथिक की शुरुआत की थी। उनकी रणनीति प्रीमियम गैर-चमड़े के जूते बनाने की थी। उन्हें विश्वास था कि भारत में भी वीगन फैशन की मांग बढ़ेगी। शुरुआती वर्षों में एथिक ने धीमी रफ्तार से विकास किया।

**तेजी से हो रहा है विस्तार-** एथिक अब सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं है। उसके उत्पाद वेबसाइट के जरिये ब्रिटेन में भी बिकते हैं। ग्राहकों के सीधे संपर्क से दुनिया भर में उत्पादों की शिपिंग होती है। ब्रांड अमेरिका और यूरोप जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में डिजिटल रूप से विस्तार करने की योजना बना रहा है। इसके अलावा, एथिक के उत्पाद मिंत्रा, आजियो और अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हैं।

### वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी ने की नई ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी की घोषणा

**मुंबई, एजेंसी।** वॉर्नर ब्रदर्स डिस्कवरी एक नयी इंडियन ओरिजिनल डॉक्यू-सीरीज़ 'एक था राजा विद अकुल त्रिपाठी' लॉन्च करने जा रहा है, जो रात 9 बजे डिस्कवरी चैनल और डिस्कवरी+ पर विशेष रूप से प्रसारित होगी। यह शो दिलचस्प कहानी कहने के अंदाज़ को समृद्ध ऐतिहासिक किस्सों के साथ जोड़ता है और भारत के मशहूर और गुमनाम राजाओं-रानियों की बहादुरी और हिम्मत को फिर से ज़िंदा करता है। इसमें गोरिल्ला युद्ध रणनीति बनाने वाले योद्धाओं, नौसेना के जांबाज़ सिपाहियों और साम्राज्य बनाने वालों की कहानियाँ शामिल हैं। यह आठ एपिसोड की सीरीज़ दर्शकों को समय और ज्योग्राफिकल बाउंडरीज़ के पार ले जाती है।

## शेरा एनर्जी ने क्यू1 एफवाय26 में समेकित पीबीटी में 52 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की

**मुंबई, एजेंसी।** शेरा एनर्जी लिमिटेड जो गैर-लौह धातुओं से बने वाइंडिंग वायर और स्ट्रिप्स की अग्रणी निर्माता कंपनियों में से एक है, ने क्यू1 एफवाय26 के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, शेरा एनर्जी लिमिटेड के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम शेख ने कहा- हमने वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही को मजबूत गति के साथ पूरा किया है, जो वित्तीय वृद्धि और रणनीतिक प्रगति ङ्क दोनों से परिपूर्ण रही।

हमारा समेकित प्रदर्शन प्रमुख क्षेत्रों में स्वस्थ मांग और हमारे एकीकृत व्यावसायिक मॉडल की निरंतर मजबूती को दर्शाता है। इस तिमाही की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक रही हमारी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, शेरा ज़ाम्बिया लिमिटेड के माध्यम से ज़ाम्बिया में कॉपर कैथोड निर्माण सुविधा का अधिग्रहण। यह कदम हमारी बैकवर्ड इंटीग्रेशन क्षमताओं को मजबूत करता है, जिससे हमें उच्च-शुद्धता वाले तांबे की स्थायी आपूर्ति सुनिश्चित होती है, जो हमारे उत्पादों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है। इससे हमारे लागत ढांचे में सुधार होगा, मार्जिन विस्तार को बल मिलेगा और आपूर्ति श्रृंखला की दीर्घकालिक मजबूती सुनिश्चित होगी। एनएसई द्वारा हमारे प्रेफरेंशियल इक्विटी शेयर्स को मंजूरी मिलना भी निवेशकों के विश्वास को दर्शाता है और हमारे भविष्य के विस्तार के लिए पूंजी आधार को और मजबूत करता है। हमारी विकास रणनीति वैश्विक और घरेलू बाजारों की बदलती ज़रूरतों के साथ अच्छी तरह से जुड़ी हुई है। वैश्विक वाइंडिंग वायर बाजार के 2024 में 14.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर 2030 तक 23.02 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है, जो ऑटोमोटिव, औद्योगिक मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बढ़ती मांग के कारण है। उच्च गुणवत्ता वाले वाइंडिंग वायर और गैर-लौह धातु उत्पादों के अग्रणी निर्माताओं में से एक के रूप में, शेरा एनर्जी इस अवसर का पूरा लाभ उठाने के लिए अच्छी तरह से तैयार है। इसके अलावा, इलेक्ट्रिक वाहनों, ऊर्जा संक्रमण और बुनियादी ढांचे के विकास से प्रेरित तांबे की बढ़ती मांग हमारे हालिया रणनीतिक पहलों की प्रासंगिकता को और बढ़ाती है। आगे देखते हुए, हम अपने संचालन को बढ़ाने, वैश्विक उपस्थिति का विस्तार करने और अपने पोर्टफोलियो में नवाचारपूर्ण, वैल्यू-एडेड उत्पादों को प्रदान करने पर केंद्रित हैं।

### मेकमायट्रिप ने लॉन्च किया बहुभाषी जनरेटिव एआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट - यात्रा बुकिंग को बनाया संवादात्मक और समावेशी

# एजेंटिक एआई फ्रेमवर्क पर आधारित यह सिस्टम रियल-टाइम में लाखों ट्रैवल फैसलों को देगा ताकत

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत की सबसे बड़ी ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी, मेकमायट्रिप ने ट्रैवल प्लानिंग को सरल, संवाद-आधारित और सभी के लिए सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। कंपनी ने जनरेटिव एआई-इनेबल्ड ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट लॉन्च किया है, जो यात्रा की खोज से लेकर बुकिंग, यात्रा के दौरान और उसके बाद तक हर चरण में यूजर्स की मदद करेगा। यूजर्स को उनके पूरे सफर में बातचीत के माध्यम से सहायता मिलेगी, जिसमें डेस्टिनेशन की तलाश, खरीदारी, यात्रा के दौरान, और बिक्री के बाद के परिदृश्य शामिल हैं। नया जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट पुराने एआई एजेंट मायरा का बेहतर वर्जन है, जो अब आवाज और टेक्स्ट के ज़रिए यात्रियों से बात कर सकता है। इससे उन लोगों को भी मदद मिलेगी जो अब तक अंग्रेजी भाषा में असहज होने की वजह से ऑनलाइन ट्रैवल बुकिंग से वंचित

थे। मायरा का बीटा वर्जन अभी अंग्रेजी और हिंदी में लाइव है। आने वाले समय में इसे कई अन्य भारतीय भाषाओं में भी लॉन्च किया जाएगा। फिलहाल यह वर्जन शुरुआती यूजर्स के फीडबैक के आधार पर बेहतर संवाद अनुभव के लिए परखा जा रहा है।

इस असिस्टेंट की मदद से यूजर्स आसानी से हिंदी या अंग्रेजी में यात्रा से जुड़े कठिन सवाल भी पूछ सकते हैं, जैसे अगस्त में मैं अपने बच्चों के साथ छुट्टियां मनाने के लिए कहाँ जा सकता हूं या मुझे उदयपुर में 3-स्टार होटल 3500 रुपये के बजट में चाहिए। या मैं दक्षिण भारत में मदुरै, रामेश्वरम, कोवलम, कोडाइकनाल घूमना चाहता हूँ। लेकिन फ्लाइट से नहीं जाना चाहता, कोई अच्छा रूट बताइए। आपको वास्तविक समय में उपलब्धता, कीमतों और प्रासंगिकता के आधार पर अपने सभी सवालों के व्यक्तिगत जवाब मिलेंगे। अधिकांश ग्लोबल एआई प्लेटफ़ॉर्म केवल सुझाव देकर रुक जाते हैं, जबकि मायरा यूजर को प्रेरणा से बुकिंग तक के पूरे सफर में एक ही संवाद में ले जाती है ङ्क जहां उपयोगकर्ता केवल बातचीत के जरिए ही ट्रैवल प्लानिंग से लेकर पक्की बुकिंग तक पहुंच सकता है। जेनएआई ट्रिप प्लानिंग असिस्टेंट, मायरा, सभी प्रमुख यात्रा श्रेणियों-फ्लाइट, एकोमोडेशन, हॉलिडेज़, ग्राउंड ट्रांसपोर्ट, वीजा और फॉरेक्स के लिए विशेष एआई एजेंट्स के नेटवर्क पर बनाया गया है। यह टेक्स्ट, वॉइस, इमेज और वीडियो जैसे मल्टीमॉडल इनपुट्स को सपोर्ट करता है।

# शुभमन गिल दलीप ट्रॉफी में नॉर्थ जोन की कप्तानी करेंगे

**विकेटकीपर ध्रुव जुरेल को सेंट्रल जोन की कमान; 28 अगस्त से डोमेस्टिक सीजन शुरू होगा**

**मुंबई (एजेंसी)।** इंग्लैंड दौरे से लौटने के बाद भारतीय कप्तान शुभमन गिल डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते नजर दिखेंगे। उन्हें डोमेस्टिक सीजन के पहले टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी के लिए नॉर्थ जोन का कप्तान बनाया गया है। गिल के अलावा, भारतीय विकेटकीपर ध्रुव जुरेल सेंट्रल जोन के कप्तान बनाए गए हैं।शुक्रवार को दोनों जोन की टीमें जारी की गई हैं। पिछले हफ्ते भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को वेस्ट जोन का कप्तान बनाया गया था, जबकि गेंदबाजी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को वेस्ट जोन की कमान सौंपी गई है। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाज तिलक वर्मा साउथ जोन के लिए दलीप ट्रॉफी 2025 में खेलेंगे और टीम की कप्तानी भी करेंगे। दलीप ट्रॉफी 28 अगस्त से शुरू हो रही है।दलीप ट्रॉफी का पिछला टाइटल मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली इंडिया ए ने जीता था। टीम ने फाइनल राउंड में इंडिया सी को 132 रन से हराया।भारतीय कप्तान शुभमन गिल शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 4 शतकों के सहारे 754 रन बनाए थे। उनकी टीम में आयुष बडोनी, यश धुल, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और अंशुल कम्बोज जैसे खिलाड़ी हैं। नॉर्थ जोन का पहला मैच ईस्ट जोन होगा। जो बेंगलुरु स्थित क्क्षट्ठ के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड में 28 से 31 अगस्त तक खेला जाएगा।

गिल ने पिछले साल भी दलीप ट्रॉफी में खेला था और पहले मैच में इंडिया ए टीम की कप्तानी की थी। हालांकि, उनकी कप्तानी में इंडिया ए को अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई वाली इंडिया बी टीम के खिलाफ 76 रनों से हार का सामना करना पड़ा था। गिल ने रणजी ट्रॉफी के पिछले सीजन में पंजाब की कप्तानी की थी।

## काउंटी क्रिकेट के वनडे में तिलक का अर्धशतक

**लंदन (एजेंसी)।** भारतीय टी-20 स्पेशलिस्ट तिलक वर्मा ने इंग्लैंड में चल रहे काउंटी क्रिकेट लीग के वनडे कप में गुरुवार को साउथंप्टन में खेले गए ग्रुप-ए मुकाबले में अपनी टीम हैम्पशायर के लिए एसेक्स के खिलाफ 54 रन की पारी खेली। उन्होंने जो वीदरली के साथ 98 रन की पार्टनरशिप भी की। वीदरली ने इस मैच में नाबाद शतक जड़ा। हैम्पशायर ने इस मैच में एसेक्स को 5 विकेट से हराया। हैम्पशायर इस जीत के साथ पॉइंट टेबल में टॉप पर पहुंच गई है, जबकि दो मैचों में दो हार के साथ एसेक्स फिलहाल आठवें स्थान पर है। एसेक्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 285 रन बनाए। 286 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी हैम्पशायर ने 46.2 ओवर में 5 विकेट खोकर 288 रन बना लिए। एसेक्स की ओर से चार्ली एलिसन, टॉम वेस्ले और रॉबिन दास ने अर्धशतक बनाएं इससे पहले हैम्पशायर के कप्तान निक गबिन्स ने टॉस जीतकर फील्डिंग करने का फैसला किया। एसेक्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में सभी विकेट खोकर चार्ली एलिसन, टॉम वेस्ले और रॉबिन दास के अर्धशतकों की बदौलत स्कोर बोर्ड पर 285 रन बना दिए थे। एलिसन ने 80, वेस्ले ने 61 जबकि दास ने 50 रन बनाए थे।

## पाकिस्तानी क्रिकेटर हैदर इंग्लैंड में मैच के दौरान गिरफ्तार

**लंदन (एजेंसी)।** पाकिस्तान के युवा बैटर हैदर अली को इंग्लैंड में रेप के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मामला 3 अगस्त का है, जानकारी अब सामने आई है। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के मुताबिक 24 साल के बल्लेबाज हैदर पाकिस्तान ए टीम (पाकिस्तान शाहीन) का हिस्सा हैं। 3 अगस्त को वह कैंटरबरी मैदान में एमसीएसएसी (मेलबर्न क्रिकेट क्लब की टीम) के खिलाफ मैच खेल रहे थे। तभी ग्रेटर मैनचेस्टर पुलिस उन्हें मैदान से ही गिरफ्तार करके ले गई। बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया, लेकिन उनका पासपोर्ट जब्त कर लिया गया है ताकि वे देश से बाहर न जा सकें। इस घटना के सामने आने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने हैदर अली को फिलहाल सस्पेंड कर दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, हैदर पर रेप का आरोप लगाने वाली लड़की पाकिस्तानी मूल की है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के एक प्रवक्ता ने कहा, हमें गिरफ्तारी की जानकारी दी गई। हैदर को जांच पूरी होने तक निलंबित कर दिया गया है, और हम च में अपनी जांच करेंगे। बोर्ड इस मुश्किल समय में हैदर की कानूनी मदद करेगा। पाकिस्तान ए टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक च दौरे पर थी पाकिस्तान ए टीम 17 जुलाई से 6 अगस्त तक च के दौरे पर थे और उन्होंने दो तीन-दिवसीय मैच खेले, दोनों ड्रॉ रहे। वहीं तीन मैचों की वनडे सीरीज को 2-1 से जीती। कप्तान सऊद शकील और हैदर को छोड़कर ज्यादातर खिलाड़ी बुधवार को च से लौट आए। सऊद शकील निजी कारणों से दुबई में रुके हुए हैं।
पाकिस्तान के लिए 2 वनडे और 35 टी-20 खेले हैं
हैदर अली को एक समय पाकिस्तान क्रिकेट का उभरता सितारा माना जाता था। उन्होंने पाकिस्तान के लिए 2 वनडे और 35 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। हैदर ने 2020 अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी हिस्सा लिया था, जहां भारत के यशस्वी जायसवाल के साथ उन्हें पाकिस्तान के सबसे होनहार खिलाड़ियों में गिना गया था।

## अर्जुन की जीत से शुरुआत, निहाल जर्मनी के विन्सेंट से हारे

**चेन्नई (एजेंसी)।** भारत के अब तक के सबसे मजबूत ग्रांड मास्टर्स क्लासिकल शतरंज टूर्नामेंट क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रांड मास्टर्स शतरंज के पहले दिन पहले राउंड के पाँच मुकाबलों मे दो परिणाम जीत और हार के तौर पर सामने आए जबकि तीन बाज़ियाँ बेनतीजा रही। प्रतियोगिता के टॉप सीड ग्रांड मास्टर भारत के अर्जुन एरीगैसी नें एक बार फिर अपने अभियान आरंभ जीत के साथ किया है, अर्जुन नें यूएसए के आवोण्डर लियांग के खिलाफ सफ़ेद मोहरो से राय लोपेज ओपनिंग मे एक प्यादा कुर्बान करते हुए रोचक बाजी खेली और 49 चालों मे जीत दर्ज की। वहीं भारत के निहाल सरीन को जर्मनी के विन्सेंट केमर के खिलाफ एक करेबी हार का सामना करना पड़ा, काले मोहरो से गुर्नफ़ील्ड ओपनिंग मे अंत तक चले मुक़ाबले मे लगभग ड्रॉ होती बाजी मे पराजय का सामना करना पड़ा। अन्य तीन मुकाबलों मे भारत के विदित गुजराती नें नीदरलैंड के वान फॉरेस्ट जॉर्डन से, नीदरलैंड के अनीश गिरि ने यूएसए के रोबसोन रे से और भारत के दोनों खिलाड़ियों मुरलाई कार्तिकेयन और प्रणव वी के बीच बाजी बेनतीजा रही। अब कल अर्जुन वान फॉरेस्ट से, विदित रोबसन से, निहाल अनीश से, प्रणव विन्सेंट से और मुरली लियांग से मुक़ाबला खेलेंगे।

## मैग्नस कार्लसन बने पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 चैंपियन

**रियाद, सऊदी अरब (एजेंसी)।** विश्व नंबर एक नॉर्वे के ग्रांडमास्टर मैग्नस कार्लसन (टीम लिक्विड) ने ईरान के ग्रांडमास्टर अलीरेज़ा फिरौज़जा (टीम फाल्कन्स) को फाइनल में लगातार दो सेटों में 3-1, 3-1 से हराकर पहले शतरंज ई-स्पोर्ट्स विश्व कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ कार्लसन ने न केवल इतिहास रच दिया बल्कि 2,50,000 डॉलर की पुरस्कार राशि और अपनी टीम के लिए 1000 अंक भी अर्जित किए। फाइनल मुकाबला टेनिस की तरह तीन सेटों का था, जिसमें प्रत्येक सेट चार बाजियों का था। अगर ज़रूरत पड़ती तो तीसरा सेट दो बाजियों का होता। कार्लसन ने पहला सेट दो जीत और दो ड्रॉ से 3-1 से जीता। दूसरा सेट फिरौज़जा ने एक जीत से शुरू किया, पर अगले तीनों बाजियाँ हारकर मैच भी गँवा दिया।तीसरे स्थान का मुकाबला-अमेरिका के ग्रांडमास्टर हिकारू नाकामुरा (टीम फाल्कन्स) ने भारत के ग्रांडमास्टर अर्जुन एरिगैसी (टीम जेन.जी) को 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया। अर्जुन ने पहली बाजी में जीत दर्ज की थी, इसके बाद मुकाबला बराबरी पर चलता रहा लेकिन निर्णायक बाजी नाकामुरा ने जीतकर कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

## रविचंद्रन अश्विन चेन्नई से अलग हो सकते हैं

**संजू की राजस्थान से ट्रेड या रिलीज की मांग, सीएसके, केकेआर दिखा रही हैं रुचि**

**चेन्नई (एजेंसी)।** एमएस धोनी, ऋतुराज गायकवाड और संजू सैमसन इन दिनों चेन्नई में हैं। इससे आईपीएल 2026 के लिए प्लेयर्स के ट्रेड एंड रिलीज की चर्चाएं तेज हैं। क्रिकबज ने लिखा- दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन चेन्नई सुपरकिंग्स से अलग हो सकते हैं। वेबसाइट ने यह दावा- फ्रेंचाइजी के एक बड़े अधिकारी की एमएस धोनी और ऋतुराज गावकवाड की मीटिंग के बाद किया है। एक दिन पहले एक रिपोर्ट में कहा गया था कि कप्तान संजू सैमसन ने राजस्थान रॉयल्स (आरआर) से छोटी नीलामी से पहले खुद को ट्रेड या रिलीज करने का अनुरोध किया हैं। हालांकि, इन दोनों पर दोनों फ्रेंचाइजीज ने अधिकृत तौर पर कुछ नहीं कहा है।

### संजू ने राजस्थान के लिए 155 मैच खेले

संजू 2015 में कोलकाता नाइट राइडर्स से रिलीज होकर राजस्थान से जुड़े थे और तब से इस फ्रेंचाइजी का चेहरा बन चुके हैं। सिर्फ 2016 और 2017 में टीम के निलंबन के दौरान नहीं खेले। उन्होंने राजस्थान की ओर से 149 मैच खेले और 4027 रन बनाए हैं। वह राजस्थान की ओर से सबसे अधिक रन बनाने वाले और सबसे सफल कप्तान भी हैं।

### सीएसके, केकेआर और डीसी दिखा रही हैं रुचि

संजू को अपने साथ जोड़ने के लिए सीएसके, केकेआर और डीसी रुचि दिखा रही हैं। इंडियन एक्सप्रेस के मुताबिक पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स सैमसन को अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। 2025 के खत्म होने के बाद से ही सैमसन ने संयुक्त राज्य अमेरिका में सीएसके मैनेजमेंट और उनके मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग से मुलाकात भी की।

## भारत अब वेस्टइंडीज, साउथ अफ्रीका से टेस्ट खेलेगा

**दोनों से 4 मैच, सभी जीते तो डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल के टॉप-2 में आने का मौका**

**नईदिल्ली (एजेंसी)।** भारत ने इंग्लैंड में 5 टेस्ट की सीरीज 2-2 से ड्रॉ खेलकर वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) पॉइंट्स टेबल में तीसरे नंबर पर जगह बना ली। टीम के 28 पॉइंट्स हैं। भारत को अब इसी साल होमग्राउंड पर वेस्टइंडीज और साउथ अफ्रीका से टेस्ट सीरीज खेलनी हैं। दोनों को जीतकर टीम टॉप-2 टीमों में जगह बना सकती है।

### ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका टॉप-2 टीमें

डब्ल्यूटीसी का नया साइकल भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज से ही शुरू हुआ। इस दौरान वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका ने बांग्लादेश से घरेलू मैदान पर सीरीज खेलीं। न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका की टीमें अब तक कोई सीरीज नहीं खेल सकीं। 3 टेस्ट जीत से 100 प्रतिशत पॉइंट्स लेकर ऑस्ट्रेलिया नंबर-1 पर है। वहीं 1 जीत और 1 ड्रॉ से 67त्व पॉइंट्स लेकर श्रीलंका दूसरे नंबर पर है। भारत तीसरे, इंग्लैंड चौथे, बांग्लादेश पांचवें और वेस्टइंडीज छठे नंबर पर हैं। बाकी 3 टीमों का खाता नहीं खुला।

### सीरीज ड्रॉ तो भारत को इंग्लैंड से ज्यादा पॉइंट्स क्यों?

एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में भारत और इंग्लैंड दोनों ने 2-2 टेस्ट जीते। वहीं दोनों के बीच 1 मुकाबला ड्रॉ रहा। एक जीत से 12 पॉइंट्स और 1 ड्रॉ से 4 पॉइंट्स मिलते हैं। इसलिए दोनों टीमों को पॉइंट्स तो 28-28 ही मिले, लेकिन इंग्लैंड पर आईसीसी ने पेनल्टी भी लगा दी। तीसरे टेस्ट में स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर 2 पॉइंट्स की पेनल्टी लगे, जिस कारण उनके 26 पॉइंट्स हो गए और टीम चौथे नंबर पर खिसक गई।

### भारत अब अक्टूबर में सीरीज खेलेगा

डब्ल्यूटीसी के एक साइकल में टीमें 6 टेस्ट सीरीज खेलती हैं, 3 अपने होमग्राउंड पर और 3 विदेशी टीमों के होमग्राउंड पर। भारत ने इंग्लैंड में सीरीज खेल ली। अब टीम इसी साल अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू मैदान पर 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। अगले ही महीने फिर टीम साउथ अफ्रीका से भी घर में ही 2 टेस्ट की सीरीज खेलेगी। होमग्राउंड पर चारों टेस्ट जीतकर टीम इंडिया के 76 पॉइंट्स हो जाएंगे। जिनसे 70त्व पॉइंट्स के साथ भारत पॉइंट्स टेबल में नंबर-2 पर पहुंच जाएगा। फिलहाल श्रीलंका के करीब 67 प्रतिशत पॉइंट्स हैं। इस दौरान भारत का एक भी मैच ड्रॉ रहा तो टीम तीसरे नंबर पर ही रहेगी। इससे खराब नतीजे होने पर टीम नंबर-3 से नीचे भी जा सकती है। फाइनल में पहुंचने की उम्मीदें बनाए रखनी हैं तो भारत को होमग्राउंड पर सभी मैच जीतने ही होंगे।

**होमग्राउंड से बाहर भारत की टेस्ट सीरीज**

| खिलाफ | टेस्ट | कब/नतीजा |
|---|---|---|
| श्रीलंका | 2 | अगस्त, 2026 |
| न्यूजीलैंड | 2 | अक्टूबर, 2026 |
| इंग्लैंड | 5 | 2-2 से ड्रॉ रही |

### अगले साल न्यूजीलैंड और श्रीलंका से सीरीज

2026 में टीम इंडिया को न्यूजीलैंड और श्रीलंका जाकर 2-2 टेस्ट की सीरीज खेलनी है। इनके नतीजों से तय होगा कि टीम को फाइनल में पहुंचने के लिए आखिरी सीरीज में कितनी जीत की जरूरत पड़ेगी। भारत की आखिरी सीरीज फरवरी 2027 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होमग्राउंड पर ही होगी। कंगारू टीम पिछले 2 दौरों पर भारत को 1-1 टेस्ट हरा चुका है। इसलिए ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले ही टीम इंडिया को फाइनल में अपनी जगह पक्की कर लेनी होगी।

## जयपुर में मैच-फिक्सिंग से घिरे आयोजक करा रहे थे लीग

**जयपुर (एजेंसी)।** जयपुर में पूर्व इंटरनेशनल क्रिकेटरों वाली लेजेन टी-10 लीग मैच शुरू होने से कुछ घंटे पहले कैंसिल हो गई। खेल परिषद को लीग आयोजकों के मैच फिक्सिंग के आरोपी से घिरे होने की जानकारी मिली थी। सवाई मानसिंह स्टेडियम (एसएमएस) में शुक्रवार (8 अगस्त) से लीग की शुरुआत होनी थी। इसके लिए रॉस टेलर हर्शल गिब्स जैसे क्रिकेटर जयपुर पहुंचे हैं।खेल विभाग के सचिव का कहना है आयोजकों ने कोई पैसा जमा नहीं कराया है। इसलिए उनका सामान भी जब्त किया जाएगाइस लीग का आयोजन क्रिक प्लेक्स स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राईवेट लिमिटेड करा रहा था। लीग के फाउंडर चिरंजीवी दुबे पर मैच फिक्सिंग और खिलाड़ियों के साथ चौथ वसूली के आरोप हैं।वहीं, लीग के को-फाउंडर मीनाक्षी अग्रवाल के पति दीपक अग्रवाल पर आईसीसी प्रतिबंध भी लग चुका है। इसलिए खेल परिषद ने परमिशन कैंसिल कर दी है। आयोजकों को नोटिस देकर उन पर लगे आरोपों पर भी सवाल पूछा गया है। खेल परिषद ने इनकी पहचान को संदिग्ध बताया है। इनकी कंपनी क्रिक प्लेक्स स्पोर्ट्स मैनजमेंट पर मैच फिक्सिंग, सट्टेबाजी और वित्तीय धोखाधड़ी के आरोप हैं।

## वेलम्मल स्कूल बना फीडे विश्व स्कूल्स टीम शतरंज चैम्पियन

**एलेक्ज़ेंड्रिया, वर्जीनिया, अमेरिका (एजेंसी)।** विश्व चंपोइओन डी गुकेश और प्रज्ञानन्दा के स्कूल के नाम से पहचान रखने वाले भारत की वेलम्मल एमएचएस स्कूल चेन्नई ने एक बार फिर अपने शतरंज प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए 2025 फीडे विश्व स्कूल्स टीम चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। अमेरिका के एपिस्कोपल हाई स्कूल के सुंदर परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में विश्वभर से युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने भाग लिया। आठ राउंड में सभी मैच जीतकर वेलम्मल एमएचएस ने स्वर्ण पदक पर कब्ज़ा जमाया। यह जीत भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी सफलता है। वेलम्मल स्कूल इससे पहले भी कई प्रतिष्ठित खिताब जीत चुका है, और इस स्कूल के पूर्व छात्र ग्रैंडमास्टर डी गुकेश, आर. प्रग्गानंधा और लियॉन मेंडोंका जैसे नाम आज विश्व शतरंज में प्रसिद्ध हैं। प्रतियोगिता के अंतिम राउंड में वेलम्मल पहले ही अपराजेय बढ़त बना चुका था।दूसरे स्थान के लिए संघर्ष बेहद रोमांचक रहा, जहां सात टीमें आखिरी राउंड तक रेस में थीं। अंततः कजाखस्तान के नेशनल स्कूल ऑफ फिजिक्स एंड मैथेमैटिक्स ने रजत पदक जीता। अमेरिका की द हार्कर स्कूल ने भी समान अंक अर्जित किए, पर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रही। चौथे स्थान पर कजाखस्तान की ही अस्ताना 2 आरएसपीएम रही।

## बेंगलुरु में विमेंस वर्ल्ड कप मैचों पर संकट

**स्टेट एसोसिएशन को कर्नाटक सरकार से नहीं मिली मंजूरी, यहां 4 मैच खेले जाने हैं**

**बेंगलूर (एजेंसी)।** आईसीसी विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेला जाना है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 30 सितंबर से होगी और फाइनल मैच 2 नवंबर को खेला जाएगा। टूर्नामेंट का पहला मैच बेंगलुरु में खेला जाना है। हालांकि इस मैच पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

क्रिकबज की एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्नाटक स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) को अभी तक कर्नाटक सरकार से इस स्टेडियम में इन मैचों के आयोजन के लिए मंजूरी नहीं मिली है। यहां जो मैच खेले जाने हैं उनमें भारत और श्रीलंका के बीच ओपनिंग मैच के अलावा एक सेमीफाइनल भी शामिल है।

चिन्नास्वामी स्टेडियम में बड़े आयोजनों की मेजबानी को लेकर हाल ही में गंभीर सवाल उठे थे। इस साल जून में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान स्टेडियम के आसपास हुई भगदड़ ने सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े किए थे। इस हादसे में 11 लोगों की जान गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। वहीं, केएससीए को महाराजा टी20 टूर्नामेंट को बेंगलुरु से मैसूर शिफ्ट करना पड़ा था।

इस टूर्नामेंट में 28 लीग मैच और तीन नॉकआउट मुकाबले पांच स्थानों बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे। वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं।

2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा, जिसमें आठ टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे क्वालिफाई किया था।

## संक्षिप्त समाचार

### महादेवी हथिनी के लिए एक नई शुरुआत, कोल्हापुर में वंतारा खोलेगा पुनर्वास केंद्र

**कोल्हापुर , एजेंसी।** अनंत अंबानी की वंतारा ने करुणा और सहयोग की मिसाल पेश करते हुए एक ऐसा समाधान सुझाया है, जो जनता की भावनाओं, मठ के नेतृत्व और जानवरों की भलाई - इन सभी के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करता है। यह मामला कोल्हापुर की मंदिर हथिनी महादेवी से जुड़ा है। इसे माधुरी के नाम से भी जाना जाता है। वंतारा ने कोल्हापुर के नंदनी इलाके में महादेवी के लिए एक खास पुनर्वास केंद्र बनाने का प्रस्ताव रखा है। बल्कि कोल्हापुर के लोगों और जैन मठ की उससे भावनात्मक जुड़ाव को भी सम्मान देगा। ऐसा केंद्र भारत में पहली बार बनाया जाएगा। यह पहल दिखाती है कि वंतारा परंपरा के सम्मान के साथ-साथ वैज्ञानिक देखभाल और संवेदनशीलता को भी महत्व देता है। यह केंद्र जैन मठ, महाराष्ट्र सरकार और हाई-पावर कमेटी की सलाह से और अंतरराष्ट्रीय स्तर की हाथी देखभाल के मानकों के अनुसार बनाया जाएगा। अनंत अंबानी की वंतारा टीम यह दिखा रही है कि भावनात्मक जुड़ाव, आधुनिक चिकित्सा और मिलकर काम करने का तरीका - ये सब एक साथ आकर जानवरों की भलाई के लिए बेहतरीन समाधान दे सकते हैं। यह योजना महादेवी की सेहत और आराम को प्राथमिकता देती है और साथ ही यह भी सुनिश्चित करती है कि वह अपनी प्रिय जनता के पास ही रह सके। इस पुनर्वास केंद्र के लिए ज़मीन को वंतारा, जैन मठ और महाराष्ट्र सरकार मिलकर तय करेंगे। ज़मीन और बाकी ज़रूरी मंजूरी मिलते ही वंतारा की एक्सपर्ट टीम काम शुरू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। कोल्हापुर में प्रस्तावित इस केंद्र में महादेवी के लिए कई खास सुविधाएं होंगी - जैसे हाइड्रोथेरेपी तालाब, तैराकी के लिए जगह, लेज़र थेरेपी रूम, और 24×7 वेटरनरी क्लिनिक। इसके अलावा वहां एक कवर किया हुआ नाइट शेल्टर, चेन-फ्री ओपन एरिया, रेत का गड्ढा, रबर की फर्श और मुलायम रेत के टीले भी होंगे, जो महादेवी को आर्थराइटिस और पैर की बीमारियों से उबरने में मदद करेंगे। ये सब सुविधाएं उसकी सेहत, आराम और गरिमा को ध्यान में रखकर बनाई जाएंगी।

### दिल्ली में नेताओं और अफसरों के सरकारी आवासों का बढ़ा किराया, अब कितना देना होगा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** राजधानी में दिल्ली सरकार के नेताओं और अफसरों के सरकारी आवासों का किराया अब बढ़ गया है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने दिल्ली में अपने जनरल पूल के अंतर्गत सभी सरकारी आवासों के लिए लाइसेंस फीस (किराया) में बदलाव किया है। गुरुवार शाम को जारी के मुताबिक नई दरें 5 अगस्त से लागू होंगी। आदेश के अनुसार, सभी टाइप 7 बंगलों पर अब हर महीने 5,430 रुपये लाइसेंस फीस लगेगी। इनमें से अधिकांश बंगले सिविल लाइंस क्षेत्र में स्थित हैं। इस कैटेगरी में आम आदमी पार्टी (आप) के मुखिया और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का आधिकारिक आवास रहा विवादास्पद 6 फ्लैगस्टाफ रोड बंगला भी शामिल है। यह बंगला पीडब्ल्यूडी के जनरल पूल में सबसे बड़ा है, जिसका लिविंग एरिया लगभग 1,908 वर्ग मीटर है, जबकि इस प्रकार के अन्य बंगलों में लिविंग स्पेस 480-600 वर्ग मीटर है। पीडब्ल्यूडी ने कहा, सभी विभागों, जिनके पास पूल आवास मौजूद हैं, उन्हें भी अपने स्तर पर लाइसेंस फीस की निम्न संशोधित दरों को लागू करना होगा और यह भी सुनिश्चित करना होगा कि आवंटियों द्वारा देय लेटेस्ट लाइसेंस फीस इस आदेश के अनुसार लगाई और वसूली जाए। वसंत कुंज और तिलक मार्ग जैसे क्षेत्रों में टाइप 6 क्वार्टरों के लिए, जिनका औसत क्षेत्रफल 160 वर्ग मीटर है, लाइसेंस फीस 2,590 रुपये है, जबकि टाइप 5 क्वार्टरों के लिए यह फीस 1,750 रुपये है। इनमें से अधिकांश क्वार्टर ग्रेटर कैलाश, गुलाबी बाग, मोतिया खान और राष्ट्रमंडल खेल ग्राम में स्थित हैं। मयूर विहार, मॉडल टाउन, कड़कड़डूमा और आसपास के क्षेत्रों में टाइप 4 क्वार्टरों के लिए, जिनका आवासीय क्षेत्रफल 100 वर्ग मीटर से कम है, लाइसेंस शुल्क 880 रुपये है। बता दें कि लाइसेंस फीस पीडब्ल्यूडी द्वारा आवंटियों से संबंधित विभागों से लिया जाने वाला किराया है।

# ग्रेटर नोएडा के भनौता गांव में अवैध निर्माणों पर गरजे बुलडोजर

**ग्रेटर नोएडा , एजेंसी।** ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की टीम ने गुरुवार को ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव में अधिसूचित क्षेत्र की जमीन पर हुए अवैध निर्माण को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया। यहां प्राधिकरण की अनुमति के बिना 24 से अधिक मकान बना थे। कब्जे से मुक्त कराई गई 65 हजार वर्गमीटर जमीन की कीमत 130 करोड़ रुपये आंकी गई है।

प्राधिकरण के उच्चाधिकारियों को सूचना मिली थी कि ग्रेटर नोएडा वेस्ट के भनौता गांव के खसरा संख्या- 131, 207, 228, 294, 295 और 296 में लगभग 65 हजार वर्ग मीटर जमीन पर कॉलोनाइजर और भूमाफिया कॉलोनी काटने की कोशिश रहे हैं। बिना अनुमति के निर्माण कार्य किया जा रहा है। मौके का सर्वे करने पर शिकायत सही पाए जाने पर प्राधिकरण के परियोजना और भूलेख विभाग की टीम भारी पुलिस बल के साथ भनौता गांव में पहुंची और अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

वर्क सर्किल-2 के प्रभारी वरिष्ठ प्रबंधक नरोत्तम सिंह ने बताया कि अवैध कॉलोनी काटने की जानकारी होने पर नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन कॉलोनाइजर चोरी-छिपे निर्माण कार्य करा रहे थे। क्षेत्र में हुए अन्य अवैध निर्माण को चिह्नित किया जा रहा है। अवैध निर्माण के खिलाफ विशेष अभियान जारी है। आठों वर्क सर्किल में अवैध निर्माण की सूची तैयार हो रही है। प्राधिकरण ने 11 जुलाई को हैबतपुर गांव में हिंडन के डूब क्षेत्र में हुए अवैध निर्माण को ढहाया था। भनौता गांव में 25 जून को 40 हजार वर्गमीटर जमीन अवैध कब्जे से मुक्त कराई गई थी,जिसकी कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये आंकी गई थी। प्राधिकरण की टीम ने आमका गांव में 27 जून को अवैध निर्माण हटाया गया था। सुमित यादव, एसीईओ, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण, अवैध निर्माण करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। ग्रेटर नोएडा में कहीं भी जमीन खरीदने से पहले प्राधिकरण से संपर्क कर पूरी जानकारी जरूर प्राप्त कर लें। अवैध कॉलोनी में अपनी गाढ़ी कमाई न फंसाएं।

### नोएडा में यहां बन रहा बेहद खास स्काईवॉक, शून्य जैसा होगा आकार

**नोएडा एजेंसी।** नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-62 मॉडल टाउन गोलचक्कर पर बनने वाले जिले के पहले शून्य आकार के स्काईवॉक के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इसको बनाने के लिए 21 अगस्त तक आवेदन मांगे गए हैं। 22 अगस्त को टेंडर खोला जाएगा। निर्माण कार्य शुरू होने के बाद यह स्काईवॉक एक वर्ष में बनकर तैयार होगा।

यह स्काईवॉक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बने एफओबी को छोड़ते हुए छिजारसी की तरफ जीरो आकार में बनाया जाएगा। स्काईवॉक के निर्माण से सेक्टर-62 में लगने वाले जाम की समस्या का समाधान होगा। इसका निर्माण करीब 28 करोड़ की लागत से होगा। आईआईटी दिल्ली ने हाल ही में इस परियोजना के डिजाइन और बजट को मंजूरी दी थी। मॉडल टाउन गोलचक्कर दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से सटा हुआ है।

## इंदौर की इस बात से प्रभावित महाराष्ट्र की मंत्री ने कही कॉपी करने की बात

**इंदौर, एजेंसी।** महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री पंकजा मुंडे इंदौर शहर के कचरा प्रबंधन मॉडल को देखकर इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने ना केवल इसकी सराहना की बल्कि यह भी कहा कि वह देश के इस सबसे साफ शहर में स्वच्छता के लिए किए गए नवाचारों को अपने राज्य में भी दोहराएंगी। मुंडे महाराष्ट्र सरकार की एक टीम के साथ बुधवार को इंदौर में थीं और यहां के कचरा प्रबंधन मॉडल को समझने के लिए आई थीं। इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम के अधिकारियों ने उन्हें शहर की कचरा प्रबंधन प्रणाली से संबंधित विभिन्न केंद्रों का दौरा कराया और उनके बारे में जानकारी दी। इसके बाद उन्होंने सफाई के क्षेत्र में इंदौर द्वारा हासिल की गई कामयाबी की तारीफ करी और यहां किए गए प्रयोगों को महाराष्ट्र के शहरों में भी दोहराने की बात कही।

इस बारे में संवाददाताओं से बात करते हुए मुंडे ने कहा, इंदौर ने पिछले 10 वर्षों में जनता और गैर-सरकारी संगठनों को साथ लेकर बेहद प्रभावशाली तरीके से स्वच्छता के क्षेत्र में शीर्ष स्थान हासिल किया है। हम निश्चित रूप से स्वच्छता के क्षेत्र में इस शहर में हुए कुछ नवाचारों को महाराष्ट्र में दोहराना चाहेंगे। उन्होंने यहां तक कहा कि स्वच्छता और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में इंदौर में जो कुछ नवाचार हो रहे हैं, उन्हें वैश्विक स्तर पर भी अपनाया जाएगा। मुंडे ने यह भी कहा कि महाराष्ट्र में होने वाले आगामी स्थानीय निकाय चुनावों के बाद, वह निर्वाचित प्रतिनिधियों को इंदौर भेजेंगी ताकि वे इस शहर से कचरा प्रबंधन के गुर सीख सकें। इस बारे में एक सोशल मीडिया पोस्ट करते हुए मुंडे ने लिखा, कबीट खेड़ी स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का दौरा कर ट्रेंचिंग ग्राउंड एवं सीएनजी प्लांट का भ्रमण करते हुए, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर इंदौर के मेयर श्री पुष्पमित्र भार्गव जी सहित जनप्रतिनिधियों एवं निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति रही। इंदौर नगर पालिक निगम ने ट्रेंचिंग ग्राउंड के कचरे के पहाड़ का कुशलता से निष्पादन कर, इसे दर्शनीय पार्क में परिवर्तित कर दिया है।

## राहुल गांधी ने भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर ‘अनावश्यक’ टिप्पणी की: मुख्यमंत्री सैनी

**चंडीगढ़, एजेंसी।** हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बृहस्पतिवार को कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वह भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर ‘अनावश्यक’ टिप्पणियां करते रहते हैं। सैनी ने दावा किया कि पिछले दो दशकों में राहुल गांधी ने राजनीति में खुद को स्थापित करने की कई बार कोशिश की लेकिन हर बार असफल रहे। उन्होंने कहा, ‘‘राहुल गांधी हर बात पर भारत की संवैधानिक संस्थाओं पर अनावश्यक टिप्पणी करते रहते हैं, अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव आयोग पर टिप्पणी करना अनुचित है।’’

सैनी ने सोशल मीडिया मंच ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, ‘‘ पिछले दो दशकों में उन्होंने (राहुल गांधी ने) राजनीति में स्थापित होने के कई प्रयास किये लेकिन असफल रहे। खुद तो असफल हुए ही, अपने साथ-साथ पूरी कांग्रेस की लुटिया भी डुबो दी।’’ सैनी का यह तीखा हमला राहुल गांधी द्वारा बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और निर्वाचन आयोग के बीच मिलीभगत के जरिए चुनावों में ‘बड़े पैमाने पर आपराधिक धोखाधड़ी’ करने का आरोप लगाए जाने के बाद किया गया।

कांग्रेस नेता ने कर्नाटक के एक निर्वाचन क्षेत्र के आंकड़ों का कथित तौर पर किए गए विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि यह ‘‘संविधान के खिलाफ अपराध’’ है। सैनी ने कहा, ‘‘बार-बार हरियाणा को लक्ष्य करके वो ‘हरियाणा प्रदेश कांग्रेस’ के संगठन की ढिलाई, नाकामी और गुटबाजी पर पर्दा डालने की असफल कोशिश कर रहे हैं।’’ मुख्यमंत्री ने कहा, ‘‘हरियाणा के मेरे परिवारजनों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के आह्वान पर कांग्रेस को नकार कर भारतीय जनता पार्टी को प्रदेश में प्रचंड बहुमत दिया और लगातार तीसरी बार सरकार बनवाई।

# इंस्टाग्राम पर बिक रहे थे अवैध हथियार, यूपी की यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले छात्र पकड़े

**मुजफ्फरनगर, एजेंसी।** यूपी के मुजफ्फरनगर में थाना सिविल लाइन पुलिस व क्राइम ब्रांच ने इंस्टाग्राम व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से अवैध असलाहों को बेचने वाले गिरोह को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों से पुलिस ने तीन पिस्टल, एक रिवाल्वर, नौ तमचे, दो मस्कट व एक स्कूटी बरामद की है। गिरफ्तार सभी आरोपी मेरठ जनपद के रहने वाले हैं और इनमें एक छात्र भी शामिल है। मुजफ्फरनगर में अवैध हथियारों की डिलीवरी करने के लिए आए थे।

पुलिस लाइन में प्रेसवार्ता करते हुए एसपी सिटी सत्यनारायण प्रजापत ने बताया कि थाना सिविल लाइन प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने अपनी टीम व क्राइम ब्रांच को साथ लेकर मुखबिर की सूचना पर संधावली अंडर पास के बराबर से अवैध हथियारों की तस्करी करने आए तस्कर आकिब निवासी लखीमपुरा थाना लिसाडी गेट मेरठ, सालिक, आरिफ व असद निवासीगण निवासी मोहल्ला बनियापाडा थाना कोतवाली नगर मेरठ व कुश कौशिक निवासी मोहल्ला खजूरी दरवाजा थाना किला परीक्षितगढ़ मेरठ को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए गिरोह का सरगना सालिक है। इसके अलावा गिरोह के सदस्य अन्य जनपदों से अवैध हथियार लाकर जनपद व आसपास के जनपदों में सप्लाई करते हैं। थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह ने बताया कि पकड़े गए तस्करों ने जनपद के कई अपराधियों को अवैध हथियार सप्लाई किए हैं। पूछताछ में खुलासा हुआ है।

आरोपी कुश कौशिक मेरठ के विवि का छात्र है। वह कालेज से एमसीए की पढ़ाई कर रहा है। फेल होने के कारण पैसे की कमी की वजह से वह इस गिरोह से जुड़ गया। आरोपी आरिफ कपड़े की दुकान पर नौकरी करता है। अन्य मजदूरी करते हैं। एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने बताया कि तस्करों को पकड़ने में थाना प्रभारी आशुतोष कुमार सिंह, एसआई प्रशांत कुमार, एसआई सानू चौधरी, हैड कांस्टेबल सोविन्द्र ,अंकित, ब्रह्मदेव, सुधीर, तरुण पाल, विक्रांत को दस हजार का इनाम देने की घोषणा की है। यह गिरोह सोशल मीडिया प्लेटफार्मो व इंस्टाग्राम पर रील बनाने वाले युवकों को अपने जाल में फंसाते है। गिरोह के लोग रील बनाने वाले युवकों को रील में अवैध हथियारों के साथ रील बनाने के लि ए कहकर उन्हें अवैध हथियार बेचने का काम करते थे।

# अमेरिका का वेनेजुएलाई राष्ट्रपति पर 50 करोड़ डॉलर का इनाम

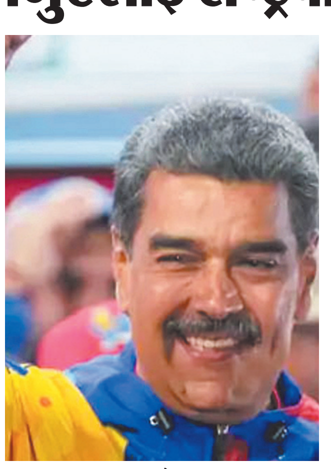

**काराकास, एजेंसी।** अमेरिका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मदुरो की गिरफ्तारी पर 5 करोड़ डॉलर यानी 418 करोड़ इनाम रखा है। ट्रम्प प्रशासन ने आरोप लगाया है कि मदुरो दुनिया के सबसे बड़े नार्को-तस्करों में से एक हैं। मुदरो पर आरोप है कि वे ड्रग कार्टेल के साथ मिलकर अमेरिका में फेंटानिल मिला कोकीन भेज रहे हैं।

अटॉर्नी जनरल पैम बॉन्डी ने गुरुवार को इनाम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प के नेतृत्व में मदुरो न्याय से नहीं बच पाएंगे और उन्हें अपने अपराधों के लिए जवाब देना होगा। बॉन्डी ने कहा कि न्याय विभाग ने मदुरो से जुड़े 70 करोड़ डॉलर से अधिक की संपत्ति जब्त की है। इसमें दो प्राइवेट जेट भी शामिल हैं।

**मदुरो पर 2020 में नार्को टेररिज्म के आरोप लगे थे:** मदुरो पर 2020 में मैनहैटन की संघीय अदालत में नार्को-टेररिज्म और कोकीन तस्करी की साजिश के आरोप तय किए गए थे। उस समय ट्रम्प प्रशासन ने उनकी गिरफ्तारी पर 1.5 करोड़ डॉलर का इनाम रखा था। इसे बाद में बाइडेन प्रशासन ने बढ़ाकर 2.5 करोड़ डॉलर कर दिया। यही इनाम अमेरिका ने 9/11 हमलों के बाद ओसामा बिन लादेन की गिरफ्तारी पर रखा था। मदुरो 2013 से वेनेजुएला की सत्ता में बने हुए हैं। अमेरिका, यूरोपीय यूनियन और लैटिन अमेरिकी देश उन पर चुनावों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते रहे हैं। 2024 में हुए राष्ट्रपति चुनाव में इन देशों ने मदुरो पर धांधली का आरोप लगाया था।

**अमेरिका ने वेनेजुएला पर कई प्रतिबंध लगाए हैं:** वेनेजुएला और अमेरिका के बीच कई दशकों से राजनीतिक मतभेद रहे हैं। वेनेजुएला, अमेरिकी की पूंजीवादी और विदेश नीतियों को लेकर आलोचना करता है तो वहीं, अमेरिका, वेनेजुएला में मानवाधिकार के उल्लंघन पर नाराजगी जताता रहा है। लगभग 100 साल पहले वेनेजुएला में तेल भंडारों की खोज हुई थी। तेल की खोज होने के 20 साल बाद ही वेनेजुएला दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक देशों में से एक बन गया। उसे लैटिन अमेरिका का सऊदी अरब कहा जाने लगा।

1950 के दशक में वेनेजुएला दुनिया का चौथा सबसे धनी देश था। लेकिन आज इस देश की हालत खराब हो चुकी है। देश की 75 फीसदी आबादी गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन कर रही है। बीबीसी के मुताबिक पिछले 7 साल में करीब 75 लाख लोग देश छोड़कर चले गए हैं। दरअसल, वेनेजुएला लगभग पूरी तरह से तेल पर निर्भर था। 80 के दशक में तेल की कीमतें गिरने लगीं। कीमतों में गिरावट ने वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को भी नीचे ला दिया। सरकारी नीतियों की वजह से वेनेजुएला अपना कर्ज चुकाने में फेल होने लगा। बाद में तेल के दाम बढ़े भी तो वह इसका फायदा नहीं उठा सका। 2015 में अमेरिकी प्रतिबंधों की वजह से वेनेजुएला की हालत और खराब हो गई है।

## चीन में छोटे-छोटे मच्छरों का भयानक आतंक, निपटने के लिए उतारने पड़ गए सैनिक और ड्रोन

**ताइपे, एजेंसी।** ड्रैगन कहे जाने वाले पड़ोसी देश चीन में 73 साल पुराना वायरस चिकनगुनिया फिर लौट आया है और इसने अब तक करीब 8000 लोगों को शिकार बना डाला है। मच्छरों के काटने से फैलने वाले इस वायरस की रोकथाम के लिए चीनी अधिकारियों को सैनिक और ड्रोन तक उतारने पड़ गए हैं। चीनी अधिकारी मच्छर जनित वायरस से लड़ने के लिए जाल का इस्तेमाल और कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। सैनिक मास्क पहनकर कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं। यहाँ तक कि छिड़काव के लिए ड्रोन का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा वैज्ञानिकों ने ऐसे बड़े मच्छर तैयार किए हैं, जो खतरनाक मच्छरों के लार्वा खा जाते हैं और तालाबों में मच्छर खाने वाली ऐसी हजारों मछलियां छोड़ी गई हैं।

अधिकारियों ने बताया कि इस वायरस के अधिकांश मामले हांगकांग से लगभग 170 किलोमीटर (105 मील) दूर, दक्षिणी चीनी विनिर्माण केंद्र फोशान में मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बताया है कि नए मामलों की संख्या धीरे-धीरे कम होती दिख रही है। ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के सीज़र लोपेज़-कैमाचो के अनुसार, यह चीन में अब तक दर्ज किया गया सबसे बड़ा चिकनगुनिया प्रकोप प्रतीत होता है। यह वायरस संक्रमित मच्छरों द्वारा फैलता है और बुखार और जोड़ों में दर्द का कारण बन सकता है।

लोपेज़-कैमाचो ने एक बयान में कहा, इस घटना को बड़ी बनाने वाली बात यह है कि चिकनगुनिया चीन की मुख्यभूमि में पहले कभी नहीं फैला था। इससे पता चलता है कि ज़्यादातर आबादी में पहले से कोई रोग प्रतिरोधक क्षमता नहीं थी, इसलिए यह वायरस तेजी से फैल गया।

चीन के सरकारी टेलीविज़न पर कर्मचारियों को शहर की सड़कों, रिहायशी इलाकों, निर्माण स्थलों और अन्य जगहों पर कीटनाशक का छिड़काव करते हुए दिखाया गया है जहाँ लोग मच्छरों के संपर्क में आ सकते हैं। कर्मचारियों ने कार्यालय भवनों में प्रवेश करने से पहले कुछ जगहों पर भी छिड़काव किया। भारी बारिश और उच्च तापमान ने चीन में इस संकट को और बढ़ा दिया है, क्योंकि इसकी वजह से मच्छरों के पनपने की अनुकूल दशा बनती है।

# गाजा सिटी पर कब्जा करेगा इजराइल, 75 प्रतिशत गाजा पट्टी पर पहले से इजराइली सेना का कब्जा

**तेल अवीव, एजेंसी।** इजराइल की सुरक्षा कैबिनेट ने शुक्रवार को गाजा पट्टी के उत्तरी इलाके में मौजूद गाजा सिटी पर कब्जे के लिए इजराइली सेना को मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। फैसले के लिए कैबिनेट ने 10 घंटे तक चर्चा की है। बैठक करीब 10 घंटे चली और उसके बाद नेतन्याहू के कार्यालय से सुबह-सुबह एक बयान जारी किया गया जिसमें कहा गया कि कैबिनेट के ज्यादातर सदस्य इस योजना के पक्ष में थे।

इस योजना का मकसद गाजा शहर में उन इलाकों में घुसना है जहां हमास के कब्जे में अभी भी कई बंधक होने की आशंका है। ये वो इलाके हैं जहां अब तक इजराइली सेना ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई नहीं की है। इजराइली सेना (आईडीएफ) का कहना है कि गाजा के लगभग 75 प्रतिशत हिस्से पर उसका नियंत्रण है। गाजा पट्टी उस 25प्रतिशत इलाके में है, जो आईडीएफ के कब्जे में नहीं हैं। इससे पहले नेतन्याहू ने पूरी गाजा पट्टी पर कब्जे की बात कही थी, लेकिन इस बयान में केवल गाजा सिटी का जिक्र है।

कैबिनेट ने जंग खत्म करने के बदले हमास के सामने 5 प्रमुख शर्तें भी रखी हैं- बचे हुए सभी 50 बंधकों की रिहाई। (इनमें से 20 के जीवित होने की संभावना है) गाजा पर इजराइल का सुरक्षा नियंत्रण। गाजा में ऐसा वैकल्पिक नागरिक प्रशासन बनाना जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण। नेतन्याहू बोले- गाजा को अपने पास रखने का इरादा नहीं नेतन्याहू ने गुरुवार रात कहा था कि जंग के बाद के लिए एक प्लान बनाया जाएगा। इसमें इजराइल गाजा पर नागरिक शासन नहीं करेगा और न ही फिलिस्तीनी अथॉरिटी को इसमें कोई भूमिका दी जाएगी। नेतन्याहू के मुताबिक इजराइल गाजा का सुरक्षा घेरा बनाकर रखेगा, लेकिन में प्रशासन में शामिल नहीं रहेगा। फॉक्स न्यूज को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा, हमारा मकसद गाजा को हमास के आतंक से मुक्त करना, वहां के लोगों को आजादी देना और फिर शासन एक जिम्मेदार अरब ताकत को सौंपना है। जो हमारे लिए खतरा न बने और गाजा के लोगों को अच्छा जीवन दे। नेतन्याहू ने पूरे गाजा पर कब्जे का प्लान बनाया था। इसे बिग गाजा प्लान नाम दिया गया था। हालांकि, उनके प्लान पर सेना से सहमति नहीं बन पाई थी। इजराइली डिफेंस फोर्स के चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल एयाल जमीर ने योजना पर आपत्ति जताई थी। इससे इजराइली राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व के बीच टकराव की स्थिति बन गई थी। जमीर ने चेतावनी दी थी कि गाजा पर कब्जे की कोशिश से वहां बंधक 20 इजराइली नागरिकों की जान को गंभीर खतरा हो सकता है। नेतन्याहू के करीबी सहयोगियों बिग गाजा प्लान के खिलाफ जाने पर आर्मी चीफ जमीर का इस्तीफा मांग चुके हैं। उनके एक करीबी अधिकारी ने एक इजराइली वेबसाइट से कहा कि अब फैसला हो चुका है, हम गाजा पर पूर्ण कब्जे की ओर बढ़ रहे हैं। अगर चीफ ऑफ स्टाफ जमीर को यह मंजूर नहीं है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129